RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

वर्ष-12 अंक:228 ता. 28 फरवरी 2024, बुधवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठः 8 कीमतः 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

मोदी ने गगनयान मिशन के लिए नामित चार अंतरिक्ष यात्रियों के नाम की घोषणा की

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को उन चार अंतरिक्ष यात्रियों के नामों की घोषणा की, जो देश के पहले मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन-'गगनयान' के लिए प्रशिक्षण ले रहे हैं।

मोदी ने तिरुवनंतपुरम के पास थुंबा में विक्रम साराभाई अंतरिक्ष केंद्र (वीएसएससी) का मंगलवार को दौरा किया। उन्होंने इस दौरान भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) की तीन प्रमुख अंतरिक्ष बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन किया। उन्होंने वीएसएससी में बताया कि ग्रुप कैप्टन प्रशांत बालकृष्णन नायर, अंगद प्रताप एवं अजीत कृष्णन और विंग कमांडर शुभांशु शुक्ला गगनयान मिशन के लिए नामित अंतरिक्ष यात्री हैं। उन्होंने इन चारों को 'अंतरिक्ष यात्री पंख' प्रदान किये। इस मौके पर मोदी ने कहा कि ये चार ऐसी ताकतें हैं जो देश के 1.4 अरब लोगों की आकांक्षाओं को समाहित करती हैं। उन्होंने कहा कि चार दशक बाद कोई भारतीय अंतरिक्ष में जाने के लिए तैयार है और 'इस बार उलटी गिनती, समय और यहां तक कि रॉकेट भी हमारा है।'

प्रधानमंत्री ने कहा कि उन्हें इस बात पर गर्व और खुशी है कि गगनयान मानव अंतरिक्ष उड़ान मिशन में उपयोग किए गए अधिकतर पुरजे भारत में बने हैं। प्रधानमंत्री ने देश के अंतरिक्ष कार्यक्रम में महिलाओं द्वारा निभाई गई 'महत्वपूर्ण भूमिका' पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि चंद्रयान और गगनयान जैसे अंतरिक्ष अभियानों में महिलाएं अहम हिस्सा हैं और उनके बिना यह संभव नहीं होता। मोदी ने कहा कि अंतरिक्ष क्षेत्र में भारत की सफलता न केवल देश की युवा पीढ़ी में वैज्ञानिक सोच के बीज बो रही है, बल्कि विभिन्न क्षेत्रों में महत्वपूर्ण विकासात्मक प्रगति से 21वीं सदी में एक बड़े वैश्विक खिलाड़ी के रूप में उभरने में भी मदद मिल रही है। प्रधानमंत्री ने इस दौरान इसरो के गगनयान मानव अंतरिक्ष उड़ान कार्यक्रम की समीक्षा भी की। मोदी ने केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान, मुख्यमंत्री पिनराई विजयन और विदेश राज्य मंत्री वी मुरलीधरन के साथ वीएसएससी में प्रदर्शित विभिन्न इसरो परियोजनाओं की प्रदर्शनी भी देखी। मोदी ने वीएसएससी में एक 'ट्राइसोनिक विंड टनल', तमिलनाडु के महेंद्रगिरि में इसरो प्रणोदन परिसर (इसरो प्रोपल्शन कॉम्प्लेक्स) में 'सेमी-क्रायोजेनिक्स इंटीग्रेटेड इंजन और स्टेज टेस्ट फेसिलिटी' और आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र (एसएचएआर) में पीएसएलवी एकीकरण इकाई का उद्घाटन किया। ये तीन परियोजनाएं अंतरिक्ष क्षेत्र में विश्व स्तरीय तकनीकी सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगभग 1,800 करोड़ रुपये की संचयी लागत पर विकसित की गई हैं। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन का प्रमुख केंद्र वीएसएससी प्रक्षेपण यान प्रौद्योगिकी के डिजाइन और विकास का काम करता है। वीएसएससी में 'ट्राइसोनिक विंड टनल' रॉकेट और विमानों के स्केल्ड मॉडल (किसी वस्तु का 3डी भौतिक मॉडल) की वायुगतिकीय विशेषताओं और डिजाइन का आकलन करने के लिए उनके ऊपर नियंत्रित समान वायु प्रवाह पैदा करती है। इसके परीक्षण खंड का आकार 1.2 मीटर है और यह ध्वनि की गति से चार गुना तक अधिक गति पैदा कर सकती है। महेंद्रगिरि इकाई एक अत्याधुनिक केंद्र है जो प्रणोदक के बड़े प्रवाह को संभालने में सक्षम है। इसकी ऊंचाई 51 मीटर है और इसके 'फ्लेम डिफ्लेक्टर' की गहराई 30 मीटर है। 'फ्लेम डिफ्लेक्टर' ऐसी संरचना या उपकरण है जिसे रॉकेट इंजन या अन्य प्रणोदन प्रणालियों द्वारा पैदा गर्मी और गैसों का मार्ग बदलने या उन्हें विघटित के लिए बनाया जाता है। श्रीहरिकोटा में पीएसएलवी एकीकरण इकाई प्रथम लॉन्च पैड (एफएलपी) से प्रक्षेपण आवृत्ति बढ़ाने के लिए विकसित की गई है और इसमें एकीकरण भवन, सेवा भवन, रेल ट्रैक और संबंधित प्रणाली शामिल हैं। इन सुविधाओं का उद्घाटन भारत की अंतरिक्ष अन्वेषण क्षमताओं में महत्वपूर्ण प्रगति का प्रतीक है।

थोड़ा इंतजार कीजिए: चंद्रयान के बाद अब इंसान को भी चांद पर उतारेगा इसरो

श्रीहरिकोट। अंतरिक्ष शोध में दुनिया को लोहा मनवा चुका इसरो अब इंसानों को चांद पर भेजने की तैयारी कर रहा है। इसके लिए वैज्ञानिक अपना काम कर रहे हैं और सफलता भी मिल रही है। इसरो चीफ एस सोमनाथ ने ऐसे संकेत दिए हैं। हालांकि, उन्होंने इसके लिए 2040 का जिक्र किया है। सोमवार को उन्होंने चांद पर इंसान को भेजने की प्रक्रिया में आने वाली चुनौतियों का भी जिक्र किया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, सोमनाथ ने कहा, हमें स्पेस में जीरो ग्रैविटी वातावरण के लिए एक टेक्नोलॉजी साइंस मैप तैयार करना होगा। जब हम गगनयान मिशन के जरिए उन प्रयोगों के बारे में सोचते हैं, जो हम करना चाहते हैं। कम से कम पांच लोगों को शॉर्टलिस्ट किया गया है। मेरे लिए वो बहुत ज्यादा रोमांचित करने वाला प्रयोग नहीं है।

मोदी ने 'मेरा पहला वोट देश के लिए' का संदेश फैलाने का अनुरोध किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सभी वर्ग के लोगों से नये मतदाताओं के बीच 'मेरा पहला वोट देश के लिए' अभियान के बारे में संदेश फैलाने का आग्रह किया है। नये मतदाताओं के बीच जागरूकता फैलाने और युवा मतदाताओं को अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग करने के लिए प्रोत्साहित करने के वास्ते 'मेरा पहला वोट देश के लिए' विषयक अभियान चलाया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर 'मेरा पहला वोट देश के लिए' एक गान साझा करते हुए अन्य लोगों से भी इसे साझा करने का अनुरोध किया है। श्री ठाकुर की इस पोस्ट पर प्रतिक्रिया करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा, 'आइए हम अपनी चुनावी प्रक्रिया को और अधिक सहभागी बनाएं। मैं सभी वर्गों के लोगों से पहली बार के मतदाताओं के बीच अपने-अपने तरीके से संदेश फैलाने का आह्वान करता हूं।'

गाजा में संघर्ष गंभीर चिंता का विषय : विदेश मंत्री जयशंकर

नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मंगलवार को कहा कि गाजा में संघर्ष बेहद चिंता का विषय है और इससे उत्पन्न मानवीय संकट के लिए एक स्थायी समाधान की आवश्यकता है। साथ ही उन्होंने सात अक्टूबर को हमास

द्वारा इजराइल पर किए गए आतंकी हमले का जिक्र करते हुए कहा कि 'आतंकवाद और बंधक बनाना' अस्वीकार्य है। विदेश मंत्री ने जिनेवा में आयोजित संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 55वें सत्र में अपने डिजिटल वक्तव्य में यह टिप्पणी की। उन्होंने कहा, 'संघर्षों से उत्पन्न होने वाले मानवीय संकटों के लिए एक स्थायी समाधान की आवश्यकता होती है जो सबसे अधिक प्रभावित लोगों को तत्काल राहत दे।' जयशंकर ने कहा, 'साथ ही, हमें स्पष्ट होना चाहिए कि आतंकवाद और बंधक बनाना अस्वीकार्य है। कहने की जरूरत नहीं है कि अंतरराष्ट्रीय मानवीय कानून का हमेशा सम्मान किया जाना चाहिए।' मंत्री ने भारत की लंबे समय से चली आ रही स्थिति को भी दोहराया कि फिलिस्तीन मुद्दे का दो-राज्य समाधान होना चाहिए। उन्होंने कहा, 'यह महत्वपूर्ण है कि संघर्ष क्षेत्र के भीतर या बाहर न फैले।' जयशंकर ने कहा, 'और प्रयासों में दो-राष्ट्र समाधान की तलाश पर भी ध्यान केंद्रित करना चाहिए जहां फलस्तीनी लोग सुरक्षित सीमाओं के भीतर रह सकें।'

वर्ष 2047 से बहुत पहले विकसित देश बन जाएगा भारत : अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को कहा कि सरकार की पहल और उद्योग सहित सभी वर्गों के योगदान से भारत 2047 से बहुत पहले विकसित देश बन जाएगा। उन्होंने कहा कि देश में एक दशक में 'यूपीए' से 'यूपीआई' तक का बदलाव आया है। अनुराग ठाकुर ने यहां भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग महासंघ (फिक्की) के 'विकसित भारतश्च2047ऱ् विकसित भारत और उद्योग' पर आयोजित सत्र में यह बात कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की साहसिक नीतियों और निर्णयों के कारण भारत दुनिया की शीर्ष पांच इकोनॉमी में पहुंच गया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने कहा कि दुनिया भारत और उसकी प्रौद्योगिकी को देख रही है, जिसने न केवल गरीबों को बल्कि हाशिए पर रहने वाले समुदायों को भी सशक्त बनाया है। उन्होंने कहा कि हमने पिछले 10 वर्षों में इसकी नींव रखी है। अगले 25 वर्षों में हम विकसित भारत का लक्ष्य हासिल कर लेंगे। मुझे विश्वास है कि यहां मौजूद उद्योग जगत के नेताओं और उनके द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों में किए जा रहे महत्वपूर्ण प्रयासों के साथ-साथ विनिर्माण और सेवा क्षेत्र में पर्याप्त निवेश के साथ हमारा 2047 से पहले एक विकसित राष्ट्र बनना तय है।

सपा सांसद शफीकुर्रहमान का 94 साल की उम्र में निधन, कई दिनों से थे बीमार

संभल । समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता और संभल से सांसद शफीकुर्रहमान बर्क का मंगलवार को 94 साल की उम्र में निधन हो गया। बताया जा रहा है कि सांसद शफीकुर्रहमान बर्क पिछले काफी दिनों से बीमार चल रहे थे। इस दौरान वे मुरादाबाद के एक अस्पताल में एडमिट थे। पिछले दिनों सपा मुखिया अखिलेश यादव उनसे मिलने अस्पताल भी गए थे। अहम बात यह है कि आगामी लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी ने उन्हें संभल से प्रत्याशी भी बनाया था। बता दें कि शफीकुर्रहमान लोकसभा में सबसे बुजुर्ग सांसद थे। शफीकुर्रहमान बर्क चार बार विधायक और पांच बार सांसद रहे हैं। उन्होंने पहली बार समाजवादी पार्टी की टिकट पर 1996 में लोकसभा चुनाव जीतकर संसद पहुंचे।

स्टार्टअप महाकुंभ भारत की विकास गाथा को दिखाता है: गोयल

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कहा है कि स्टार्टअप महाकुंभ भारत की विकास गाथा को दिखाता है।

श्री गोयल ने मंगलवार को यहां उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग द्वारा आयोजित 'स्टार्टअप महाकुंभ' के उद्घाटन समारोह में मुख्य भाषण में कहा कि स्टार्टअप क्षेत्र ने गतिशीलता, खाद्य, टैक्?सटाइल जैसे विभिन्न क्षेत्रों में विचारों के साथ नवाचार करने की अपनी क्षमता साबित की है।

केन्द्रीय मंत्री ने इस बात पर बल दिया कि स्टार्टअप महाकुंभ की 'भारत इनोवेट्स' थीम नवाचार और स्टार्टअप के बीच जटिल संबंध को दिखाती है। उन्होंने देश भर में 57 विविध स्टार्टअप फुटप्रिन्?ट्स को एक मंच पर लाने के लिए इस आयोजन की सराहना की। उन्होंने भारत स्टार्टअप इकोसिस्टम रजिस्ट्री तथा स्टार्टअप महाकुंभ की वेबसाइट और लोगो भी लॉन्च किया। श्री गोयल ने प्रधानमंत्री नरेन्?द्र मोदी को उद्धृत करते हुए कहा कि भारतीय स्टार्टअप खेल के नियमों को बदल रहे हैं और इसलिए स्टार्टअप क्षेत्र देश की रीढ़ है। उन्होंने देशभर के प्रसिद्ध और विकासशील स्टार्टअप को स्टार्टअप महाकुंभ में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा कि यह एक वार्षिक कार्यक्रम की शुरुआत का प्रतीक है जो 2016 में अपनी स्थापना के बाद से स्टार्टअप इकोसिस्?टम की सफलता की कहानियों और क्रांति को दिखाने के लिए एक मंच प्रदान करता है। उन्होंने डीपीआईआईटी से वित्तीय और लॉजिस्टिक समर्थन के साथ देश के विभिन्न जिलों में मौजूद स्टार्टअप को बढ़ावा देने के प्रयासों को जारी रखने और प्रत्येक जिले से कम से कम एक स्टार्टअप को स्टार्टअप महाकुंभ में प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करने का आग्रह किया।

यूपी राज्यसभा चुनाव-खत्म हुआ मतदान, जमकर हुई क्रॉस वोटिंग, मतगणना शुरू

लखनऊ । यूपी में राज्यसभा की 10 सीटों के लिए मंगलवार को चल रहा मतदान खत्म हो गया है और अब मतगणना जारी है। भाजपा के आठ और सपा के तीन प्रत्याशियों के बीच मुकाबला है। वहीं सपा के सात विधायकों पर क्रास वोटिंग करने का भी आरोप लगा है। भाजपा के आठवें प्रत्याशी की जीत लगभग तय मानी जा रही है। विदित हो कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने आठ और समाजवादी पार्टी (सपा) ने तीन उम्मीदवार मैदान में उतारे हैं। भाजपा ने अपने आठवें उम्मीदवार के रूप में संजय सेठ को मैदान में उतारा है। समझा जाता है कि इस कारण एक सीट पर कड़ी प्रतिस्पर्धा होने की संभावना है। विधानसभा में संख्याबल के हिसाब से यूपी की 10 सीटों में एक अतिरिक्त प्रत्याशी उतारकर बीजेपी ने सपा की मुश्किलें बढ़ा दी थीं राज्यसभा चुनाव में बीजेपी को जहां 8वें उम्मीदवार को जीताने के लिए 19 वोटों की जरूरत है। वहीं, सपा को अपने तीसरे प्रत्याशी के लिए एक वोट की दरकार है। उत्तर प्रदेश में विधानसभा में कुल 403 विधायक है, लेकिन वर्तमान में 4 सीट खाली हैं। ऐसे में वर्तमान विधायकों की संख्या 399 हो जाती है। इनमें भी तीन विधायक जेल में बंद हैं। तब यह संख्या घटकर 396 हो जाती है। एक राज्यसभा सदस्य को जीतने के लिए 37 विधायकों के वोट की जरूरत पड़ेगी। ऐसे में हिसाब लगाए तो सपा को अपने तीनों उम्मीदवारों को जीताने के लिए कुल 111 वोटों की जरूरत पड़ेगी। अब अगर समाजवादी पार्टी की बात करें, तो उनके मौजूदा 108 विधायक हैं। उनमें से दो जेल में हैं. ऐसे में कुल संख्या घटकर 106 रह गई। इसके अलावा पल्लवी पटेल ने वोट नहीं देने की बात कही है। ऐसे में उनके विधायकों की संख्या घटकर 105 हो गई। यानी जरूरी संख्या से 6 कम। अब कांग्रेस के साथ सीटों के बंटवारे के बाद इसमें अगर कांग्रेस के 2 विधायक जोड़ लें तो यह संख्या 107 हो जाती है। ऐसे में सपा को कुल 3 सीट जीतने के लिए 111 वोट की जरूरत पड़ेगी।

ममता बनर्जी शाहजहां शेख को संरक्षण दे रही हैं : भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस सरकार द्वारा संदेशखाली के आरोपी शाहजहां शेख को बचाने का आरोप लगाते हुए आज पूछा कि कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा शाहजहाँ की गिरफ्तारी पर रोक नहीं होने के बावजूद उस पर ममता बनर्जी सरकार की इतनी ममता क्यों बरस रही है और पीड़िताओं के प्रति वह इतनी निर्मम क्यों हैं। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम शुक्ला ने यहां पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय में संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि संदेशखाली मामले में कल कलकत्ता उच्च न्यायालय ने ममता बनर्जी सरकार के उस झूठ को बेनकाब कर दिया कि शाहजहां शेख की गिरफ्तारी पर अदालत की कोई रोक है तथा उसका नाम अभियुक्त के रूप में दर्ज है। अब तृणमूल कांग्रेस बतायें कि अभियुक्त होने के बावजूद उसकी गिरफ्तारी क्यों नहीं हो रही है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी उसके प्रति इतनी ममता क्यों दिखा रहीं हैं और पीड़ित महिलाओं के प्रति इतनी निर्मम क्यों हैं। शुक्ला ने कहा कि सुश्री बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी ने कहा कि उच्च न्यायालय के आदेश के कारण हमारे हाथ बंधे हैं। जबकि उच्च न्यायालय ने कहा कि केवल प्रवर्तन निदेशालय के मामले में गिरफ्तारी पर रोक है। लेकिन संदेशखाली के बलात्कार, जमीन पर कब्जा आदि के मामले में कोई रोक नहीं है। उन्होंने कहा कि संदेशखाली की पीड़ित महिलाओं की शाहजहां एवं उसके भाई सिराजुद्दीन के विरुद्ध 800 से अधिक शिकायतें दर्ज करायी गयीं हैं। लेकिन राज्य सरकार ने प्रदर्शनकारियों के विरुद्ध कार्रवाई की है और अपराधियों पर कार्रवाई में उसके हाथ कांप रहे हैं। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि कांग्रेस एवं इंडी गठबंधन के साथी दल इस पर मौन साधे बैठे हैं। किसी ने एक ट्वीट तक नहीं किया है। पत्रकार से तृणमूल कांग्रेस की सांसद बनी एक नेत्री ने कहा है कि शाहजहां एक सप्ताह में गिरफ्तार कर लिया जाएगा। इसका मतलब है कि उन्हें पता है कि शाहजहां कहां है और उसे किसी खास समय में गिरफ्तार करने की योजना बनी है। इससे साबित होता है कि तृणमूल कांग्रेस शाहजहां को ना केवल संरक्षण दे रही है बल्कि उसकी इस साजिश में साझीदार है।

प्रधानमंत्री मोदी ने बच्चों के मन से भाषायी हीन भावना खत्म करने की दिशा में काम किया: शाह

गांधीनगर (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तारीफ करते हुए कहा कि उन्होंने बच्चों के मन से भाषायी हीन भावना खत्म करने की दिशा में काम किया और लोगों में उनकी अपनी भाषा, संस्कृति, देश और धर्म के प्रति गर्व की भावना पैदा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने जी20 समेत वैश्विक मंचों पर हिंदी में भाषण देकर दुनिया को अपनी बात सुनाई। अपने लोकसभा क्षेत्र गांधीनगर के कलोल में श्री स्वामीनारायण विश्वमंगल गुरुकुल द्वारा संचालित मेडिकल कॉलेज का उद्घाटन करने के बाद एक सभा को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि मोदी सरकार के पिछले एक दशक में देश में चिकित्सा सेवाओं में तेजी से सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि इसमें कोई संदेह नहीं है कि मोदी अगले पांच साल के लिए प्रधानमंत्री बनेंगे। शाह ने कहा, 'पहली बार मोदी सरकार ने विद्यार्थियों के लिए उनकी मातृभाषा में मेडिकल और इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों की पढ़ाई की व्यवस्था की। कम समय में, जो विद्यार्थी गुजरात में मेडिकल साइंस की पढ़ाई करना चाहते हैं, वे विश्व स्तरीय डॉक्टर बन सकते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने बच्चों के मन से भाषाई हीन भावना को खत्म करने का काम किया।' शाह ने कहा कि उन्होंने देशभक्ति की बात करने वाले भारत के नेताओं को विदेशों में धाराप्रवाह अंग्रेजी बोलते देखा है। शाह ने कहा, 'आज नरेन्द्रभाई ने जी20 समेत वैश्विक मंचों को हिंदी में संबोधित करके पूरी दुनिया को अपनी बात सुनाई। उन्होंने जनता में उसकी अपनी भाषा, संस्कृति, देश और धर्म के प्रति गर्व पैदा करने का काम किया।' केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पहली बार देश के युवाओं को भरोसा है कि 2047 में जब भारत अपनी आजादी का शताब्दी वर्ष पूरा करेगा, तब भारत दुनिया में शीर्ष पर होगा। उन्होंने कहा, '2047 में यहां बैठे युवा देखेंगे कि विदेशों में लोग भारतीय वीजा के लिए कैसे लाइन लगाएंगे। मोदी के नेतृत्व में इस तरह का भारत बनाया जा रहा है।'

चुनाव से पहले एसडीएफ ने सिक्किम में राष्ट्रपति शासन लगाने का अनुरोध किया

नई दिल्ली। सिक्किम लोकतांत्रिक मंच (एसडीएफ) ने सत्तारूढ़ सिक्किम क्रांतिकारी मोर्चा (एसकेएम) पर अपने कार्यकर्ताओं पर हमले का आरोप लगाते हुए निर्वाचन आयोग से लोकसभा और विधानसभा चुनावों से पहले राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने का आग्रह किया है। सिक्किम में विधानसभा चुनाव अप्रैल-मई में लोकसभा चुनाव के साथ होने की संभावना है। सोमवार को मुख्य चुनाव आयुक्त को संबोधित एक ज्ञापन में, एसडीएफ नेता और पूर्व मुख्यमंत्री पवन चामलिंग ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार द्वारा समर्थित एसकेएम सदस्य एसडीएफ कार्यकर्ताओं पर हमले कर रहे हैं। यह दावा करते हुए कि सत्तारूढ़ दल द्वारा एसडीएफ कार्यकर्ताओं को चुनाव से पहले मतदाताओं तक पहुंचने नहीं दिया जा रहा है। चामलिंग ने सभी के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने के वास्ते चुनाव से पहले सीमावर्ती राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग की। पार्टी ने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय बलों की तैनाती की भी मांग की।

भारत अब दुनिया का ताकतवर देश, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर विश्वसनीयता बढ़ी : राजनाथ सिंह

-विशाखापट्टनम के 'बुद्धिजीवी सम्मेलन' में भाजपा की मजबूती के बारे में बताया

-रक्षा मंत्री ने कांग्रेस को बताया भ्रष्टाचार, तुष्टीकरण और परिवारवाद की 'अम्मा'

विशाखापट्टनम/नई दिल्ली (एजेंसी)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को कहा कि आज अंतरराष्ट्रीय मंचों पर भारत की विश्वसनीयता बढ़ गई है। भारत अब कमजोर नहीं, बल्कि दुनिया का ताकतवर देश बन गया है। अब यदि कोई भारत को आंख दिखाएगा तो उसे जवाब देने से भारत पीछे नहीं रहेगा। अब कई देशों के राष्ट्राध्यक्ष भी मानते हैं कि 21वीं शताब्दी भारत की होने वाली है। विशाखापट्टनम में 'बुद्धिजीवी सम्मेलन' में उन्होंने कहा कि यही वजह है कि कतर में फांसी की सजा पाए आठ पूर्व भारतीय नौसैनिकों को माफी मिल गई। उनमें से एक इसी विशाखापट्टनम से हैं।

'बुद्धिजीवी सम्मेलन' में राजनाथ सिंह ने उत्तर और दक्षिण भारत की बुनियादी समस्याओं का उल्लेख करते हुए कहा कि दोनों जगह कुछ अलग-अलग संरचनात्मक मुद्दे भी हैं, इसलिए हमारा प्रयास दोनों को और अधिक जोड़ने का होना चाहिए, न कि भाषा और समृद्धि के नाम पर दोनों को तोड़ने का। दक्षिण भारत की समृद्धि के आंकड़ों को खत्म करने के लिए हमारे विपक्ष के साथी कई बार उत्तर भारतीय और दक्षिण भारतीयों के बीच दुश्मनी दिखाने की कोशिश करते हैं, जो पूरी तरह गलत है। उन्होंने कहा कि दक्षिणी भारत के राज्यों की बात करें तो कर्नाटक में लंबे समय तक हमारी सरकार रही है। वर्तमान में पश्चिम बंगाल, उड़ीसा और कर्नाटक में हम दूसरी सबसे बड़ी पार्टी के रूप में हैं। आंध्र प्रदेश, तमिल और केरल में हमारा वोट शेयर लगातार बढ़ रहा है।

रक्षा मंत्री ने भारत के पश्चिमी भाग की बात करते हुए कहा कि राजस्थान और गुजरात जैसे राज्यों में करीब तीन-चार दशक से हमारी पार्टी अपनी प्रभावी उपस्थिति दर्ज करा रही है। पिछले लोकसभा चुनाव में तो पश्चिमी भारत में सबसे ज्यादा सीटें हमें ही मिलीं। गुजरात में लगभग 30 साल से हमारी सरकार है। पूर्वोत्तर की बात करते हुए कहा कि हम पर अक्सर एक आरोप लगता है कि भाजपा केवल उत्तर भारत की पार्टी है। हम पर यह आरोप भी ग़लत है कि हम केवल हिंदी बेल्ट की पार्टी हैं। असम में हमारी दो बार पूर्ण बहुमत की सरकार बनी है। असम तो हिंदी बेल्ट का राज्य नहीं है।

कांग्रेस को भ्रष्टाचार, तुष्टीकरण और परिवारवाद की 'अम्मा' बताते हुए राजनाथ सिंह का कहना था कि कुछ लोग भाजपा पर साम्प्रदायिक पार्टी का आरोप लगाते हैं जबकि भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी सेक्युलर पार्टी है। पांच अरब देशों ने प्रधानमंत्री मोदी को अपने देश का सबसे सर्वोच्च सम्मान दिया है। महिलाओं की सुरक्षा को लेकर हम कितने गंभीर हैं, इसका पता इसी बात से चलता है कि महिलाओं के साथ

दुष्कर्म करने वाले को फांसी की सजा का प्रावधान किया गया है। अर्थव्यवस्था की बात करते हुए उन्होंने कहा कि आज भारत के बैंकों में एनपीए बहुत कम हो गया है। क्रेडिट उठान बढ़ा है। आज भारत 'फ्रैगाइल फाइव' की श्रेणी से निकलकर 'फैब्युलस फाइव' की श्रेणी में पहुंच गया है।

प्रधानमंत्री के खिलाफ गुब्बारे छोड़ने की योजना बनाने के आरोप में कांग्रेसी गिरफ्तार

चेन्नई। तमिलनाडु कांग्रेस कमेटी (टीएनसीसी) की मंगलवार सुबह हुई बैठक में मछुआरों के जटिल मुद्दे पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मंगलवार से राज्य की दो दिवसीय यात्रा के खिलाफ, काले गुब्बारे छोड़कर तथा काले झंडे दिखाकर विरोध प्रदर्शन करने की योजना बनाई जा रही है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष रंजन कुमार द्वारा घोषणा करने के बाद की श्री मोदी के दौरे के दौरान काले गुब्बारे छोड़े जाएंगे, उन्हें उनके आवास से गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने कहा कि गिरफ्तारी एहतियाती कदम के तौर पर की गई है और उस घर में हिरासत में रखा गया है। इस बीच कोयंबटूर शहरी जिला कांग्रेस कमेटी ने रामनाथपुरम जिले के पंबन में मानव श्रृंखला आंदोलन की घोषणा की है और प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान उन्हें काले झंडे दिखाने का इरादा है।

चुराचांदपुर जिले में इंटरनेट 5 दिनों तक और बहाल नहीं होगा

इंफाल। मणिपुर सरकार ने मौजूदा कानून व्यवस्था की समीक्षा के बाद चुराचांदपुर जिले में मोबाइल डेटा सेवाओं सहित इंटरनेट निलंबन को अगले पांच दिनों के लिए और स्थगित कर दिया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। संयुक्त सचिव (गृह) मायेंगबाम वीटो सिंह ने एक आदेश में कहा कि राज्य सरकार ने चुराचांदपुर में मौजूदा कानून व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा करने के बाद वीपीएन के जरिए इंटरनेट सेवा, मोबाइल डेटा सेवाओं और इंटरनेट/डेटा सेवाओं का निलंबन जारी रखने का निर्णय लिया है। इसके लिए मोबाइल सेवा प्रदाताओं को भी आदेश का अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। गौरतलब है कि राज्य सरकार ने 16 फरवरी को चुराचांदपुर में इंटरनेट सेवाओं को अस्थायी रूप से निलंबित करने का आदेश दिया था, जिसके पांच दिन बाद 800 से 1,000 लोगों की भीड़ ने उपायुक्त और पुलिस अधीक्षक के कार्यालय परिसरों में घुसकर तोड़फोड़ की और सरकारी संपत्तियों को आग लगा दी। इस दौरान कई महत्वपूर्ण दस्तावेजों को नुकसान पहुंचाया गया था। सुरक्षा बलों के साथ झड़प में दो लोगों की मौत हो गई और कई लोग घायल हो गए। जब सशस्त्र बदमाशों के साथ कांस्टेबल का एक कथित वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद मणिपुर पुलिस के एक हेड कांस्टेबल के निलंबन का विरोध करने के लिए भीड़ जिला कार्यालय परिसर में घुस गई। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि कार्यालय परिसर में खड़े चुराचांदपुर जिलों में राहत शिविरों के लिए सामग्री ले जा रहे बारह ट्रक और बसें भी जला दी गईं। भीड़ ने डिप्टी कमिश्नर के सरकारी आवास को भी आग लगा दी। इस घटना में राष्ट्रीय ध्वज का भी अपमान होने की खबर है।

भाजपा नेता के बेटे सहित नौ अन्य को ड्रग्स लेने के आरोप में किया गिरफ्तार

हैदराबाद। हैदराबाद पुलिस ने भाजपा नेता के बेटे सहित नौ अन्य को ड्रग्स लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। जानकारी के अनुसार शहर के एक होटल में पार्टी के दौरान ये लोग ड्रग्स का सेवन कर रहे थे। इस दौरान पुलिस ने भाजपा नेता गज्जला योगानंद के बेटे गज्जला विवेकानंद और नौ अन्य को गिरफ्तार किया है। बता दें कि विवेकानंद (37) मंजीरा ग्रुप ऑफ कंपनीज के निदेशक और योगानंद के बेटे हैं, जिन्होंने विधानसभा चुनाव लड़ा था। पुलिस ने गाचीबोवली के रेडिसन ब्लू होटल में तलाशी के दौरान विवेकानंद, सैयद अब्बास अली जफरी, निर्भय, केदार और छह अन्य को गिरफ्तार किया गया। स्पेशल ऑपरेशन टीम-साइबराबाद और गाचीबोवली पुलिस ने संयुक्त रूप से रविवार रात को ऑपरेशन चलाया। इस दौरान पुलिस ने कोकीन के तीन इस्तेमाल किए गए प्लास्टिक कवर, नशीली दवाओं के सेवन के लिए इस्तेमाल किया गया सफेद रंग का कागज और तीन मोबाइल फोन जब्त किए गए।

राहुल की भारत जोड़ो न्याय यात्रा दो से छह तक मध्यप्रदेश में, उज्जैन में होगा रोड शो

भोपाल। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' मध्यप्रदेश में दो से छह मार्च तक आयोजित होगी, जिसकी शुरुआत मुरैना से होगी। प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष और संगठन प्रभारी राजीव सिंह ने बताया कि न्याय यात्रा दो मार्च को मुरैना से शुरु होगी। मुरैना में रोड शो एवं स्वागत कार्यक्रम होगा। मुरैना में ही श्री गांधी का संबोधन होगा।

तीन मार्च को श्री गांधी की यात्रा अग्निवीर पूर्व सैनिक संवाद के साथ शुरू होगी। इसके बाद ये यात्रा शिवपुरी के विभिन्न क्षेत्रों से गुजरेगी। अगले दिन चार मार्च को यात्रा गुना जिले से शुरु होगी। गुना जिले के राघौगढ़ में रोड शो होगा। शाम को राजगढ़ जिले में श्री गांधी किसानों से संवाद करेंगे। श्री सिंह ने बताया कि पांच मार्च को यात्रा राजगढ़ के पचौर और सारंगपुर से उज्जैन जिले के मक्सी में प्रवेश करेगी। इसी दिन श्री गांधी उज्जैन के श्री महाकालेश्वर मंदिर में दर्शन करेंगे। शाम को उज्जैन में युवा अधिकार रैली आयोजित की जाएगी। भारत जोड़ो न्याय यात्रा के तहत श्री गांधी छह मार्च को सुबह बड़नगर में महिला संवाद कार्यक्रम के बाद रोड शो करेंगे। यात्रा दोपहर लगभग 3 बजे रतलाम जिले में पहुंचेगी और शाम को सैलाना में प्रवेश करने के बाद यहां से आगे प्रवेश कर जाएगी।

सड़क हादसे के शिकार व्यक्ति के परिजनों को 1.35 करोड़ का मुआवजा दे

ठाणे। मोटर दुर्घटना दावा न्यायाधिकरण (एमएसीटी) ने 2018 में एक सड़क दुर्घटना में मारे गए 48 वर्षीय व्यक्ति के परिवार को 1.35 करोड़ रुपये का मुआवजा देना का आदेश दिया है। एमएसीटी के अध्यक्ष एसबी अग्रवाल ने आदेश में कहा कि दोषी बस का मालिक और उसकी बीमा कंपनी संयुक्त रूप से मुआवजे की राशि का भुगतान याचिका दायर करने की तारीख से वसूली तक 7.5 प्रतिशत ब्याज के साथ करें। दरअसल ग्यारह नवंबर 2018 को महाराष्ट्र के सिन्नर-शिरडी रोड पर एक बस की पीड़ित के वाहन से टक्कर हो जाने से पीड़ित, एग्नेल इयपुन्नी चक्रमाकिल और कार में सवार चार अन्य लोगों की मौत हो गई थी। याचिकाकर्ता एग्नेल की 52 वर्षीय पत्नी और 31 साल के बेटे ने तर्क दिया कि बस चालक वाहन को लापरवाही से चला रहा था जिससे भीषण टक्कर हुई। उन्होंने एग्नेल की मौत के लिए 2.70 करोड़ रुपये मुआवजे की मांग की थी। बस का मालिक न्यायाधिकरण के सामने पेश नहीं हुआ, इसलिए मामले में उसके खिलाफ एकपक्षीय फैसला सुनाया गया। न्यायाधिकरण ने एग्नेल की एक लाख रुपये की मासिक आय और भविष्य की आय की संभावनाओं के लिए 30 प्रतिशत अतिरिक्त रकम को ध्यान में रखते हुए दावे की गणना की। एमएसीटी ने मृतक की उम्र के आधार पर मुआवजे की गणना की जिससे मुआवजे का आंकड़ा 1,35,90,052 रुपये पर पहुंच गया, जिसमें आय, संपत्ति, सहायता संघ और अंतिम संस्कार का खर्च शामिल हैं।

शिमला में रेस्तरां कर्मचारी की हत्या का आरोपी हरियाणा से गिरफ्तार

शिमला। शिमला के माल रोड पर पुलिस रिपोर्टिंग रूम के पास स्थित एक रेस्तरां के बाहर एक व्यक्ति की हत्या करने के आरोप में 30 वर्षीय व्यक्ति को हरियाणा के सिरसा जिले से गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। शिमला के पुलिस अधीक्षक संजीव कुमार गांधी ने कहा कि सतिंदर पाल को सोमवार रात गिरफ्तार किया गया और बाद में शिमला लाया गया। सोमवार की सुबह 21 वर्षीय मनीष पर तेजधार हथियार से हमला किया गया था जो एक रेस्तरां में काम करता था। हमले के बाद वह पुलिस सहायता कक्ष की ओर भागा और नियंत्रण कक्ष के दरवाजे का शीशा उसी हथियार से तोड़ दिया जिससे उस पर हमला किया गया था। पुलिस मनीष को लेकर इंदिरा गांधी मेडिकल कॉलेज अस्पताल (आईजीएमसीएच) पहुंची जहां डॉक्टरों ने उसे मृत लाया घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, पाल मनीष पर हमला करने के बाद फरार हो गया था लेकिन सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उसकी पहचान की गई और उसे पकड़ने के लिए पुलिस की तीन टीमें तैनात की गईं। आरोपी के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 302 के तहत हत्या का मामला दर्ज किया गया। हिमाचल प्रदेश विधानसभा में इस हत्याकांड को लेकर गर्मागर्म बहस हुई और भाजपा के नेतृत्व वाले विपक्ष ने राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर सवाल खड़े किए।

मोदी की गारंटी मतलब पत्थर की लकीर : सीआर पाटील

- एक साथ 10 हजार से ज्यादा कार्यकर्ताओं के भाजपा जॉइन करना एक ऐतिहासिक घटना

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात प्रदेश भाजपा प्रमुख सीआर पाटील ने आज कहा कि एक साथ 10 हजार से अधिक कार्यकर्ताओं के भाजपा में शामिल होना ऐतिहासिक घटना से कम नहीं हैं। उन्होंने कहा कि मोदी की गारंटी का मतलब पत्थर की लकीर है जो हर हाल में पूरी होगी। सीआर पाटील कांग्रेस के दिग्गज नेता और पूर्व केन्द्रीय मंत्री नारण राठवा और उनके बेटे संग्राम राठवा, कांग्रेस नेता धर्मेन्द्र पटेल के अलावा अन्य राजनीतिक दलों के 10 हजार से ज्यादा कार्यकर्ताओं के भाजपा में शामिल होने के मौके पर बोल रहे थे। सीआर पाटील ने अन्य राजनीतिक दलों से आए नेता और कार्यकर्ताओं का भगवा पटका पहनाकर भाजपा में स्वागत किया। सीआर पाटील ने कहा कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत और दुनिया में अपनी एक अलग पहचान बनाई है। उन्होंने कहा कि पहले नेताओं पर भरोसा नहीं किया जाता था। लेकिन पीएम मोदी के बाद इसमें बदलाव आया है, अब पीएम मोदी एक ऐसे नेता बनकर उभरे हैं जिन पर दुनिया भरोसा करती है। उन्होंने आगे कहा कि मोदी की गारंटी पक्की गारंटी है। देश के बड़े राजनेता भी मानते हैं कि मोदी की गारंटी पत्थर की लकीर है। 1980 में भाजपा की स्थापना के बाद से मोदी ने हमारे वादे पूरे किये हैं। जब भी भाजपा ने पहली बार राम मंदिर का मुद्दा अपने घोषणापत्र में लिखा था, तब सभी भाजपा कार्यकर्ताओं का सपना था कि राम मंदिर बने। पहले कांग्रेसी उपहास करते हुए कहते थे 'मंदिर वहीं बनाएंगे, तारीख नहीं बताएंगे÷। अब

प्रधानमंत्री ने सभी विरोधियों के सवालों का जवाब दे दिया है। उन्होंने कोर्ट के आदेश के तुरंत बाद मंदिर का निर्माण शुरू नहीं किया बल्कि सभी पार्टी नेताओं को एक साथ लाया और 400 साल पुराने राम मंदिर आंदोलन को शांतिपूर्ण ढंग से समाप्त कराया। बाद में जब धारा 370 को बीजेपी के घोषणापत्र में भी शामिल किया गया तो कई लोगों को इस पर संदेह हुआ। एक कांग्रेस नेता ने तो प्रधानमंत्री मोदी को चुनौती देते हुए कहा था कि 370 को हाथ मत लगाना वर्ना कश्मीर में खून की नदियां बह जाएंगी। लेकिन मोदी-शाह की जोड़ी ऐसी धमकियों से नहीं डरी और उन्होंने जबरदस्त प्रतिक्रिया दी और कश्मीर में धारा 370 को शांतिपूर्वक हटाकर इतिहास रच दिया। मोदी ने कांग्रेस के आखिरी 30 साल 5 साल में पूरे कर दिए। प्रधानमंत्री के बारे में बात करते हुए उन्होंने आगे कहा कि मोदी ने सभी गरीबों की मदद की है। उन्होंने इस तरह से काम किया है कि हर गरीब को बिना किसी भेदभाव के मदद और विकास किया जा सके और उन्होंने यह सुनिश्चित करने के लिए काम किया है कि सभी को सभी सरकारी संस्थानों से मदद मिले। प्रधानमंत्री ने 25 करोड़ लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकाला है और 4 करोड़ लोगों को आवास योजना के तहत घर भी उपलब्ध कराये हैं। इसके अलावा उन्होंने कांग्रेस पर भी हमला बोला और कहा कि कांग्रेस अब भ्रमित हो गई है। अब उनका किसी भी प्रकार का कोई लक्ष्य नहीं है।

हिमाचल सरकार ने बेटियों के विवाह की उम्र बढ़ाई

शिमला। हिमाचल की कांग्रेस सरकार ने बेटियों के विवाह की आयू सीमा बढ़ा दी है। राज्य के मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने कहा है कि राज्य में अब बेटियों की शादी 21 वर्ष से पहले नहीं की जा सकेगी। इसके लिए उनकी सरकार कानूनी प्रावधान करने जा रही है। मौजूदा वक्त में बेटियों की शादी की न्यूनतम उम्र 18 साल है और तो लड़कों के लिए 21 है। सुक्खू ने साफ किया कि मौजूदा विधानसभा सत्र में यह बदलाव कर दिया जाएगा। सीएम ने केलांग में लाहौल शरद उत्सव का शुभारम्भ करते हुए मंच से इसका ऐलान किया। सुक्खू ने कहा, अभी हमारा विधानसभा सत्र चल रहा है। हम अपनी बेटियों के लिए एक और योजना लेकर आ रहे हैं। हमने कहा अब बेटी की शादी की उम्र 18 साल नहीं होगी। हिमाचल हिन्दुस्तान में पहला राज्य बनने जा रहा है जहां हम बेटियों की शादी की उम्र 18 से बढ़ाकर 21 साल करने जा रहे हैं। प्रस्तावित बदलाव को जनवरी में ही सुक्खू कैबिनेट से मंजूरी मिल चुकी है। अब विधानसभा में सरकार बिल पेश करने जा रही है। मुख्यमंत्री ने संकेत दिया कि मौजूदा बजट सत्र में कानून में संशोधन किया जा सकता है। इसके बाद राज्य में दूल्हे और दुल्हन दोनों के लिए न्यूनतम उम्र 21 साल हो जाएगी।

आर्थिक तंगी से बढ़ रही हैं आत्महत्या की घटनाएं : कांग्रेस

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने कहा है कि मोदी सरकार एक तरफ गरीबी खत्म करने का ढिंढोरा पीट रही है और दूसरी तरफ सरकारी आंकड़ा बताता है कि आर्थिक तंगी के कारण देश में बड़ी संख्या में लोग आत्महत्या करने को मजबूर हो रहे हैं।

कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने मंगलवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि अकेले 2022 में सात हजार से ज्यादा लोगों ने आर्थिक तंगी के कारण आत्महत्या की है। हर घंटे दो किसान आत्महत्या करने को मजबूर हैं और हर दिन 40 युवा हताश होकर जान देने को मजबूर हैं लेकिन सरकार का दावा है कि देश में सब चकाचक है।'

उन्होंने कहा, 'आज नीति आयोग यह साबित करने पर तुला है कि सरकार ने देश में गरीबी खत्म कर दी है लेकिन इसी रिपोर्ट में बताया गया है कि देश के सबसे गरीब पांच प्रतिशत लोग अपना गुजर-बसर सिर्फ 46 रुपए प्रतिदिन पर करने को मजबूर हैं। नीति आयोग का यह सर्वे देश के अमीरों और गरीबों के

बीच बढ़ती खाई को सही साबित कर रहा है।'

प्रवक्ता ने कहा 'नीति आयोग की इस रिपोर्ट के अनुसार -शहर के पांच प्रतिशत सबसे अमीर लोग, शहर के पांच प्रतिशत सबसे गरीब लोगों से 10 गुना ज्यादा खर्च करते हैं। गांव के पाच प्रतिशत सबसे अमीर लोग, गांव के पांच प्रतिशत सबसे गरीब लोगों से आठ गुना ज्यादा खर्च करते हैं।'

श्रीमती श्रीनेत ने कहा, 'मतलब.. अगर गांव में रहने वाले पांच प्रतिशत सबसे अमीर हर दिन 350 रुपए खर्च करते हैं तो पांच प्रतिशत सबसे गरीब 46 रुपए खर्च करते हैं। वहीं शहर के पांच प्रतिशत सबसे अमीर 700 रुपए खर्च करते हैं, तो सबसे गरीब औसतन 67 रुपए खर्च करते हैं।'

प्रवक्ता ने कहा, 'सरकार के अनुसार अगर देश में सिर्फ सात करोड़ लोग ही गरीब हैं तो फिर 81 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन क्यों देना पड़ रहा है। देश के 35 करोड़ लोगों के पास आवाजाही का कोई साधन और 45 करोड़ लोगों के पास टीवी क्यों नहीं है। रोज़मर्रा की चीजों में भी गिरावट आई है जो साबित करता है कि लोग खर्च नहीं कर पा रहे हैं। दो साल पहले भारत का घरेलू सेविंग रेट जीडीपी से 11 प्रतिशत ऊपर रहता था लेकिन 2 साल में यह जीडीपी के अनुपात में गिरकर पांच प्रतिशत पर आ गया है। सेविंग रेट का आधे से भी कम हो जाना साबित करता है कि लोग महंगाई, गरीबी और आर्थिक असमानता से जूझ रहे हैं।'

उन्होंने कहा, 'देश के हालात समझिए। उप्र के आगरा के तरुण की जॉब चली गई। आर्थिक तंगी ने जकड़ लिया। इसी महीने तरुण की फंदे से लटकती लाश मिली, पास ही बेटे और मां की लाश पड़ी थी। जौनपुर में रहने वाले रमेश बिंद मज़दूरी करते थे। कुछ दिनों से काम नहीं चल रहा था। आर्थिक तंगी बढ़ती गई बोझ न झेल सके, आत्महत्या कर ली।

इसी हफ्ते ब्रजेश पाल ने अपनी सारी डिग्रियां जलाईं और बेरोजगारी से तंग आकर आत्महत्या कर ली। ब्रजेश ने सुसाइड नोट में लिखा- 'क्या फायदा ऐसी डिग्री का, जो नौकरी न दिला सक'।'

तेजस्वी के काफिले का वाहन हुआ हादसे का शिकार, 1 की मौत 10 घायल

पूर्णिया (एजेंसी)। बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री एवं राजद नेता तेजस्वी यादव आम जनता का भरोसा जीतने के लिए जन विश्वास यात्रा पर हैं। लोग जुट रहे हैं और तेजस्वी को आशीर्वाद भी मिल रहा है। इसी बीच एक हादसे की खबर है जिसमें एक वाहन चालक की मौत हो गई और 10 लोग घायल हुए हैं। घायलों में आधा दर्जन पुलिसकर्मी भी शामिल हैं। पूर्णिया के मुफस्सिल थाना के बेलौरी के पास बिहार विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव के काफिले में शामिल एक स्काउट गाड़ी और निजी कार के बीच भीषण टक्कर हो गई।

सूचना मिलते ही एसपी उपेंद्रनाथ वर्मा जीएमसीच पहुंचे जहां उन्होंने चिकित्सक को सभी घायलों के उचित इलाज का निर्देश दिया है। वही एसपी उपेंद्रनाथ वर्मा ने कहा कि एस्कॉर्ट गाड़ी और कार के बीच टक्कर हुई है। जिसमें एक की मौत हुई है जबकि 6 पुलिसकर्मी समेत कई सिविलियन घायल है। बताया जाता है कि आज जन विश्वास यात्रा के दौरान तेजस्वी यादव का काफिला पूर्णिया के बेलौरी से गुजर रहा था। इस काफिले में यह स्काउट गाड़ी भी शामिल थी। गाड़ी पूर्णिया कटिहार फोरलेन सड़क पर रॉन्ग साइड में चली गई। जिस कारण कटिहार की तरफ से आ रही एक लाल रंग की सिविलियन कार से भीषण टक्कर हो गई। जिसमें यह बड़ा हादसा हुआ है। वहीं घटना की सूचना मिलते ही मृतक के परिजन भी अस्पताल पहुंचे। मृतक की पत्नी और उसके परिजनों का रो रो का बुरा हाल है। ग़ौरतलब है की आज नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव पूर्णिया, अररिया, किशनगंज की जन विश्वास यात्रा पर आए थे। वह रात करीब 10~30 बजे पूर्णिया से कटिहार जा रहे थे। तभी यह हादसा हुआ है।

वायनाड से चुनाव लड़ना नहीं चाहते राहुल गांधी ?

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी किस सीट से चुनाव लड़ेंगे इसको लेकर संशय है। कांग्रेस ऐसी सुरक्षित सीट तलाश रही है जहां से उनकी जीत सुनिश्चित की जा सके। तमाम प्रयासों के बाद भी सुरक्षित सीट नहीं मिल पा रही है। जहां तक वायनाड का सवाल है तो सूत्र बता रहे है कि राहुल गांधी इस बार वायनाड से चुनाव नहीं लड़ेंगे। हो सकता है कि इस बार उन्हे दो सीटों पर उतारा जाए। एक कर्नाटक या तेलंगाना से और दूसरी उत्तर प्रदेश से कोई सीट हो सकती है। यह ताजा घटनाक्रम केरल में सीट बंटवारे को लेकर जारी बातचीत के बीच आया है, जहां इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग कांग्रेस पर इस बार 2 के बजाय 3 सीटें देने का दबाव बना रही है। आईयूएमएल वायनाड से चुनाव लड़ना चाहती है, क्योंकि उसके अधिकांश मतदाता मुस्लिम समुदाय से हैं। इसके अलावा, भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने पार्टी के महासचिव डी राजा की पत्नी एनी राजा को वायनाड से मैदान में उतारा है। ऐसे में यह विपक्षी इंडिया गठबंधन के लिए अच्छा नहीं रहेगा कि गठबंधन के एक प्रमुख नेता की पत्नी राहुल गांधी के खिलाफ चुनाव लड़ें।

शाहजहां शेख की गिरफ्तारी से डर रही ममता बनर्जी : भाजपा

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा ने कहा है कि संदेशखाली में घटित अपराधों के बाद फरार शाहजहां शेख को गिफतार करने में ममता बनर्जी डर रही हैं। भाजपा ने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर हमला बोलते हुए सवाल पूछा है कि आखिर ममता बनर्जी, शाहजहां शेख को गिरफ्तार करने से क्यों डर रही हैं, शाहजहां शेख के पास कौन सा राज है? भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता प्रेम शुक्ल ने पार्टी मुख्यालय में मीडिया से बात करते हुए कहा कि शाहजहां शेख की गिरफ्तारी के मामले में सोमवार को कलकत्ता हाईकोर्ट ने टीएमसी सरकार के झूठ को बेनकाब कर दिया है। कोर्ट ने टीएमसी सरकार को फटकार लगाते हुए यह साफ कर दिया है कि शाहजहां शेख की गिरफ्तारी पर कोई रोक नहीं है। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता ने शाहजहां शेख की गिरफ्तारी की मांग करते हुए सवाल पूछा कि आखिर ममता बनर्जी, शाहजहां शेख को गिरफ्तार करने से क्यों डर रही हैं? उन्होंने टीएमसी नेता की गिरफ्तारी की मांग उठाते हुए कहा कि संदेशखाली में महिलाओं के साथ बलात्कार हुआ है और उन पर अत्याचार किया गया है। इस मामले में तो शाहजहां शेख को तुरंत गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

भाजपा प्रवक्ता ने गांधी परिवार सहित विपक्षी नेताओं की चुप्पी पर सवाल उठाते हुए कहा कि लड़की हूं, लड़ सकती हूं का नारा देने वाली प्रियंका गांधी, न्याय यात्रा पर निकले राहुल गांधी और सोनिया गांधी चुप क्यों हैं? इधर राज्यसभा चुनाव को लेकर सपा द्वारा लगाए जा रहे आरोपों को खारिज करते हुए प्रेम शुक्ल ने कहा कि जिन लोगों को पीएम मोदी और सीएम योगी आदित्यनाथ की नीतियों पर भरोसा है, वही लोग भाजपा का साथ दे रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट ने पतंजलि को अवमानना का नोटिस थमाया, कंपनी को भ्रामक विज्ञापन जारी करने से रोका

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को पतंजलि आयुर्वेद लिमिटेड को अपने औषधीय उत्पादों का विज्ञापन करने से रोक दिया और नवंबर के आदेश का उल्लंघन करने के लिए इसके प्रबंध निदेशक आचार्य बालकृष्ण को अदालत की अवमानना का नोटिस जारी किया। हम रामदेव और आचार्य बालकृष्णन को कारण बताने के लिए नोटिस जारी करते हैं। कोर्ट ने कहा कि उनके खिलाफ अदालत की अवमानना की कार्यवाही क्यों नहीं शुरू की जानी चाहिए। एलडी वकील उनकी ओर से नोटिस स्वीकार कर 2 सप्ताह के भीतर उत्तर दें।

शीर्ष अदालत ने कंपनी को यह भी निर्देश दिया कि वह कोई भ्रामक विज्ञापन जारी न करे या एलोपैथी के प्रतिकूल बयान न दे। न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने अपने आदेश में कहा कि प्रतिवादियों को अगले आदेश तक नियमों के अनुसार बीमारियों/बीमारियों के इलाज के रूप में निर्दिष्ट उनके विपणन किए गए औषधीय उत्पादों के विज्ञापन और ब्रांडिंग से रोका जाता है। उन्हें प्रिंट या अन्य मीडिया में किसी भी रूप में किसी भी चिकित्सा प्रणाली के प्रतिकूल कोई भी बयान देने से सावधान किया जाता है।

यह याचिका इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) द्वारा दायर की गई थी, जिसमें सभी बीमारियों का इलाज करने का दावा करने वाले और एलोपैथिक दवाओं की प्रभावकारिता पर संदेह करके डॉक्टरों को बदनाम करने वाले सभी भ्रामक विज्ञापनों के खिलाफ आदेश देने की मांग की गई थी। याचिका में रामदेव और पतंजलि के खिलाफ कार्रवाई की भी मांग की गई है। बार एंड बेंच के अनुसार, जस्टिस अहसानुद्दीन अमानुल्लाह ने कहा, 'मैं प्रिंटआउट और अनुलग्नक लाया हूं। हम आज बहुत सख्त आदेश पारित करने जा रहे हैं. इसके माध्यम से जाओ। आप कैसे कह सकते हैं कि आप ठीक कर देंगे? हमारी चेतावनी के बावजूद आप कह रहे हैं कि हमारी चीज़ें रसायन-आधारित दवाओं से बेहतर हैं?

भारतीय नौसेना वर्ष 2047 तक पूरी तरह आत्मनिर्भर हो जाएगी: नौसेना प्रमुख

तिरुवनंतपुरम (एजेंसी)। नौसेना प्रमुख एडमिरल आर हरि कुमार ने यहां कहा कि औपनिवेशिक काल के सभी अवशेषों का परित्याग करते हुए भारतीय नौसेना बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है और वर्ष 2047 तक यह पूरी तरह 'आत्मनिर्भर' सेना होगी। नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों से बातचीत के बाद मीडिया से यहां बातचीत में हरि कुमार ने कहा कि भारतीय नौसेना महान उपलब्धियां हासिल कर रही है और 33 पनडुब्बी तथा 63 पोतों का निर्माण खुद से कर सकती है।

नौसेना प्रमुख ने कहा, ''हमारा लक्ष्य वर्ष 2047 तक पूरी तरह आत्मनिर्भर बनना है और तब तक सभी पनडुब्बियां, विमान और हथियार भारत में बनाए जाएंगे।'' उन्होंने कहा कि उद्योग को 75 चुनौतियां दी गईं और उद्योग से शानदार प्रतिक्रिया मिली। हरि कुमार ने कहा, ''उनमें से कुछ पहले ही अनुबंध में शामिल हो चुके हैं और कुछ उत्पाद पहले ही शामिल किए जा चुके हैं। बहुत सारी नवीन तकनीक और उत्पाद विकसित किए जा रहे हैं।''

उन्होंने कहा कि अग्निवीर भर्ती कार्यक्रम के माध्यम से नौसेना अगले सात वर्षों में काफी युवा हो जाएगी। उन्होंने कहा कि नौसेना के कर्मचारियों की औसत उम्र 26 वर्ष होगी। नौसेना प्रमुख ने कहा, ''हम जनसांख्यिकीय लाभांश का लाभ उठाने की कोशिश कर रहे हैं।'' उन्होंने कहा कि नौसेना में शामिल होने वाले अग्निवीर बहुत तकनीकी-प्रेमी हैं और नई तकनीकी चुनौतियों का अच्छी तरह से जवाब देते हैं और बदलती चुनौतियों के अनुसार खुद को अच्छी तरह से ढाल लेते हैं। एडमिरल हरि कुमार ने कहा कि नौसेना अपनी आवश्यकताओं के लिए विझिंजम बंदरगाह का उपयोग करने को उत्सुक है। उन्होंने कहा कि अडाणी समूह के साथ उनकी शुरुआती बातचीत हुई थी, लेकिन इसे आगे नहीं बढ़ाया गया। सतह से सतह पर मार करने वाली भारत की स्वदेशी मिसाइल ब्रह्मोस को तेजी से नौसेना के युद्धपोतों में शामिल किया जा रहा है।

हरि कुमार ने कहा, ''हमारी योजना इसे अपने सभी युद्धपोतों में स्थापित करने की है और यह प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ रही है।'' भारत के तीसरे स्वदेशी विमानवाहक पोत के संबंध में हरि कुमार ने कहा कि नई तकनीक उभरने के साथ इसमें कई बदलाव की योजना है। उन्होंने कहा कि विमानवाहक पोत के पास सभी प्रकार के आधुनिक विमानों को संभालने की सुविधा होनी ही चाहिए। हरि कुमार ने कहा, ''वर्तमान में हम आईएनएस विक्रांत प्रकार के विमान वाहक पोत का फिर से ऑर्डर करने के बारे में सोच रहे हैं। कोचीन शिपयार्ड के पास अब विमान वाहक पोत बनाने में कुछ विशेषज्ञता है और हमें इसका लाभ उठाना होगा।'' उन्होंने कहा कि जब तक नया विमानवाहक पोत तैयार होगा, वर्तमान भारतीय विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रमादित्य संन्यास लेने वाला होगा।

इससे पहले, नौसेना के वरिष्ठ अधिकारियों से बात करते हुए हरि कुमार ने कहा कि भारतीय नौसेना अब उन सभी चीजों को हटाने की कोशिश कर रही है जो औपनिवेशिक युग के अवशेष हैं। उन्होंने कहा कि रैंकिंग सिस्टम और वर्दी पर इस्तेमाल होने वाले प्रतीक चिह्न में बदलाव किए जा रहे हैं। हरि कुमार ने कहा, ''अंग्रेजों ने इसे कुछ दशक पहले छोड़ दिया था, लेकिन हम इसका पूरी लगन से अनुसरण रहे हैं। हमारा विचार नौसेना को और अधिक

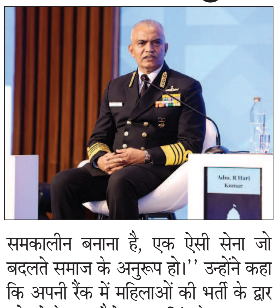

समकालीन बनाना है, एक ऐसी सेना जो बदलते समाज के अनुरूप हो।'' उन्होंने कहा कि अपनी रैंक में महिलाओं की भर्ती के द्वार खोलने के बाद नौसेना अब लिंग के आधार पर तटस्थ बन गई है। उन्होंने कहा, ''महिलाएं किसी भी रैंक में शामिल हो सकती हैं, पनडुब्बियों में जा सकती हैं या फिर समुद्री कमांडो बन सकती हैं।''

गाजा में कब रुकेगी लड़ाई! बाइडन ने बता दी तारीख

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने उम्मीद जाहिर है कि गाजा में अगले सप्ताह की शुरुआत में संघर्ष विराम शुरू हो सकता है। मिस्र, कतर, अमेरिका, फ्रांस और अन्य देशों के प्रतिनिधियों ने फिलिस्तीनी क्षेत्र में बिगड़ते मानवीय संकट के दौरान इजरायल और हमास के लिए मध्यस्थ के रूप में काम किया है, शत्रुता को समाप्त करने और हिरासत में लिए गए इजरायली बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने का प्रयास किया है। न्यूयॉर्क की यात्रा के दौरान जब राष्ट्रपति बाइडेन से पूछा गया कि ऐसा समझौता कब शुरू हो सकता है, तब उन्होंने जवाब दिया कि मेरे राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार मुझसे कहते हैं कि हम करीब हैं, हम करीब हैं, हम अभी तक पूरा नहीं हुए हैं। बाइडेन ने कहा कि मुझे उम्मीद है कि अगले सोमवार तक हम युद्धविराम कर लेने वाले हैं। व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार ने कहा जेक सुलिवन ने बताया कि सप्ताहांत में पेरिस में बैठक में कई दलों के प्रतिनिधियों गाजा में सत्तारूढ़ समूह हमास को छोड़कर इस बात पर सहमति बनी कि अस्थायी युद्धविराम के लिए बंधक समझौते की मूल रूपरेखा कैसी होगी।

नदी में बचाव अभियान पर निकले के दो पुलिस अधिकारियों की मौत

लीमा। पेरू के दक्षिणी अरेक्विपा क्षेत्र में माजेस नदी में बचाव अभियान पर निकले पेरू राष्ट्रीय पुलिस दल दो सदस्यों की नाव पलटने से मौत हो गई। देश के आंतरिक मंत्रालय ने बताया सात अधिकारी नाव पर सवार थे और उन तीन खनिकों में से एक की तलाश कर रहे थे जो कुछ दिन पहले नदी के किनारे गायब हो गए थे। अन्य पांचों को मामूली चोटों के कारण स्थानीय अस्पताल ले जाया गया। नाव पलटने के कुछ घंटों बाद पर्सी कोरोनेल कोंडोरी और जॉर्ज मार्केज़ मार्टिनेज के शव पाए गए।

स्वीडन के नाटो में शामिल होने के प्रस्ताव मंजूर

बुडापेस्ट। हंगरी की संसद ने नाटो में शामिल होने के लिए स्वीडन के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। संसद के 199 सदस्यों में से 194 ने सोमवार को मतदान में भाग लिया। इनमें से 188 वोट पक्ष में और छह विपक्ष में पड़े। हंगरी की संसद ने सोमवार को वसंत सत्र के पहले दिन विधेयक पर मतदान किया। रिपोर्ट के अनुसार, हंगरी के प्रधानमंत्री विक्टर ओर्बन ने कहा, स्वीडिश-हंगेरियन सैन्य सहयोग और स्वीडन के नाटो में शामिल होने से हंगरी की सुरक्षा मजबूत होगी।विपक्षी पार्टी अवर होमलैंड के एलोड नोवाक उन छह सांसदों में से एक थे, जिन्होंने इसके खिलाफ मतदान किया। मतदान से पहले उन्होंने कहा, आइए स्वीडन के नाटो में शामिल होने पर वीटो करें।सोमवार को अपने समर्थन के साथ, हंगरी उन 31 नाटो सदस्य देशों में से अंतिम देश बन गया, जिसने इस सैन्य गठबंधन में शामिल होने के लिए स्वीडन के प्रस्ताव को मंजूरी दी। अब जुलाई में वाशिंगटन डीसी में होने वाले नाटो के अगले शिखर सम्मेलन में स्वीडन आधिकारिक तौर पर गठबंधन का 32वां सदस्य बन जाएगा। बिल को कानून बनने के लिए अभी भी हंगरी के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति तमस सुलियोक के हस्ताक्षर की आवश्यकता है। हंगेरियन संसद की मंजूरी का स्वीडिश प्रधानमंत्री उल्फ क्रिस्टर्सन ने स्वागत किया। इसे एक ऐतिहासिक दिन बताते हुए क्रिस्टर्सन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि स्वीडन यूरो-अटलांटिक सुरक्षा के लिए अपनी जिम्मेदारी निभाने को तैयार है।गौरतलब है कि फरवरी 2022 में यूक्रेनी संकट बढ़ने के बाद स्वीडन और फ़िनलैंड ने नाटो में शामिल होने के लिए आवेदन किया। उनके शामिल होने के लिए नाटो के सभी सदस्यों की मंजूरी की आवश्यकता थी।

इंट्यूएटिव मशीन्स का नोवा-सी लैंडर है स्वस्थ

-कंपनी के मिशन नियंत्रण में वापस भेज रहा डाटा

वाशिंगटन। इंट्यूएटिव मशीन्स का नोवा-सी लैंडर, जिसे ओडीसियस कहा जाता है, स्वस्थ है, सौर ऊर्जा एकत्र कर रहा है और डेटा को अमेरिका के ह्यूस्टन में कंपनी के मिशन नियंत्रण में वापस भेज रहा है। अंतरिक्ष एजेंसी नासा इस बात से उत्साहित है कि उसके विज्ञान उपकरण और प्रौद्योगिकी प्रदर्शन चंद्रमा की सतह पर ठीक से काम कर रहे हैं। नासा विज्ञान अनुसंधान और प्रौद्योगिकी प्रदर्शनों को लेकर, ओडीसियस का सतही संचालन चल रहा है और 29 फरवरी तक चलने की उम्मीद है। अब जब वे चंद्र सतह पर हैं, तो नासा के उपकरण चंद्र सतह की बातचीत और रेडियो खगोल विज्ञान की जांच पर ध्यान केंद्रित करेंगे। लूनर नोड 1 नेविगेशन डिमॉन्स्ट्रेटर एक छोटा, क्यूबसैट आकार का प्रयोग है जो नेविगेशन का प्रदर्शन करेगा, जिसका उपयोग भविष्य के लैंडर्स, सतह के बुनियादी ढांचे और अंतरिक्ष यात्रियों द्वारा किया जा सकता है, जो अन्य अंतरिक्ष यान, ग्राउंड स्टेशनों के सापेक्ष चंद्रमा पर उनकी स्थिति की डिजिटल पुष्टि करता है। लेजर रेट्रोरिफ्लेक्टर ऐरे आठ रेट्रोरिफ्लेक्टरों का एक संग्रह है, जो सटीक लेजर रेंजिंग को सक्षम बनाता है, जो परिक्रमा करने वाले या उतरने वाले अंतरिक्ष यान से लैंडर पर रिफ्लेक्टर के बीच की दूरी का माप है। सरणी एक निष्क्रिय ऑप्टिकल उपकरण है और आने वाले दशकों तक चंद्रमा पर एक स्थायी स्थान मार्कर के रूप में कार्य करेगा। रेडियो फ़्रीक्वेंसी मास गेज एक प्रौद्योगिकी प्रदर्शन है जो कम गुरुत्वाकर्षण वाले अंतरिक्ष वातावरण में अंतरिक्ष यान टैंकों में प्रणोदक की मात्रा को मापता है। नासा ने कहा कि सेंसर तकनीक का उपयोग करते हुए, गेज नोवा-सी के ईंधन और ऑक्सीडाइज़र टैंक में क्रायोजेनिक प्रणोदक की मात्रा को मापेगा, जो डेटा प्रदान करेगा, जो भविष्य के मिशनों पर ईंधन के उपयोग की भविष्यवाणी करने में मदद कर सकता है।

फ़िलिस्तीनी राष्ट्रपति ने शतयेह सरकार का इस्तीफा किया स्वीकार

रामल्ला। फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास ने प्रधान मंत्री मोहम्मद शतयेह की सरकार का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। फ़िलिस्तीनी समाचार एजेंसी वफ़ा की रिपोर्ट के अनुसार, अब्बास ने सोमवार को शतयेह की सरकार को नई सरकार बनने तक अस्थायी रूप से अपने कर्तव्यों को जारी रखने को कहा। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, इससे पहले दिन में शतयेह ने अब्बास को अपनी सरकार का इस्तीफा सौंप दिया। रामल्लाह में आयोजित साप्ताहिक कैबिनेट बैठक के दौरान शतयेह ने कहा, 'इस्तीफा देने का निर्णय गाजा पट्टी, वेस्ट बैंक और यरूशलेम में जारी गतिविधियों के आलोक में लिया गया है।' अप्रैल 2019 में गठित, शतयेह की सरकार को फिलिस्तीनी सुलह प्रयासों को सुविधाजनक बनाने का काम सौंपा गया था।

दक्षिण कोरिया में डॉक्टरों क्यों कर रहे हड़ताल, क्या कर रही है सरकार, मरीजों का कैसे हो रहा इलाज

दक्षिण कोरिया में डॉक्टर हड़ताल पर चले गए हैं। हड़ताल पर जाने डॉक्टर्स सरकार के उस फैसले का विरोध कर रहे हैं, जिसमें नए मेडिकल कॉलेजेस के जरिए डॉक्टर्स की भर्ती की जानी है। लगभग 8,940 मेडिकल प्रशिक्षुओं और निवासियों ने विरोध स्वरूप अपना कार्यस्थल छोड़ दिया है, जिससे दक्षिण कोरिया के प्रमुख अस्पतालों का संचालन बाधित हो गया है और देश की समग्र चिकित्सा सेवा पर बोझ पड़ने की धमकी दी गई है। अब, अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि उनके पास काम पर लौटने या लाइसेंस निलंबन और अभियोजन का सामना करने के लिए गुरुवार तक का समय है।

डॉक्टर हड़ताल क्यों कर रहे हैं?

सरकार की योजना दक्षिण कोरिया की वार्षिक मेडिकल स्कूल प्रवेश सीमा को मौजूदा 3,058 से बढ़ाकर 2,000 करने की है। नामांकन योजना का उद्देश्य देश की तेजी से बढ़ती उम्र से निपटने के लिए 2035 तक 10,000 डॉक्टरों को जोड़ना है। अधिकारियों का कहना है कि दक्षिण कोरिया में प्रति 1,000 लोगों पर 2.1 चिकित्सक हैं - जो विकसित दुनिया के औसत 3.7 से काफी कम है। हड़ताली प्रशिक्षणरत डॉक्टरों का कहना है कि स्कूल मेडिकल छात्रों की अचानक बढ़ी संख्या को संभाल नहीं सकते हैं। उनका अनुमान है कि अधिक प्रतिस्पर्धा में डॉक्टर जरूरत से ज्यादा इलाज करेंगे - जिससे सार्वजनिक चिकित्सा खर्च बढ़ जाएगा - और, वर्तमान मेडिकल छात्रों की तरह, अतिरिक्त रूप से भर्ती किए गए अधिकांश मेडिकल छात्र भी प्लास्टिक सर्जरी और त्वचाविज्ञान जैसे उच्च-भुगतान वाले, लोकप्रिय व्यवसायों में काम करने की कोशिश करेंगे। इसका मतलब है कि देश में बाल रोग, प्रसूति विज्ञान और आपातकालीन विभाग जैसे आवश्यक लेकिन कम वेतन वाले क्षेत्रों में चिकित्सकों की लंबे समय से चली आ रही कमी अपरिवर्तित रहेगी।

मैड्रिड में बढ़ती कीमतों के साथ ही टेक्स बढ़ाये जाने से नाराज किसानों ने एक बड़ी रैली निकालकर विरोध जताया।

तमस सुलिओक बने हंगरी के नए राष्ट्रपति

बुडापेस्ट। हंगरी के सांसदों ने संवैधानिक न्यायालय के प्रमुख तमस सुलिओक को देश का नया राष्ट्रपति चुना है। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, 199 सांसदों में से 146 ने सोमवार को मतदान में भाग लिया। इनमें से 134 वोट पक्ष में और पांच वोट विपक्ष में पड़े। सात वोट अवैध था। विपक्ष के अधिकतर सांसदों ने मतदान में भाग नहीं लिया।

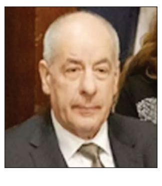

सुलिओक ने गुरुवार को अपने नामांकन के दौरान भाषण में कहा था, 'एक न्यायविद् के रूप में, और गणतंत्र के राष्ट्रपति के रूप में मेरी भूमिका में, मेरी सबसे महत्वपूर्ण प्रतिबद्धता जनता की भलाई के लिए काम करना और कानून के बुनियादी मूल्यों को बनाए रखते हुए देश की एकता को मूर्त रूप देना है।'. सुलिओक की पूर्ववर्ती कैटालिन नोवाक ने बाल दुर्व्यवहार क्षमा घोटाले के बाद 10 फरवरी को पद छोड़ दिया। सुलिओक को पांच साल के कार्यकाल के लिए चुना गया है। 24 मार्च, 1956 को दक्षिणी हंगरी के किस्कुनफ़ेलेगिहाज़ा में जन्मे, सुलिओक ने 1980 में सेज्ड में जोज़सेफ अत्तिला विश्वविद्यालय से स्नातक किया। 2004 में यूरोपीय कानून योग्यता और 2013 में पीएचडी भी की। सुलिओक ने न्यायिक क्लर्क, कानूनी सलाहकार, वकील के रूप में और सेज्ड में ऑस्ट्रिया के मानद वाणिज्य दूत व 2005 से सेज्ड विश्वविद्यालय में संवैधानिक कानून में अतिथि व्याख्याता के रूप में कार्य किया है। उन्होंने 2015 से संवैधानिक न्यायालय के उपाध्यक्ष की भूमिका निभाई, जबकि वे 2016 में संवैधानिक न्यायालय के अध्यक्ष चुने गए।

2.5 करोड़ देकर यूएई की जेल में बंद 900 भारतीयों को छुड़वाया, दुनिया में हो रही तारीफ, कौन हैं अरबपति फिरोज मर्चेंट?

(एजेंसी)। भारतीय व्यवसायी और परोपकारी व्यक्ति ने 2024 की शुरुआत से खाड़ी देश की जेलों से 900 कैदियों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए 1 मिलियन दिरहम (लगभग 2.5 करोड़ रुपये) का दान दिया। उनका लक्ष्य इस वर्ष 3,000 कैदियों को रिहा कराना है। प्योर गोल्ड ज्वैलर्स के 66 वर्षीय मालिक फिरोज मर्चेंट ने संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के अधिकारियों को 1 मिलियन दिरहम का दान दिया। वह दुबई में स्थित है। फिरोज मर्चेंट के कार्यालय ने कहा, यह रमज़ान से पहले विनम्रता, मानवता, क्षमा और दयालुता का संदेश है।

उनके कार्यालय के बयान में कहा गया है कि दुबई स्थित प्रमुख भारतीय व्यवसायी और प्योर गोल्ड के

परोपकारी फिरोज मर्चेंट ने अरब देश की जेलों से 900 कैदियों की रिहाई सुनिश्चित करने के लिए करीब 2.25 करोड़ (एईडी 1 मिलियन) का दान दिया है। मर्चेंट अपनी 'द फॉरगॉटन सोसाइटी' पहल के लिए

जाने जाते हैं, 2024 की शुरुआत से पहले ही 900 कैदियों की रिहाई की सुविधा प्रदान कर चुके हैं।

मागल्फ़ न्यूज़ पोर्टल के अनुसार, इसमें अजमान के 495 कैदी, फुजैरा के 170 कैदी, दुबई के 121 कैदी, उम्म अल क्वैन के 69 कैदी और रास अल खैमा के 28 कैदी शामिल हैं। खाड़ी में रहने वाले तेलुगु समुदाय के लिए एक ऑनलाइन समाचार पोर्टल, मैगल्फ के अनुसार, मर्चेंट ने उनके कर्ज का भुगतान भी किया और उन्हें घर लौटने के लिए हवाई किराया भी प्रदान किया, जिसका लक्ष्य परिवारों को फिर से एकजुट करना और जीवन में दूसरा मौका देना था। 2024 के लिए उनका लक्ष्य 3,000 से अधिक कैदियों को मुक्त कराने में मदद करना है।

आमने-सामने होंगे ट्रंप और बाइडन, यूएस-मेक्सिको सीमा का दौरा करेंगे दोनों प्रतिद्वंद्वी नेता

एजेंसी। अमेरिका का अगला राष्ट्रपति कौन होगा? पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और राष्ट्रपति जो बाइडेन आप्रवासन मतदाताओं का दिल जीतने की होड़ में लगे हुए हैं। राष्ट्रपति जो बाइडेन और डोनाल्ड ट्रम्प दोनों शेड्यूल के एक हाई-प्रोफाइल टकराव में यूएस-मेक्सिको सीमा का दौरा करेंगे। वे 2024 के चुनाव में सबसे गर्म मुद्दों में से एक आप्रवासन पर मतदाताओं का दिल जीतने की होड़ में हैं। बाइडेन ने कांग्रेस पर अपने सुधारों का समर्थन करने में विफल रहने का आरोप लगाकर अपने पुनर्निर्वाचन अभियान के लिए एक बड़े खतरे को कम करने की कोशिश की है। ट्रम्प के लिए कठोर आप्रवासन विरोधी रुख वर्षों से उनकी राजनीतिक पहचान का केंद्र रहा है। उन्होंने व्हाइट हाउस में वापसी की मांग करते हुए बार-बार मेक्सिको से क्रॉसिंग पर रोक लगाने की कसम खाई है। प्रतिद्वंद्वी टेक्सास में सीमा के विभिन्न हिस्सों का दौरा करने के लिए तैयार हैं, जो अमेरिकियों के चुनाव में जाने से आठ महीने से भी कम समय पहले एक उल्लेखनीय स्प्लिट-स्क्रीन क्षण स्थापित करेगा। व्हाइट हाउस की प्रवक्ता कैरिन जीन-पियरे ने तब टिप्पणी करने से इनकार कर दिया जब ट्रंप के अधिकारियों ने बिना किसी सबूत के दावा किया कि ट्रंप की यात्रा की घोषणा के बाद बाइडेन ने जल्दबाजी में अपनी यात्रा की योजना बनाई थी। प्रवासियों का मुद्दा 2024 के चुनाव में सबसे गर्म मुद्दों में से एक बना हुआ है। हर साल अमेरिका में रिकॉर्ड संख्या में प्रवासी अवैध रूप से प्रवेश करते हैं। इसको लेकर बाइडेन ने कांग्रेस पर आरोप लगाया है। वहीं ट्रंप हमेशा से कठोर आप्रवासन विरोधी रुख अपनाए हैं।

मजबूत व सशक्त फ़िलिस्तीनी सरकार चाहता है संयुक्त राष्ट्र : प्रवक्ता

संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र (यूएन) एक मजबूत और सशक्त फिलिस्तीनी सरकार देखना चाहता है। यह बात विश्व निकाय के एक प्रवक्ता ने फिलिस्तीन के प्रधान मंत्री मोहम्मद शतायेह के नेतृत्व वाली सरकार के इस्तीफे पर अपनी प्रतिक्रिया में कही।

संयुक्त राष्ट्र प्रमुख के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटेरेस ने शतायेह की सोमवार की इस घोषणा पर ध्यान दिया है कि उन्होंने अपनी सरकार का इस्तीफा फिलिस्तीनी राष्ट्रपति महमूद अब्बास को सौंप दिया है।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने प्रवक्ता के हवाले से कहा,एक मजबूत, सशक्त व संप्रभु फिलिस्तीनी सरकार ही इलाके में स्थायी शांति हासिल करने का एकमात्र तरीका है। उन्होंने एक दैनिक प्रेस वार्ता में कहा कि संयुक्त राष्ट्र फिलिस्तीनी लोगों के सामने आने वाली मानवीय, राजनीतिक, वित्तीय और सुरक्षा की चुनौतियों पर काबू पाने के उद्देश्य से प्रयासों का समर्थन जारी रखेगा।

प्रवक्ता ने कहा कि विश्व स्वास्थ्य संगठन और मानवीय मामलों के समन्वय कार्यालय (ओसीएचए) द्वारा समर्थित फिलिस्तीन रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने दक्षिणी गाजा में खान यूनिस के नासिर अस्पताल से 72 गंभीर रोगियों को निकालने का काम पूरा कर लिया है।

प्रवक्ता ने कहा, संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष की रिपोर्ट है कि गाजा में नवजात शिशु मर रहे हैं, क्योंकि उनकी माताएं प्रसवपूर्व या प्रसवोत्तर जांच में शामिल होने में असमर्थ हैं। लगातार बमबारी, सुरक्षा और पलायन के कारण समय से पहले बच्चों का जन्म हो रहा है।

गाजा की स्थिति पर अपने दैनिक अपडेट में, ओसीएचए ने कहा कि सोमवार को गाजा पट्टी के अधिकांश हिस्सों में हवा, जमीन और समुद्र से तीव्र इजरायली बमबारी की सूचना मिलती रही। इसके परिणामस्वरूप नागरिक हताहत हुए, विस्थापन हुआ और नागरिक बुनियादी ढांचे का विनाश हुआ।

इजरायली बलों और फिलिस्तीनी सशस्त्र समूहों के बीच भारी लड़ाई भी जारी रही। ओसीएचए ने कहा कि शुक्रवार और सोमवार के बीच, सशस्त्र फिलिस्तीनी समूहों द्वारा इज़रायल की ओर कथित तौर पर दसियों रॉकेट दागे गए।

ओसीएचए ने गाजा में स्वास्थ्य मंत्रालय के हवाले से कहा कि 7 अक्टूबर, 2023 से गाजा में कम से कम 29,782 फिलिस्तीनी मारे गए हैं और 70,043 घायल हुए हैं।

नॉटिंघम हत्याकांड में मारे गए छात्रों के परिजनों ने कुप्रबंधन का लगाया आरोप

-यूके पुलिस ने हकीकत सामने लाने वाले मीडिया पर भी बनाया दबाव

लंदन (एजेंसी)। नॉटिंघम हत्याकांड के पीड़ितों के परिवारों ने कुप्रबंधन के आरोप लगाते हुए यूके पुलिस की कड़ी आलोचना की है। प?रिजनों ने कहा कि वे मामले में अपनी आवाज जरूर उठाएंगे। गौरतलब है कि 19 वर्षीय ब्रिटिश-भारतीय ग्रेस ओमैली-कुमार, साथी छात्र बार्नबी वेबर और 65 वर्षीय स्कूल केयरटेकर इयान कोट्स की 13 जून, 2023 को नॉटिंघम विश्वविद्यालय के पास वाल्डो कैलोकेन ने चाकू मारकर हत्या कर दी थी। मी?डिया ?रिपोर्ट के अनुसार पीड़ित परिवारों ने नॉटिंघमशायर पुलिस पर मामले में अपनी असफलता के विवरण को सार्वजनिक करने से रोकने के लिए मीडिया पर दबाव डालने का आरोप लगाया। 32 वर्षीय कैलोकेन को पिछले महीने अनिश्चितकालीन अस्पताल के आदेश की सजा सुनाई गई थी। कोर्ट ने पुलिस व मनोचिकित्सकों की इस रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया था कि वारदात के समय वह पैरानॉयड सिज़ोफ्रेनिया से पीड़ित था। पीड़ित परिवारो ने फैसले पर सदमे और गुस्से के साथ प्रतिक्रिया व्यक्त की।

इसमें कहा गया था कि कैलोकेन को मानसिक बीमारी के कारण हत्या के मुकदमे का सामना नहीं करना पड़ेगा। इसके अलावा, उन्होंने सुनवाई के दौरान यह सामने आने के बाद पुलिस की आलोचना की कि, उन्होंने एक व्हाट्सएप ग्रुप पर मृतकों के बारे में विवरण साझा किया था। पीड़ित परिवारों ने सोमवार को जारी बयान में कहा ?कि हम चुप नहीं रहेंगे। इस व्यवहार पर ध्यान दिया जाना चाहिए और तत्काल बदलाव किए जाने चाहिए, अन्य निर्दोष परिवारों के साथ ऐसा दोबारा नहीं होना चाहिए। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि पुलिस बल ने पिछले सप्ताह एक ऑफ-द-रिकॉर्ड प्रेस वार्ता की, जहां उन्होंने पत्रकारों से कहा कि वे चर्चा की गई जानकारी की रिपोर्ट नहीं कर सकते। फिलहाल, पीड़ित परिवार गृह सचिव की प्रतिक्रिया का इंतजार कर रहे हैं और उन्होंने विपक्षी नेता कीर स्टार्मर को भी पत्र लिखकर उनसे और उनके मंत्रियों के साथ बैठक कर जानकारी देने की मांग की है।

आरक्षित सीट को अधिसूचित किये बिना एसेम्बली का सत्र नहीं बुलाया जा सकता: इमरान खान की पार्टी

इस्लामाबाद (एजेंसी)। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान की पार्टी ने मंगलवार को कहा कि आरक्षित सीट अधिसूचित किये बिना प्रांतीय एसेम्बली का सत्र नहीं बुलाया जा सकता। एक दिन पहले पंजाब और सिंध की एसेम्बली का सत्र बुलाया गया और मुख्यमंत्रियों को शपथ दिलायी गयी।

डॉन अखबार के अनुसार खान (71) की पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के नेता बैरिस्टर गौहर खान ने यहां मीडिया से कहा कि नयी प्रांतीय एसेम्बली का सत्र तभी बुलाया जाना चाहिए जब सदन के सभी सदस्यों को अधिसूचित किया जाए।

उन्होंने कहा, ''पंजाब (एसेम्बली का) सत्र गैर कानूनी तरीके से चलाया गया। सिंध एसेम्बली सत्र गैर कानूनी तरीके से चलाया गया। यदि नेशनल एसेम्बली सत्र बुलाया जाता है तो वह भी अवैध होगा क्योंकि एसेम्बली को सदन के सभी सदस्यों को अधिसूचित करने के बाद ही बुलाया जाना चाहिए।' उन्होंने पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) से आरक्षित सीट सुन्नी इत्तेहाद काउंसिल (एसआईसी) के लिए अधिसूचित करने की अपील की जिस पर उनकी पार्टी ने औपचारिक रूप से करार किया है।

खान की पार्टी उसके ऐतिहासिक चुनाव निशान 'क्रिकेट बल्ला' का आवंटन नहीं किये जाने के बाद आठ फरवरी को आम चुनाव में प्रत्यक्ष रूप से हिस्सा नहीं ले पायी। आरक्षित सीट में पार्टी का हिस्सा पाने के लिए पीटीआई के प्रत्याशी एसआईसी में औपचारिक रूप से शामिल हो गये। ये ऐसे उम्मीदवार हैं जिन्होंने निर्दलीय के रुप में लड़कर चुनाव जीता।

एसआईसी इस मुस्लिम बहुल देश में इस्लामिक राजनीतिक एवं धार्मिक दलों का गठबंधन है। ये दल सुन्नी मुसलमानों का प्रतिनिधित्व करते हैं। पाकिस्तान चुनाव आयोग पीटीआई समर्थित एसआईसी की अर्जी पर मंगलवार को सुनवाई करेगा। इस अर्जी में एसआईसी ने नेशनल और प्रांतीय एसेम्बली में आरक्षित सीट में अपने हिस्से का आवंटन करने की मांग की है।

सोमवार को राष्ट्रपति आरिफ अल्वी ने नवगठित नेशनल एसेम्बली का पहला सत्र 29 फरवरी से बुलाने का संसदीय कार्य मंत्रालय का अनुरोध खारिज कर दिया था। अल्वी ने कहा था कि सत्र बुलाये जाने से पूर्व सभी आरक्षित सीट आवंटित कर दी जाएं। इस सत्र में नेशनल एसेम्बली के नवनिर्वाचित सदस्य शपथ लेंगे। अल्वी के इनकार के बाद नेशनल एसेम्बली के निवर्तमान अध्यक्ष राजा परवेज अशरफ ने संसद के निचले सदन का सत्र 29 फरवरी को को बुलाने का फैसला किया। अल्वी पीटीआई संस्थापक खान के करीबी रहे हैं।

अबू धाबी का BAPS मंदिर 1 मार्च से जनता के लिए खुलेगा, पीएम मोदी ने किया था उद्घाटन

मध्य पूर्व में पहला भारतीय मंदिर-शैली वाला हिंदू मंदिर, संयुक्त अरब अमीरात में बीएपीएस हिंदू मंदिर, 1 मार्च को जनता के लिए अपने दरवाजे खोलेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 14 फरवरी को अबू धाबी में BAPS हिंदू मंदिर का उद्घाटन किया। मंदिर के एक प्रवक्ता के अनुसार मंदिर 1 मार्च से सुबह 9 बजे से रात 8 बजे तक जनता के लिए खुला रहेगा। मंदिर प्रत्येक सोमवार को आगंतुकों के लिए बंद रहेगा। पीएम मोदी ने अपनी यूएई यात्रा के दौरान मंदिर का भव्य उद्घाटन बसंत पंचमी के दिन किया था और इसमें 5,000 से अधिक आमंत्रित लोगों ने भाग लिया था। 15 से 29 फरवरी तक पहले से पंजीकरण कराने वाले विदेशी श्रद्धालुओं या वीआईपी मेहमानों को मंदिर में दर्शन की अनुमति दी गई थी। रेगिस्तान में बना यह मंदिर अनोखा है. लगभग 700 करोड़ रुपये की लागत से बना यह मंदिर अल रहबा के पास अबू मुरीखा में 27 एकड़ के भूखंड में फैला हुआ है। राजस्थान से प्राप्त 1.8 मिलियन क्यूबिक मीटर से अधिक बलुआ पत्थर का उपयोग करके निर्मित, यह मंदिर अयोध्या में हाल ही में उद्घाटन किए गए राम मंदिर के समान वास्तुकला की नागर शैली का दावा करता है। भारतीय मूल के एक निवेश बैंकर ने बीएपीएस अबू धाबी मंदिर में पूर्णकालिक स्वयंसेवक बनने के लिए दुबई छोड़ दिया। विशाल पटेल अब मंदिर के मुख्य संचार अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं। बीएपीएस हिंदू मंदिर का निर्माण शिल्प और स्थापत्य शास्त्रों में वर्णित निर्माण और निर्माण की प्राचीन शैलियों के अनुसार किया गया है, जो मंदिर के डिजाइन और वास्तुकला पर हिंदू ग्रंथ हैं। मंदिर के अग्रभाग पर बलुआ पत्थर की पृष्ठभूमि पर संगमरमर की नक्काशी है, जिसे राजस्थान और गुजरात के कारीगरों द्वारा तैयार किया गया है। विशेष रूप से डिज़ाइन में सात शिखर शामिल हैं, जिनमें से प्रत्येक संयुक्त अरब अमीरात के सात अमीरात का प्रतिनिधित्व करता है।

चीन का घातक प्लान... अमेरिकी युवाओं को चीन बुलाकर उनका ब्रेन वॉश कर रहा

-अमेरिकी विद्वानों ने सीसीपी योजना पर जाहिर की चिंता

बीजिंग (एजेंसी)। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के अमेरिका के खिलाफ नए प्लान का खुलासा हुआ है। जिनपिंग अमेरिकी युवाओं को सीसीपी के एजेंट बनाने की तैयारी के तहत उनका चीन बुला कर ब्रेन वॉश किया जा रहा है। इस गुप्त योजना के तहत करीब पांच अमेरिकी छात्र समूहों ने जनवरी में बीजिंग की यात्राएं पूरी कीं, जो अगले पांच वर्षों में विनिमय और अध्ययन कार्यक्रमों के लिए 50,000 युवा अमेरिकियों को चीन में आमंत्रित करने की चीनी नेता जिनपिंग की योजना की शुरुआत का प्रतीक है। जिनपिंग ने पिछले साल सैन फ्रांसिस्को की अपनी यात्रा के दौरान चीन-अमेरिका संबंधों को बढ़ाने के महत्व पर जोर देकर इस युवा मित्रता योजना की घोषणा की थी। अमेरिका में विद्वान चिंता व्यक्त कर रहे हैं कि ये विनिमय कार्यक्रम एक अधिक भयावह उद्देश्य की पूर्ति कर रहे हैं, जो प्रभावी रूप से अमेरिकी युवाओं को सीसीपी के अनजाने एजेंटों में बदल रहे हैं। जैसा कि चीन के सिटीजन पावर इनिशिएटिव्स के रिसर्च फेलो जेनेट टोंग और राइट स्टेट यूनिवर्सिटी में पढ़ाने वाले अर्थशास्त्री इवान ओसबोर्न के एक टिप्पणी लेख में उल्लिखित है, इन यात्राओं के कार्यक्रम में प्राचीन चीनी संस्कृति और व्यंजनों का नियमित अनुभव, आधुनिक लोगों का दौरा शामिल है।

रिपोर्ट के अनुसार कथित तौर पर मेजबान चीनी छात्रों के साथ बातचीत के माध्यम से, अमेरिकी प्रतिभागी तेजी से जुड़े और उन्हें विवादास्पद चीनी सोशल मीडिया ऐप, वीचैट डाउनलोड करने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया। अमेरिका के विद्वानों को डर है कि सीसीपी का अंतिम लक्ष्य समर्थकों की एक ऐसी पीढ़ी तैयार करना है जो वैश्विक प्रभुत्व के लिए जिनपिंग के दृष्टिकोण के साथ वैचारिक रूप से जुड़े हों। उन्होंने चेतावनी दी है कि इन कार्यक्रमों का उद्देश्य निर्दोष अमेरिकी युवाओं में लाल जीन पैदा करना है, जिससे उन्हें सीसीपी के सत्तावादी मॉडल के लिए अनजाने उपकरण में बदल दिया जा सके।

रिपोर्ट में बताया गया कि यह रणनीति अफ्रीकी देशों के भीतर सीसीपी के लिए नए एजेंटों को तैयार करने के लिए वित्तीय प्रोत्साहन और यौन प्रलोभन दोनों का इस्तेमाल करती है।वर्तमान में, पांच साल के भीतर 50,000 अमेरिकी युवाओं को चीन का अनुभव कराने की शी की योजना का उद्देश्य युवाओं से

शुरुआत करना है, जो अमेरिका में सीसीपी एजेंटों की पहचान करना और उन्हें विकसित करना है।

उन्होंने अमेरिकी जनता से आग्रह किया कि वे इस बारे में बेहद सतर्क रहें और सीसीपी के धोखे को अपने बच्चों की आंखों पर पट्टी न बांधने दें और उनके दिलों में जहर न भरने दें।उन्होंने कहा कि सीसीपी अफ्रीकी देशों से कई युवा छात्रों को चीन लाने में भारी निवेश कर रही है। इन व्यक्तियों को उदार जीवन-यापन भत्ते प्रदान किए जाते हैं।

संपादकीय

जस को तस नहीं

कोई हमारे साथ गलत करे तो उसके साथ हम गलत नहीं करे क्योंकि करने वाले के साथ वैसा ही हमारा व्यवहार हमारे जीवन आचरण के अनुरूप नहीं होता है क्योंकि उसमें और हमारे में क्या अन्तर रह जायेगा। सोने की खदान में से मिट्टी निकाली जाती है उसके बाद मिट्टी को सोने से अलग किया जाता हैं और आगे सोने को भिन्न - भिन्न रूपों से सुसज्जित किया जाता है लेकीन कीचड़ से कीचड़ को कभी भी साफ नहीं किया जा सकता है। हम जो भी काम करे पूरी लगन मेहनत और निष्ठा से करेगे तो उसको करके मन मे अति प्रसन्नता के अनुभव होता है इसके विपरीत बेमन से मजबूरी समझ कर किया गया काम हमें प्रसन्नता नही मन का भारीपन देता है खुशी नहीं देता तो हमें अपने कार्य को अपनी जिम्मेदारी समझकर खुशी खुशी से पूरी तन्मयता से करना चाहिए प्रसन्न मन से किये गये कार्य से हमें आत्म सन्तुष्टि होती है कहा भी गया है कि जैसा करेंगे वैसा पाएंगे जैसे को तैसा। ठीक इसी तरह हमारे साथ कोई बुरा करे तो हम बुरे का जवाब सही करके करेंगे तो सामने वाला कितना हमारे साथ गलत करेगा फिर भी अगर मन में संतुष्टि नहीं हो तो यह सोचे की कोई मेरा बुरा करे वह उसका कर्म मैं किसी का बुरा न करूँ यह मेरा धर्म। अतः करणीय व्यवहार यही है कि अच्छे के साथ अच्छा बनें पर बुरे के साथ बुरा कभी नहीं बने।

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशीफल

मेष	जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। रोजी के अवसर बढ़ेंगे। आर्थिक संकट का सामना करना पड़ेगा। किसी मूल्यवान वस्तु के चोरी या खोने की आशंका है। व्यावसायिक मामलों में लाभ मिलेगा।
वृषभ	आर्थिक मामलों में सुधार होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मांगलिक उत्सव में भाग लेंगे। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।
मिथुन	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। किसी कार्य के सम्पन्न होने से आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। संतान या शिक्षा के कारण चिंतित हो सकते हैं। रचनात्मक प्रयास फलीभूत होंगे।
कर्क	आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। दूसरों से सहयोग लेने में सफल होंगे। विभागीय समस्या आ सकती है।
सिंह	पारिवारिक जनों के साथ सुखद समय गुजरेगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किसी रिश्तेदार के कारण तनाव हो सकता है।
कन्या	जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मांगलिक उत्सव में हिस्सेदारी होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।
तुला	प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता मिलेगी। किया गया श्रम सार्थक होगा। संबंधित अधिकारी के कृपा पात्र होंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।
वृश्चिक	दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। आय और व्यय में संतुलन बनाकर रखें। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।
धनु	संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नेत्र विकार की संभावना है। मन अशान्त रहेगा। जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। स्वास्थ्य एवं प्रतिष्ठा के प्रति सचेत रहें।
मकर	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। संबंधित अधिकारी से तनाव मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। कोई पारिवारिक व व्यावसायिक समस्या आ सकती है।
कुम्भ	जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अज्ञात भय से ग्रसित रहेंगे। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे।
मीन	पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। सुखद परिवर्तन की दिशा में व्यक्ति विशेष का सहयोग मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। रक्तचाप में वृद्धि होगी।

एंटीबायोटिक नियमन से बढ़ेगी जीवाणु प्रतिरोधक क्षमता

राकेश कोछड़

केंद्र सरकार ने हाल ही में मेडिकल कॉलजों को हिदायत दी है कि डॉक्टर रोगी-परामर्श पर्चे पर जो दवाएं लिखकर दें, उनमें यदि कोई एंटीबायोटिक्स है तो उसको विशेष रूप से चिन्हित करें। वहीं दवा विक्रेताओं और दवाघरों को सलाह दी है कि चिकित्सक के लिखे बगैर कोई एंटीबायोटिक दवा न दी जाए। यह निर्देश देश में एंटी माइक्रोबियल रेजस्टिंस (एएमआर) बढ़ने के मद्देनज़र हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की रिपोर्ट में बताया गया कि भारत में एएमआर की रफ्तार असामान्य है और अब यह विश्वभर में एएमआर का गढ़ बन चुका है। नेशनल सेंटर फॉर डिजीज़ कंट्रोल (एनसीडीसी) द्वारा 20 अस्पतालों में नवम्बर, 2021 से अप्रैल, 2022 के बीच करवाए अध्ययन में चिंताजनक आंकड़े मिले हैं। कुल 9600 से अधिक रोगियों पर अध्ययन हुआ, इनमें 72 फीसदी एक न एक एंटीबायोटिक दवा का सेवन कर रहे थे, तो बाकी के दो या इससे अधिक का। महत्वपूर्ण यह कि 55 प्रतिशत मरीजों को एंटीबायोटिक दवा बीमारी का इलाज करने के लिए नहीं अपितु संक्रमण से बचाने के लिए दी गई। यह डाटा देशभर में इलाज के मौजूदा चलन का नमूना पेश करता है। खांसी, जुकाम, गला पकड़ना और दस्त जैसी बीमारी कुछ दिनों में अपने-आप ठीक हो जाती है और अधिकांशतः इसके पीछे कारण होता है वायरल इंफेक्शन, इनके निदान को एंटीबायोटिक देने की जरूरत नहीं।

प्रयागराज (2013) और नासिक (2015) के कुम्भ के दौरान, मेला-क्लीनिक पहुंचने वाले 70000 से अधिक मरीजों पर हार्वर्ड यूनिवर्सिटी और यूनिसेफ ने अध्ययन किया था। प्राप्त डाटा में, इलाज करवाने आए लोगों में लगभग एक-तिहाई को एंटीबायोटिक दवाएं दी गईं। प्रयागराज में कुल मरीजों में 70 फीसदी को सांस संबंधी लक्षण थे, जिनका इलाज एंटीबायोटिक से किया गया। एएमआर गंभीरतम वैश्विक स्वास्थ्य खतरों में एक है। विश्व स्वास्थ्य संगठन का कहना है कि एएमआर-माइक्रोआर्गेनिज्म के तंतुओं में होने वाला वह क्रमिक विकासानुगत बदलाव, जिस पर परंपरागत एंटीबायोटिक बेअसर सिद्ध हो रहे हैं- एक वैश्विक जनस्वास्थ्य खतरा बन सकता है। रोग-जीवाणुओं में पैदा हुई इस किस्म की प्रतिरोधक क्षमता से वर्ष 2019 में भारत में कम से कम 3 लाख तो दुनियाभर में लगभग 12.7 लाख मौतें हुईं। वर्ष 2050 तक यह संख्या 5 करोड़ तक पहुंचने की आशंका है। आवाजाही के साधनों में आसानी की वजह से सारी दुनिया सिमटकर रह गई है, लेकिन लोगों के साथ, उनके अंदर मौजूद सूक्ष्म रोग जीवाणु, जिन पर दवाएं असर न कर पा रही, वे भी एक महाद्वीप से दूसरे तक तेजी से फैल रही हैं, जैसा कि कोविड-19 महामारी के मामले में देखा गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने एंटीबायोटिक दवाओं को तीन श्रेणियों में बांट रखा है, एक्सेस, वॉच और रिज़र्व। इनमें बाद वाले दो वर्ग के एंटीबायोटिक विशिष्ट लक्षण बनने पर ही दिए जाते हैं। एक्सेस वर्ग के एंटीबायोटिक, किन्हीं जीवाणुओं को विशेष रूप से निशाना बनाने वाले सम्मिश्रण से बने हैं और इनके प्रयोग से एएमआर बनने की संभावना कम होती है, रोगोपचार में यह प्रथम पंक्ति के एंटीबायोटिक हैं। एनसीडीसी सर्वे बताता है कि भारत में डॉक्टरों द्वारा लिखी गई 60 फीसदी एंटीबायोटिक दवाएं वॉच या फिर रिजर्व श्रेणी की होती हैं। एंटीबायोटिक अधिक देने से जीवाणुओं के अंदर प्रतिरोधक क्षमता पैदा होती है। इससे संक्रमण के अगले रूपांतरों पर दवाएं बेअसर हो जाएंगी। ड्रग एंड कॉस्मैटिक रूल्स 1945 के मुताबिक एंटीबायोटिक शिड्यूल एच/एच 1 श्रेणी में आते हैं। अतएव इनकी बिक्री केवल पंजीकृत स्वास्थ्य चिकित्सक की रोग-परामर्श पर्ची के आधार पर हो सकती है। तथापि भारत में दवा विक्रेता अक्सर अपने तौर पर एंटीबायोटिक दवाएं दे देते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने वर्ष 2015 में एक वैश्विक कार्य योजना बनाई थी और भारत ने 2017 में एंटीमाइक्रोबियल सर्विलांस प्रोग्राम के साथ इसका अनुसरण किया। विश्व स्वास्थ्य संगठन की हिदायतें हैं कि उच्चतर श्रेणी के एंटीबायोटिक का प्रयोग संक्रमण रोग विशेषज्ञों के विवेकानुसार होना चाहिए। लेकिन भारत में इस किस्म के प्रशिक्षित स्वास्थ्य सेवाकर्मी बहुत कम हैं। एंटीबायोटिक के अंधाधुंध इस्तेमाल से एएमआर बनने का जोखिम केवल मनुष्यों तक सीमित नहीं है। विभिन्न कारणों से पशुओं-पक्षियों को भी एंटीबायोटिक अक्सर दिए जाते हैं। इसलिए कोई हैरानी नहीं कि दूध, अंडे और मछली के बैक्टीरियल कल्चर टेस्ट में दवा-प्रतिरोधक क्षमता पैदा कर चुके जीवाणु पाए जाते हैं। विभिन्न जल स्रोतों के सैम्पल में भी यही कुछ हो रहा है, वहां ऐसे जीवाणुओं की आमद दवा-उद्योग, अस्पताल से निकलने वाले पानी, सीवरेज और घरेलू अपशिष्ट से होती है। खुले में शौच एक अन्य कारक है, क्योंकि मल-मूत्र के जरिए शरीर से निकली एंटीबायोटेक दवा भूमि में समाकर भूजल में जा मिलती है। इस संदूषित जल को मनुष्य और पशु पुनः पीते हैं। और इस तरह एंटीबायोटिक से अप्रभावित रहने वाला जीवाणु जोखिम का एक सतत चक्र बना रहा है। हालांकि जिन अस्पतालों में एंटीबायोटिक को लेकर अध्ययन हुआ, पाया गया कि एंटीबायोटिक के उपयोग में कमी आई है, किंतु छोटे और ग्रामीण इलाके में स्थिति बदतर है। प्रशिक्षित कर्मियों और गुणवत्तापूर्ण परीक्षणशालाओं की कमी है। झोला-छाप और अर्ध-प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मी इस काम में सबसे आगे हैं। इतना ही नहीं गैर-एलोपैथिक चिकित्सक भी एंटीबायोटिक दवाएं लिख दे रहे हैं।

एएमआर का दुष्परिणाम दूरगामी हो सकता है- अधिक समय तक अस्पताल में भरती रहना, इलाज खर्च में इजाफा और अस्पताल जनित अन्य खतरनाक संक्रमण लगने का जोखिम। कुछ साल पहले, ड्रग रेजस्टिंट बैक्टीरियम को 'दिल्ली सुपरबग' का नाम दिया गया था। यह क्रमिक विकास से पैदा हुआ वह जीवाणु है, जिस पर अधिकांश एंटीबायोटिक्स बेअसर हो चुके हैं। एंटीबायोटिक से शरीर में न केवल बीमारी पैदा करने वाले सूक्ष्म-जैविकी खत्म होते हैं बल्कि हमारी आंतों में पलने वाले और माइक्रोबायोम बनाने वाले मित्र-जीवाणु भी। माइक्रोबायोम में आया बदलाव आंतों की सुरक्षात्मक झिल्ली को क्षतिग्रस्त कर देता है और इससे अब ऑटो-इम्यून, इंफलैमिट्री बाउल डिजीज़ेस, न्यूरोलॉजिकल और डीजनरेटिव रोग में अनाप-शनाप इजाफा हो रहा है। 'वन-हैल्थ' परिकल्पना से- जिसके तहत मनुष्य, जीव और पर्यावरण पैमानों में अंतर-निर्भरता बनाना है- एएमआर को नियंत्रित किया जा सकता है। विभिन्न आबादियों में एएमआर के अलावा ड्रग रेजस्टिंस के बदलते पैटर्न पर बारीक नज़र रखने की जरूरत है। जल-आपूर्ति स्रोत, अस्पताल और औद्योगिक अपशिष्ट की भी समय-समय पर जांच-परीक्षण करते रहना आवश्यक है। मीडिया के जरिए जनसाधारण को जागरूक करने की जरूरत है। अधिक महत्वपूर्ण है, क्लीनिक और छोटे अस्पताल चलाने वाले डॉक्टरों को नई जानकारी से लैस करना। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद को ऐसी निर्देशावली बनानी चाहिए, जिसमें यह स्पष्ट हो कि किन लक्षणों के आधार पर कौन-सा एंटीबायोटिक देना है, और यह दस्तावेज देशभर में पहुंचाया जाए। एंटीबायोटिक उपयोग संहिता का प्रसार करने में भारतीय मेडिकल एसोसिएशन के बृहद नेटवर्क का इस्तेमाल हो सकता है। जन-जागरूकता अभियान, स्वास्थ्य सेवा कर्मी प्रशिक्षण, माइक्रोबियल सर्विलांस, नवीन दिशा-निर्देश और नियमों की सख्त पालना करवाने जैसे उपाय तुरंत लागू की जरूरत है।

मनुष्य का विवेक धूमिल होता है गलतफहमी से

अंतर्मन

डॉ. योगेन्द्र नाथ शर्मा 'अरुण'

कभी बुजुर्गों से सुना था कि ग़लतफ़हमी और शक ऐसी बीमारियां हैं, जिनका इलाज हकीम लुकमान के पास भी नहीं था। तात्पर्य यह है कि ग़लतफ़हमी और शक ऐसी नकारात्मक प्रवृत्तियां हैं, जो अच्छे-भले आदमी का दिमाग खराब कर देती हैं और आदमी अपने विवेक को खो देता है।

एक शायर ने ग़लतफ़हमी को लेकर बड़ा ही मौजू शे'र कहा है -

'फ़ासले बढ़े, तो गलतफहमियां और भी बढ़ गईं,

फिर उसने वो भी सुना,जो मैंने कभी कहा ही नहीं।'

मनोविज्ञान के विद्वान कहते हैं—'रिश्ते अक्सर अहंकार और ग़लतफ़हमी के कारण टूटते हैं, क्योंकि अहंकार सच सुनने नहीं देता और गलतफहमी सच देखने नहीं देती।' आज हमारे समाज में ग़लतफ़हमी की यह नकारात्मक प्रवृत्ति निरंतर बढ़ रही है और जरा-जरा सी बात पर हम अपने रिश्तों को तोड़ने पर आमादा हो जाते हैं। इस प्रवृत्ति का परिणाम यह होता है कि समाज में अवसाद के साथ नैराश्य और अकेलापन घेर लेता है।

आज इसी ग़लतफ़हमी पर एक बहुत ही प्रेरक और अर्थपूर्ण बोधकथा पढ़ने को मिली है, जो अपने जिज्ञासु पाठकों से साझा कर रहा हूं।

'एक समय की बात है एक सन्त प्रातःकाल भ्रमण हेतु समुद्र के तट पर पहुंचे। समुद्र के तट पर उन्होंने एक पुरुष को देखा, जो एक स्त्री की गोद में सिर रखकर बेसुध सोया हुआ था! उसके पास ही शराब की एक खाली बोतल पड़ी हुई थी। यह देखकर वे सन्त बहुत दुखी हुए।

उन्होंने विचार किया कि यह मनुष्य कितना तामसिक और विलासी है, जो प्रातःकाल शराब पी कर, स्त्री की गोद में सिर रखकर प्रेमालाप कर रहा है। थोड़ी देर बाद ही समुद्र से 'बचाओ, बचाओ' की आवाज आई। उन सन्त ने देखा कि एक मनुष्य समुद्र में डूब रहा है। मगर स्वयं तैरना नहीं जानने के कारण उस समय सन्त देखते रहने के अलावा कुछ और नहीं कर सकते थे, इसलिए चुपचाप खड़े रहे। तभी उन्होंने देखा कि स्त्री की गोद में सिर रखकर कुछ देर पहले सोया हुआ व्यक्ति उठा और डूबने वाले व्यक्ति को बचाने हेतु पानी में कूद गया। थोड़ी देर में उस व्यक्ति ने डूबने वाले को बचा लिया और सकुशल किनारे पर ले आया। अब तो वे सन्त सोच-विचार में पड़ गए कि इस व्यक्ति को 'बुरा' कहें या 'भला' कहें। संत उस व्यक्ति के पास गए और बोले, 'भाई! तुम कौन हो और यहां क्या कर रहे हो?' उस व्यक्ति ने उत्तर दिया, 'मैं एक मछुआरा हूं और मछली पकड़ने का काम करता हूं। आज कई दिनों बाद समुद्र से मछली पकड़ कर प्रातः जल्दी यहां लौटा हूं। मेरी मां मुझे लेने के लिए आई थी और घर में कोई दूसरा बर्तन नहीं होने के कारण इस शराब की बोतल में मेरे लिए पानी लाई थी। कई दिनों की समुद्र-यात्रा से मैं थका हुआ था और सुबह के सुहावने वातावरण में ये पानी पी कर, थकान कम करने के लिए अपनी मां की गोद में सिर रख कर, ऐसे ही सो गया था। जब डूबते व्यक्ति की आवाज़ सुनी, तो उसे बचाने समुद्र में कूद पड़ा।

यह सब जानकर सन्त की आंखों में आंसू आ गए। वे सोचने लगे, 'मैं कैसा पापी मनुष्य हूं। जो मैंने देखा, उसके बारे में मैंने कितना गलत विचार बनाया, जबकि वास्तविकता तो बिल्कुल अलग ही थी।' वे समझ चुके थे कि कोई भी बात, जो हम देखते हैं, वह हमेशा जैसी दिखती है, वैसी ही नहीं होती है। उसका एक दूसरा पहलू भी हो सकता है। इसलिए किसी के प्रति कोई निर्णय लेने से पहले सौ बार सोचना चाहिए और तब फैसला करना उचित होता है। ग़लतफ़हमी में लिया गया फैसला आदमी को लज्जित कर देता है और आदमी पछताने के सिवा कुछ नहीं कर पाता।'

संत कबीर ने तो सदियों पहले हमें खूब ठोक-पीट कर समझाया था-

'करता था तो क्यों किया,
अब करि क्यों पछताय।
बोया पेड़ बबूल का,
आम कहां से खाय।'

आज की आवश्यकता यह है कि हम अपनी सारी नकारात्मक ऊर्जा को दूर फेंककर, सकारात्मक चिंतन को अपनाएं और समाज में फैलते जा रहे ग़लतफ़हमी के रोग से लड़ने का प्रयास करें। सच यह है कि पछतावे की आग की जलन वास्तविक आग से भी ज्यादा कष्ट देती है। आइए, हम संकल्प लें कि किसी के प्रति गलत विचार बनाने से पहले सौ बार सोचेंगे अवश्य, ताकि हमें पछताना न पड़े।

जीना इसी का नाम है

इंडिया गठबंधन की एनडीए गठबंधन को कड़ी टक्कर

(लेखक- सनत जैन)

राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा अंतिम चरण में है। राहुल गांधी कि भारत जोड़ो न्याय यात्रा जिन राज्यों गई वहां कांग्रेस का कोई प्रभाव नहीं था। उन राज्यों में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के माध्यम से लोगों को जोड़ने, उनकी समस्याओं को उभारने, आम जनता से जुड़े हुए मामले, जिन में अग्निवीर, किसान, फसलों की एमएसपी, रोजगार,न्यूनतम मजदूरी गारंटी तथा पिछड़ा वर्ग, एसटी- एससी और अल्पसंख्यकों को जिसकी जितनी आबादी उसकी उतनी हिस्सेदारी की बात कहकर जनमानस को जोड़ने, का काम किया है। पिछले 10 वर्षों में अदानी और पूंजी पत्तियों के लाखों करोड़ रुपए के कर्ज माफ करने, मोदी सरकार द्वारा किसानों के कर्ज माफ नहीं करने, अमीर-अमीर हो रहे हैं। गरीब-गरीब हो रहे हैं। स्थाई नौकरी के स्थान पर कांटेक्ट पर नौकरी देने, जैसे मामलों में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के माध्यम से लगभग सभी वर्गों को जोड़ने में उन्हें सफलता मिली है। जहां कांग्रेस और राहुल गांधी का कोई प्रभाव नहीं था। उसके बाद भी उन्हें जो जन समर्थन मिला है। उसके कारण इंडिया गठबंधन और भी मजबूत होकर उभर रहा है। इंडिया गठबंधन के सभी राजनीतिक दल उसी तर्ज पर अपने-अपने राज्यों में जनता के बीच जाकर, भारतीय जनता पार्टी और डबल इंजन की सरकारों के प्रति माहौल बनाने रैली कर रहे हैं। आम जनता की नाराजगी, उनका डर ओर भय खत्म करके, आम जनता को सड़कों पर लाकर खड़ा कर दिया है। इसका असर अब इंडिया गठबंधन के सभी राजनीतिक दलों में देखने को मिल रहा है। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार राहुल गांधी ने लोकसभा चुनाव के लिए छह मुद्दे तैयार किए हैं। उन मुद्दों को लेकर इंडिया गठबंधन के सभी राजनीतिक दलों के बीच में आम सहमति बन गई है। हर राज्य में क्षेत्रीय दलों के साथ सीटों के बंटवारों को लेकर कांग्रेस ने लगभग लगभग सहमति बना ली है। राहुल गांधी को यह अच्छी तरह से समझ में आ गया है, कि बिना क्षेत्रीय दलों के सहयोग से विपक्ष भारतीय जनता पार्टी से लोकसभा के चुनाव की लड़ाई को जीत नहीं सकता है। राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा की सफलता और अपार जनसमूह जुड़ने से इंडिया गठबंधन के सभी राजनीतिक दल अब अच्छी तरह से समझ गए हैं, कि उन्हें यदि भाजपा का मुकाबला करना है। तो जनता के बीच एकजुट होकर जाना पड़ेगा। 1977 में आपातकाल के बाद जिस तरह का माहौल 1977 में बना था। सभी राजनीतिक दलों ने जनता दल के नाम से एक नया दल बनाया। सभी राजनीतिक दलों ने अपने अस्तित्व को समाप्त कर, एक ही चुनाव चिन्ह पर चुनाव लड़ा था।इंदिरा गांधी को भारी चुनौती देते हुए केंद्र की सत्ता में पहली बार गैर कांग्रेसी सरकार बनी थी। वही स्थिति वर्तमान में दिखने लगी है। पहले आपातकाल का डर था। अब अघोषित आपातकाल का डर है। जिसमें सभी विपक्षी दलों के नेताओं और सरकार का विरोध करने वालों को जेल भेजा जा रहा है। उसे समय भी जो डर और भय आम जनता के बीच आपातकाल को लेकर था। अब वह मोदी सरकार के समय पर बना हुआ है। राष्ट्रीय स्तर पर आम जनता को विश्वास दिलाने कि यदि विपक्ष सत्ता में आएगा।तो वह कौन सा बदलाव करेंगे। इस गारंटी के साथ इंडिया गठबंधन लोकसभा चुनाव के मैदान में उतरेगा। पूंजीवाद के खिलाफ, जाति जनगणना के माध्यम से सभी वर्गों को, आबादी के अनुसार भागीदारी, किसानों को एमएसपी और कर्ज माफी की गारंटी, मजदूरों को न्यूनतम रोजगार की गारंटी, बेरोजगारों को स्थाई नौकरी देने, सेना, रेलवे, बैंक, सरकार के खाली पदों पर स्थाई भर्ती की गारंटी लेकर ,इंडिया गठबंधन के राजनीतिक दल लोकसभा चुनाव के समर में उतरने जा रहे हैं। राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा को सभी राज्यों में भारी जन समर्थन मिला है। हाल ही में तेजस्वी यादव ने बिहार में इसी तरह की यात्रा शुरू की है। तेजस्वी की यात्रा में भारी संख्या में लोग जुड़ रहे हैं। लोग रात को 12 बजे तक तेजस्वी को सुनने के लिए खड़े रहते हैं। इससे क्षेत्रीय दलों का हौसला तेजी से बढ़ा है। विपक्षी इंडिया गठबंधन के नेताओं के बीच जिन मामलों को लेकर दूरियां थी। वह आपस में अब सुलझाने लगे हैं। इंडिया गठबंधन के सभी राजनीतिक दलों को अब यह विश्वास हो चला है, वह एकजुट होकर लड़ेंगे। तभी जाकर वह लोकसभा के चुनाव में जीत पाएंगे। भाजपा की नीतियों के खिलाफ जनता के बीच जाकर जन जागरण कर वह लोकसभा चुनाव लड़ेंगे। ऐसी स्थिति में उन्हें सफलता मिलना तय है। देश के विभिन्न हिस्सों में महंगाई,बेरोजगारी ,कर्ज, एमएसपी, रोजगार इत्यादि को लेकर, आम जनता के मन में जो नाराजी है।

स्टोर मैनेजमेंट के क्षेत्र में बनाइए कॅरिअर

आज के प्रतियोगी युग में हर अभ्यर्थी ऐसा पाठ्यक्रम चुनना चाहता है जिसे पूरा करते ही पैसा कमा सके। स्टोर मैनेजमेंट या मैटेरियल मैनेजमेंट ऐसा ही एक पाठ्यक्रम है जिसे पूरा करने के बाद रोजगार मिलना लगभग तय होता है। अगर आपने बारहवीं कक्षा पास कर ली है तो आप भी इस पाठ्यक्रम में दाखिला ले सकते हैं। इसमें भंडारण में संबंधित विभिन्न गुर सिखाए जाते हैं।

यह तीन वर्षीय पाठ्यक्रम है, जो डिग्री कोर्स के बराबर है। इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत खरीद-फरोख्त, स्टॉक का लेखा-जोखा रखने के लिए सांख्यिकी आदि विषयों का विस्तृत अध्ययन और अभ्यास कराया जाता है। स्टॉक इंचार्ज का काम बेहद जिम्मेदारी भरा होता है। इसलिए छात्रों को कोर्स के दौरान ऐसी विधियों की जानकारी दी जाती है कि वो अपनी जिम्मेदारी कम मेहनत में ज्यादा से ज्यादा कुशलता से निभा सकें। प्रथम वर्ष में उन्हें हिंदी, अंग्रेजी दो भाषाओं के साथ एकाउंट्स बिजनेस, लॉ और स्टोर मैनेजमेंट पार्ट-1 पढ़ाया जाता है। दूसरे साल में हिंदी, अंग्रेजी, एकाउंट्स और स्टोर मैनेजमेंट पार्ट-2 की शिक्षा दी जाती है। वहीं तीसरे वर्ष हिंदी, अंग्रेजी एवं व्यावसायिक कानून और मैनेजमेंट पार्ट-3 पढ़ाया जाता है। इसके अलावा एक प्रोजेक्ट पर काम होता है, जिसमें प्रायोगिक अभ्यास के बाद रिपोर्ट बनानी होती है। इसमें क्रय-विक्रय उत्पादन का रिकार्ड रखने संबंधी काम करना होता है।

वोकेशनल कालेज से इस पाठ्यक्रम को पास करने के बाद डिग्री के साथ वोकेशनल ट्रेनिंग का प्रमाण पत्र दिया जाता है। इस पाठ्यक्रम की डिग्री बीए के समकक्ष होती है। अनुभव प्राप्त अभ्यर्थी को नियुक्ति के दौरान विशेष तरजीह दी जाती है। पाठ्यक्रम के अंतिम वर्ष में पंद्रह-बीस दिन के व्यावहारिक प्रशिक्षण हेतु अभ्यर्थियों को विभिन्न कंपनियों में भेजा जाता है, जहां उन्हें अपने आंतरिक गुणों को निखारने का मौका मिलता है। यहां उन्हें काम के दौरान होने वाली परेशानियों और दूसरे अनुभवों से अवगत होने का मौका मिलता है। आज जहां व्यवसायिक क्षेत्रों में रोजगार के अवसर कम हो गए हैं, वहीं इस क्षेत्र में रोजगार के अनेक अवसर हैं। आज लगभग हर राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय और बहुराष्ट्रीय कंपनी में ब्रिकी, खरीददारी, उत्पादन भण्डारण आदि का काम होता है, वहां कच्चे माल स्टॉक आदि के रखरखाव और हिसाब-किताब के स्टॉक कीपर्स और स्टॉक इंचार्ज की नियुक्ति की जाती है। वहीं सरकारी-गैर सरकारी कंपनियों, सेना तथा राष्ट्रीय व बहुराष्ट्रीय कंपनियों में भी स्टॉक प्रबंधक की काफी मांग है। जहां उन्हें आठ से दस हजार तक वेतनमान के साथ-साथ अन्य सुविधाएं दी जाती हैं। इस संस्थानों में इस पाठ्यक्रम से संबंधित ज्यादा जानकारी ले सकते हैं-

- भारतीय विद्या भवन, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली।
- कालेज ऑफ वोकेशनल स्टडीज, शेख सराय, नई दिल्ली।

स्टोर मैनेजमेंट या मैटेरियल मैनेजमेंट ऐसा ही एक पाठ्यक्रम है जिसे पूरा करने के बाद रोजगार मिलना लगभग तय होता है। अगर आपने बारहवीं कक्षा पास कर ली है तो आप भी इस पाठ्यक्रम में दाखिला ले सकते हैं।

लिखित अभ्यास सबसे बेहतर

अधिकतर परीक्षा की तैयारी के समय छात्र कुछ खास तरह के प्रश्नों से जूझते हैं, जैसे - कौन से टॉपिक अधिक पढ़ने हैं? किस प्रश्न को कितना समय देना है? कौन से प्रश्न पहले करने चाहिए या कौन से बाद में? ये वे तमाम प्रश्न हैं, जिनसे छात्र अक्सर घिरे रहते हैं और विषय की पूरी जानकारी होते हुए भी अंकों से हाथ धो बैठते हैं। छात्रों की सुविधा के लिए कुछ महत्वपूर्ण बातें यहां बताई जा रही हैं-

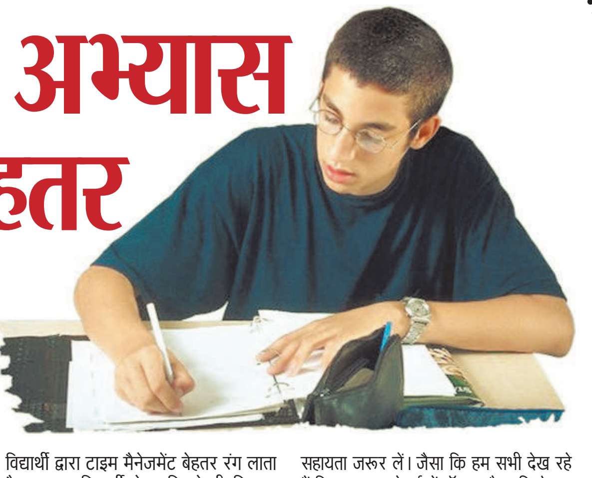

बिजनेस स्टडीज विषय पर बेहतर पकड़ बनाने का एकमात्र तरीका है लिखित अभ्यास। इस विषय के कुछ मुख्य अध्यायों, जैसे- उपभोक्ता संरक्षण, विपणन प्रबंधन, वित्तीय प्रबंधन, निर्देशन, संगठन इत्यादि पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है। अगर छात्र इस विषय का योजनानुसार क्रमबद्ध अध्ययन करें तो वे इसमें अधिकाधिक अंक प्राप्त कर सकते हैं। सबसे पहले आवश्यकता है कि इस विषय के सभी अध्यायों को योजनानुसार विभाजित कर लें तथा 4 से 6 अंक वाले प्रश्नों का अधिकतम अभ्यास करें। छात्रों के लिए विशेष सुझाव यह है कि विषय से संबंधित सभी जानकारी व पॉइंट्स को रटने के स्थान पर लिख-लिख कर समझने का प्रयास करें। इससे विषय अधिक समय तक याद रहेगा तथा कठिन प्रश्नों को हल करने में सहायता मिलेगी।

प्रबंध विज्ञान, कला एवं पेशा, प्रबंध के स्तर, प्रबंध के कार्य, वैज्ञानिक प्रबंध, व्यावसायिक वातावरण के महत्व पर दो या तीन प्रश्न अवश्य पूछे जाते हैं। इन प्रश्नों के उत्तर देते समय एक बात का ध्यान अवश्य दिया जाए कि वास्तविक जीवन से जुड़े उदाहरणों का प्रयोग करें। साथ ही एक अंक वाले लघु प्रश्नों के लिए केवल एक वाक्य में ही सार्थक उत्तर देने का प्रयास करें।

सामयिक उदाहरण

विद्यार्थी आजकल के परिवर्तनों एवं घटनाओं को शामिल करते हुए कुछ खास विषयों को हल कर सकते हैं, जैसे औपचारिक व अनौपचारिक संगठन, नियंत्रण का महत्व, संगठन के नेतृत्व इत्यादि और ऐसा करने पर पूरे अंक प्राप्त किए जा सकते हैं। आजकल जिन विषयों पर लगातार प्रश्न आ रहे हैं, वे हैं विक्रय संवर्धन की विधियां, व्यक्तिगत विक्रय का महत्व, पूंजी ढांचा, वित्तीय बाजार की अवधारणा, शेयर बाजार इत्यादि। अत- इन विषयों की ठीक से तैयारी की जाए। विद्यार्थी को अधिक अंक वाले वे प्रश्न पहले करने चाहिए, जो उन्हें पूरी तरह से आते हों।

टाइम मैनेजमेंट है महत्वपूर्ण

विषय की पूरी तैयारी के बाद अब बारी आती है परीक्षा भवन में सभी सवालों को सुलझाते हुए अधिकतम अंक प्राप्त करने की, जिसमें विद्यार्थी द्वारा टाइम मैनेजमेंट बेहतर रंग लाता है। अक्सर विद्यार्थी पेपर मिलते ही लिखना शुरू कर देते हैं, एक या दो प्रश्न करने के बाद परेशान होते हैं और शुरुआती प्रश्नों को ही अधिक समय दे देते हैं, जिस कारण कुछ प्रश्न रह जाते हैं। यदि विद्यार्थी शुरुआती 15 मिनट प्रश्न पत्र ठीक प्रकार से पढ़ सभी निर्देशों व प्रश्नों को समझ लें तो यह समस्या स्वत- समाप्त हो जाएगी।

जल्दबाजी नहीं

कुछ विद्यार्थी प्रश्न को ठीक से नहीं पढ़ते और उत्तर लिखना शुरू कर देते हैं, जिस कारण वे गलत उत्तर लिखते हैं। इसलिए जल्दी न करें। मुख्य पॉइंट्स को बार-बार लिखें व जरूरी बातों को मार्क करें। समय रहते सुनिश्चित करें कि प्रत्येक अध्याय के अंत में दिए गए उदाहरण, एप्लिकेशन बेस्ड प्रश्न पुस्तकों के बॉक्स में दी गई प्रत्येक जानकारी आपने पढ़ ली है। यह अध्ययन हमारे समय को बचाता है। इस विषय में सर्वाधिक अंक प्राप्त करने का एक तरीका यह है कि अधिकाधिक उदाहरणों का प्रयोग करें। यदि किसी प्रश्न में अंतर पूछा जाए तो टेबुलर फॉर्म में उत्तर दें व अंतर का आधार जरूर लिखें। चित्र, फ्लो चार्ट, डायग्राम आदि की सहायता जरूर लें। जैसा कि हम सभी देख रहे हैं कि आजकल पेपर्स में हॉट्स और एप्लिकेशन बेस्ड प्रश्नों का ट्रेंड है। इनकी तैयारी के लिए ढउएफळ की केस स्टडी जरूर पढ़ें।

कुछ खास बातें

विद्यार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि वे निम्नलिखित शब्दों को ठीक प्रकार से समझते हैं जैसे - लिस्ट, डिस्कस, स्टेट, एन्यूमरेट, कमेंट, आउटलाइन आदि। स्टेट और ब्रीफ के लिए - प्रत्येक पॉइंट के लिए एक वाक्य। एन्यूमरेट और एक्सप्लेन के लिए - प्रत्येक पॉइंट का विस्तृत वर्णन। कमेंट के लिए - सकारात्मक व नकारात्मक पक्षों का वर्णन। डिस्कस के लिए - अपने उत्तर में सभी सार्थक पॉइंट्स का विस्तृत वर्णन करने का प्रयास करें।

प्रश्नों के लिए जरूरी टिप्स

प्रश्न पत्र कम से कम दो बार पढ़ें और सुनिश्चित करें कि कौन से प्रश्न पहले करने हैं। लेखन स्पष्ट हो व कटिंग न हो। डायग्राम व उदाहरण दें। प्रश्न की संख्या लिखनी न भूलें। प्रत्येक प्रश्न एक ही स्थान पर पूरा लिखें। ऐसा न हो कि प्रश्न कहीं और उत्तर कहीं और। जवाब पॉइंट्स में लिखें।

फुटवियर इंडस्ट्री में हैं अपार करियर ऑप्शन

आजकल फुटवियर हमारे स्टेटस का सिंबल बनता जा रहा है. हमारे पहने गए फुटवियर से भी हमारी पहचान होती है. पहले लोग एक या दो सेट फुटवियर रखते थे लेकिन हम सभी लोग समय और अवसर के अनुसार इसे अपनाने लगे हैं. फैशन और बढ़ती मांग की वजह से फुटवियर के निर्माण में विभिन्न राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कंपनियां अपना हाथ आजमा रही हैं. अब लोग हेल्थ कॉन्शस भी हो गए हैं और इस कारण स्वास्थ्य हितों को ध्यान में रखकर फुटवियर का चुनाव कर रहे हैं. जानकारों का मानना है कि एक अच्छा खासा वर्ग फुटवियर इंडस्ट्री पर रिसर्च कर रहा है ताकि दिन-प्रतिदिन बढ़ती हड्डियों की समस्या से जूझ रहे लोगों को किस तरह का फुटवियर पहनने को दिये जाएं जिससे उनका स्वास्थ्य अच्छा रहे. अब फुटवियर निर्माण की कला भी काफी हाइटेक हो गई है, यही वजह है कि इस क्षेत्र में इन दिनों नौकरियों की अपार संभावनाएं बन रही हैं.

योग्यता

इस क्षेत्र में करियर बनाने के लिए जरूरी है कि फुटवियर टेक्नोलॉजी में डिग्री, डिप्लोमा या फिर सर्टिफिकेट कोर्स की डिग्री हो. बारहवीं में गणित, भौतिक विज्ञान और रसायन विज्ञान से पढ़ाई करने के बाद बीटेक में प्रवेश लिया जा सकता है. प्रवेश परीक्षा के आधार पर दाखिला दिया जाता है. फुटवियर टेक्नोलॉजी में बीटेक चार साल और एमटेक दो साल का होता है. इसके अलावा, डिप्लोमा व सर्टिफिकेट कोर्स छह माह से लेकर एक साल तक के हैं. इस क्षेत्र में करियर बनाने वालों में निम्नलिखित गुण होने चाहिए- फुटवियर में आए लेटेस्ट फैशन और ट्रेंड के प्रति अपडेट रहना जरूरी है. सृजनात्मकता के साथ संचार कुशलता भी होनी कं प्यूटर एडेड डिजाइन यानी सीएडी सिस्टम से अच्छी तरह अवगत होना जरूरी है, क्योंकि इसकी मदद से फुटवियर की डिजाइनिंग की जाती है. स्टिचिंग, प्रोडक्ट डिजाइनिंग और कलर कॉम्बिनेशन का अच्छा ज्ञान होना जरूरी है.

नौकरी

इस क्षेत्र में डिजाइनिंग, मैन्युफेक्क्ररिंग, सेल्स, मार्केटिंग, रीटेल, होलसेल, क्वालिटी कंट्रोल मैनेजमेंट, लेदर प्रोडक्शन, प्रोडक्ट डेवलपमेंट, प्रोसेसिंग एंड डिजाइनिंग, लेदर रिसर्च सेंटर, फुटवियर डिजाइनिंग इंस्टीट्यूट, प्रोडक्शन यूनिट, स्पोर्ट्स शू मैन्युफेक्क्ररिंग आदि जगहों पर नौकरी की जा सकती है. इसके अलावा, ऑर्थोपेडिक मार्केट भी तेजी से अपनी पकड़ बना रहा है. इन दिनों ऑर्थोपेडिक्स के मरीजों के लिए विशेष डिजाइन के फुटवियर बाजार में मौजूद हैं जिसके चलते इसका ग्रोथ और भी तेजी से हो रहा है. यह काम कुछ निजी कंपनियां कर रही हैं. इसके अलावा बच्चों के फुटवियर और महिलाओं के फैशनेबल फुटवियर का अच्छा खासा मार्केट है.

आमदनी

शुरुआती दौर में दस हजार रुपये की मासिक सैलरी पर नौकरी मिलती है जो समय के साथ और अनुभव के आधार पर बढ़ती रहती है. फ्रीलांसर फुटवियर डिजाइनर, इस सेक्टर में अच्छी आमदनी कर सकते हैं.

संस्थान

नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, गांधीनगर, गुजरात नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, चेन्नई, तमिलनाडु नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, हैदराबाद, आंध्र प्रदेश नेशनल इंस्टिट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, कोलकाता सेंटर फुटवियर ट्रेनिंग सेंटर चेन्नई, तमिलनाडु सेंटर फुटवियर ट्रेनिंग सेंटर, आगरा फुटवियर डिजाइन एंड डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट, नोएडा

कृषि-प्रधान देश में खेती क्यों न बने कॅरियर

भारत शुरू से ही कृषि प्रधान देश रहा है। यहां की आबादी के 70 प्रतिशत लोग कृषि से सीधे जुड़े हैं। कृषि पर इतनी बड़ी आबादी की निर्भरता कृषि विज्ञान में रोजगार की असीम संभावनाओं का द्वार खोलती है। कुछ नया कर दिखाने वाले, नए विचार देने वाले, रचनात्मक कार्यों में रूचि दिखाने वाले युवक-युवतियों के लिए कृषि उद्योग में अच्छे वेतन और सरकारी, निजी व बहुराष्ट्रीय कंपनियों में काम के अच्छे अवसर उपलब्ध हो सकते हैं।

आमतौर पर लोग कृषि विज्ञान का मतलब खेती बाड़ी ही लगाते हैं। लेकिन कृषि विज्ञान पाठ्यक्रम व्यापक है जिसके अन्तर्गत फसलों की निगरानी, आनुवंशिकी और पादप प्रजनन फसलों की देख-रेख, आनुवंशिकी और पादप प्रजनन, फसलों पर लगने वाले कीड़ों का नियंत्रण, पौधों में लगने वाली बीमारियों का अध्ययन, मिट्टी की गुणवत्ता से संबंधित विषयों की जानकारी और उसके भीतर के लाभदायक जीवाणुओं के बारे में अध्ययन और उसे उर्वर बनाए जाने हेतु जानकारी हासिल की जाती है।

कृषि विज्ञान में कई पाठ्यक्रम उपलब्ध हैं जिन्हें आप अपनी रूचि के अनुसार चुन सकते हैं। इनमें कुछ प्रमुख पाठ्यक्रम हैं- बीएसी एग्रीकल्चर, बैचलर डिग्री इन हॉटीकल्चर, बैचलर ऑफ फिशरीज साइंस, बैचलर ऑफ फारेस्ट्री साइंस, बैचलर ऑफ होम साइंस, बैचलर ऑफ फूड टेक्नोलॉजी, बैचलर ऑफ वेटनरी एंड एनिमल हसबेन्डरी और मास्टर इन इरीगेशन एंड वाटर मैनजेमेंट। कृषि विज्ञान के विभिन्न पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए उम्मीदवार का बारहवीं कक्षा में विज्ञान विषय में उत्तीर्ण होना आवश्यक है। इन पाठ्यक्रमों में नामांकन के लिए अभ्यर्थी को प्रवेश परीक्षा में गुजरना पड़ता है। ज्यादातर विश्वविद्यालयों में मई-जून महीने में अखिल भारतीय स्तर पर प्रवेश परीक्षा आयोजित की जाती है। पाठ्यक्रम की अवधि तीन से चार साल की होती है।

कृषि में स्नातकोत्तर डिग्री के बाद सरकारी क्षेत्र में सहायक प्राध्यापक और वैज्ञानिक के रूप में रोजगार उपलब्ध हैं। कृषि क्षेत्र में हो रहे नित नए-नए अनुसंधानों के बाद निजी क्षेत्र इस व्यवसाय में अपना स्थान बनाने की कोशिश कर रहा है। इससे कॅरियर के अवसर में भारी इजाफा हुआ है। वहीं एग्रोक्लीनिक और एग्रो-बिजनेस के नाम से स्वरोजगार भी शुरू कर सकते हैं। साथ ही मुधमक्खी पालन और मुर्गी पालन जैसे रोजगार भी शुरू कर सकते हैं। इसके अलावा विश्वविद्यालयों में शोध कार्य आरंभ कर फेलोशिप के तौर पर साढ़े छह हजार रुपए हर महीने पा सकते हैं। शोध कार्य पूरा करने के बाद सरकारी और निजी क्षेत्रों में वैज्ञानिक का पद पा सकते हैं।

इन पाठ्यक्रमों का अध्ययन इन विश्वविद्यालयों से किया जा सकता है

- इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीकल्चर पीओ श्री निकेतन, वीरभूम।
- कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, ग्वालियर।
- इलाहाबाद एग्रीकल्चर इंस्टीट्यूट, वाराणसी।
- कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर, एग्रीकल्चर फैकल्टी, राजेंद्र नगर हैदराबाद।
- बिरला एग्रीकल्चर विश्वविद्यालय, फैकल्टी ऑफ एग्रीकल्चर कांके, रांची।
- बुंदेलखंड विश्वविद्यालय, झांसी।
- एग्रीकल्चर कॉलेज एंड रिसर्च इंस्टीट्यूट, कोयम्बटूर।

टीवीएस मोटर्स ने जर्मनी की दिग्गज कंपनी में बढ़ाई हिस्सेदारी

नई दिल्ली । तेजी से बढ़ते इलेक्ट्रिक मोबिलिटी क्षेत्र में अपनी स्थिति और मजबूत करने के लिए टीवीएस मोटर्स (सिंगापुर) पीटीई लिमिटेड ने जर्मनी की दिग्गज कंपनी किलवाट जीएमबीएच में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाई है। कंपनी ने एक्सचेंजों को दी जानकारी में बताया कि कंपनी जर्मन की कंपनी किलवाट जीएमबीएच में अतिरिक्त 8,000 इक्विटी शेयरों का अधिग्रहण कर रही है। इस अधिग्रहण के साथ ही टीवीएस की हिस्सेदारी 39.28 फीसदी से बढ़कर 49 फीसदी हो गई है। किलवाट जीएमबीएच जर्मनी के टिर्शेनरेथ में स्थित एक निजी कंपनी है जो कि इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों के विकास, डिजाइन, निर्माण, बिक्री और डिस्ट्रीब्यूशन का काम देखती है। 4 मिलियन यूरो मूल्य का यह अधिग्रहण टीवीएस मोटर के ई-पर्सनल मोबिलिटी क्षेत्र में एक प्रमुख खिलाड़ी बनने की रेस में बड़ा कदम माना जा रहा है। साथ ही इससे किलवाट जीएमबीएच के साथ लॉन्गटर्म पार्टनरशिप स्थापित करने का लक्ष्य भी पूरा होगा। ऐसा माना जा रहा है कि ये अधिग्रहण 11 मार्च, 2024 तक पूरा हो जाएगा। कंपनी ने बताया कि इस अधिग्रहण डील के लिए टीवीएस मोटर (सिंगापुर) 4 मार्च को या उससे पहले 2 मिलियन यूरो का भुगतान करेगा, इसके बाद का शेष 2 मिलियन यूरो का भुगतान होगा।

अगले वित्त वर्ष में यात्री वाहन क्षेत्र की वृद्धि 5-7 फीसदी रहेगी: रेटिंग एजेंसी

मुंबई । यात्री वाहन (पीवी) क्षेत्र में अगले वित्त वर्ष में पांच से सात प्रतिशत की वृद्धि होने की संभावना है। एक रेटिंग एजेंसी ने कहा कि स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल (एसयूवी) खंड की अगुवाई में यात्री वाहन क्षेत्र लगातार तीसरी बार नए उच्च स्तर को छूएगा। एजेंसी ने कहा कि इसे चालू वित्त वर्ष में कारों और निर्यात की मांग कमजोर रहने के बावजूद छह से आठ प्रतिशत की अनुमानित दर से बढ़त मिल सकती है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि उपभोक्ता प्राथमिकता में एक महत्वपूर्ण बदलाव ने एसयूवी की मांग को बढ़ा दिया है, जिससे इस वित्त वर्ष में इसकी बाजार हिस्सेदारी दोगुनी होकर कुल घरेलू मात्रा का लगभग 60 प्रतिशत हो गई है। वित्त वर्ष 2018-19 में कोविड-19 महामारी से पहले एसयूवी खंड की घरेलू बाजार हिस्सेदारी लगभग 28 प्रतिशत थी। एजेंसी ने कहा कि पिछले तीन-चार साल में वाहनों की लागत में वृद्धि हुई है क्योंकि विनिर्माता प्रीमियम वाहनों की कीमतें बढ़ा रहे हैं और उन्हें सुरक्षा और उत्सर्जन पर अधिक कड़े नियमों का पालन करना पड़ रहा है। निर्यात के मामले में भी स्थिति ऐसी ही है। यात्री वाहन निर्यात की हिस्सेदारी वित्त वर्ष 2018-19 में लगभग 17 प्रतिशत की तुलना में चालू वित्त वर्ष में धीमी होकर 14 प्रतिशत रहने का अनुमान है। रेटिंग एजेंसी ने कहा कि यह मुख्य रूप से पिछले दो वर्षों में प्रतिकूल मुद्रास्फीति और प्रमुख निर्यात बाजारों लातिनी अमेरिका, दक्षिण-पूर्व एशिया और अफ्रीका में विदेशी मुद्रा की सीमित उपलब्धता के कारण है। अगले वित्त वर्ष में भी यही रुझान रह सकता है।

ट्रूकॉलर ने एआई संचालित कॉल रिकॉर्डिंग लांच की

नई दिल्ली । नया फीचर यूजर्स को सीधे ट्रूकॉलर एप्प के भीतर इनकमिंग और आउटगोइंग कॉल रिकॉर्ड करने की सुविधा देगा। एआई-संचालित कॉल रिकॉर्डिंग सेवा कंपनी के प्रीमियम प्लान के एक हिस्से के रूप में मिलेगी, जिसकी शुरुआत 75 रुपए प्रति माह या 529 रुपए प्रति वर्ष से होगी। ट्रूकॉलर के एक अ धिकारी ने कहा `कि यह व्यक्तिगत और व्यावसायिक दोनों उद्देश्यों के लिए एक बहुत ही मूल्यवान उपकरण है। यूजर्स इस सुविधा का उपयोग करके किसी भी कॉलर की सभी कॉल को अंग्रेजी और हिंदी में रिकॉर्ड और ट्रांसक्राइब कर सकते हैं। कंपनी ने कहा कि यह सेवा पहले अमरीका में लॉन्च की गई थी और अतिरिक्त बाजार और भाषाएं भी लॉन्च की जाएगी।

जेएसडब्ल्यू एनर्जी को 700 मेगावाट की सौर परियोजना मिली

नई दिल्ली । जेएसडब्ल्यू एनर्जी को सार्वजनिक क्षेत्र की एसजेवीएन लिमिटेड से 700 मेगावाट की सौर परियोजना मिली है। जेएसडब्ल्यू ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि इस परियोजना को इसकी अनुषंगी कंपनी जेएसडब्ल्यू नियो एनर्जी लिमिटेड द्वारा 1,500 मेगावाट आईएसटीएस-संबद्ध सौर ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना के लिए आमंत्रित टैरिफ-आधारित प्रतिस्पर्धी बोली में हासिल किया गया है। कंपनी ने कहा कि एसजेवीएन लिमिटेड से 700 मेगावाट क्षमता के अधिकार पत्र (एलओए) के बाद कंपनी की कुल क्षमता बढ़कर 11.0 गीगावाट हो गई, जिसमें 1.4 गीगावाट सौर क्षमता है। परियोजना को बिजली खरीद समझौते की प्रभावी तिथि से 24 महीने के भीतर पूर्ण अनुबंधित क्षमता की बिजली की आपूर्ति करनी होगी। जेएसडब्ल्यू एनर्जी ने कहा कि इसकी कुल उत्पादन क्षमता 11.0 गीगावाट है, जिसमें परिचालन में 7.2 गीगावाट, पवन, तापीय और पनबिजली में निर्माणाधीन 2.6 गीगावाट और एसईसीआई (किस्त - 16) और एसजेवीएन से 1.2 गीगावाट क्षमता के लिए एलओएएस शामिल हैं। इसके अलावा कंपनी के पास बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली और हाइड्रो-पंप भंडारण परियोजना के माध्यम से 3.4 गीगावाट की ऊर्जा भंडारण क्षमता है।कंपनी को 2024 के अंत तक 9.8 गीगावाट परिचालन उत्पादन क्षमता होने की उम्मीद है। कंपनी की वर्तमान परिचालन क्षमता 7.2 गीगावाट है।

एयर इंडिया अधिक लंबी दूरी की सीधी उड़ानें शुरू करेगी

मुंबई । विमानन कंपनी एयर इंडिया की योजना अधिक लंबी दूरी की, मुख्य रूप से अमेरिकी शहरों के लिए उड़ानें शुरू करने की है। सूत्रों ने कहा कि एयरलाइन कंपनी अधिक ए-350 और बी-777 विमानों के साथ अपने बेड़े का विस्तार कर रही है। जानकार सूत्रों ने कहा कि टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन भारतीय शहरों से सिएटल, लॉस एंजिल्स और डलास के लिए सीधी उड़ानें शुरू करने पर विचार कर रही है। मौजूदा वक्त में एयर इंडिया वॉशिंगटन, न्यूयॉर्क, नेवार्क, सैन फ्रांसिस्को और शिकॉगो के लिए उड़ानों का परिचालन करने वाली एकमात्र भारतीय एयरलाइन है। एयर इंडिया वर्ष 2024-25 के शीतकालीन कार्यक्रम के दौरान सिएटल, लॉस एंजिल्स और डलास के लिए उड़ानें शुरू करने की योजना बना रही है। सिएटल की सेवाओं के लिए ए-350 विमान को तैनात किए जाने की संभावना है, बी-777 को लॉस एंजिल्स और डलास की उड़ानों के लिए लगाया जा सकता है। ये अत्यधिक लंबी दूरी की उड़ानें होंगी। इसका आमतौर पर मतलब है कि इनकी अवधि 16 घंटे से अधिक की है। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने योजनाओं पर कोई टिप्पणी नहीं दी।

रिलायंस कैपिटल के लिए आईआईएचएल की समाधान योजना को मिली मंजूरी

मुंबई । राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) ने मंगलवार को हिंदुजा समूह की कंपनी आईआईएचएल (इंडसइंड इंटरनेशनल होल्डिंग्स लिमिटेड) की रिलायंस कैपिटल के लिए 9,650 करोड़ रुपये की समाधान योजना को मंजूरी दे दी। एनसीएलटी की मुंबई पीठ ने कर्ज का सामना कर रही कंपनी के लिए बोली के दूसरे दौर में जून 2023 में आईआईएचएल द्वारा प्रस्तुत योजना को मंजूरी दे दी। इस मामले में विस्तृत आदेश जल्द आने की संभावना है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने नवंबर 2021 में अनिल धीरूभाई अंबानी समूह की कंपनी द्वारा प्रशासनिक मुद्दों और भुगतान चूक पर रिलायंस कैपिटल के निदेशक मंडल को हटा दिया था। केंद्रीय बैंक ने नागेश्वर राव वाई को प्रशासक नियुक्त किया था, जिन्होंने कंपनी का अधिग्रहण करने के लिए फरवरी 2022 में बोलियां आमंत्रित की थीं रिलायंस कैपिटल पर 40,000 करोड़ रुपये से अधिक का कर्ज था और चार आवेदकों ने शुरू में समाधान योजनाओं के साथ बोली लगाई थी। हालांकि, लेनदारों की समिति ने कम बोली मूल्यों के लिए सभी चार योजनाओं को खारिज कर दिया और एक चुनौती तंत्र शुरू किया गया, जिसमें आईआईएचएल और टोरेंट इन्वेस्टमेंट्स ने भाग लिया। हिंदुजा समूह की कंपनी को पिछले साल जून में समिति द्वारा 9,661 करोड़ रुपये की अग्रिम नकद बोली के लिए चुना गया था। रिलायंस कैपिटल का अतिरिक्त 500 करोड़ रुपये का नकद शेष भी ऋणदाताओं के पास जाएगा।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

मुंबई । घरेलू बाजार मंगलवार को तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल अंतरराष्ट्रीय बाजार से मिले कमजोर संकेतों के बाद भी आईटी और बैंकिंग शेयरों के ऊपर जाने से आया है। इससे बाजार में उत्साह का माहौल है। इसके साथ ही एशियाई बाजारों में बढ़त से भी भारतीय बाजार को बल मिला। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 0.42 फीसदी करीब 305.09 अंक बढ़कर 73,095.22 पर बंद हुआ। इस दौरान सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से 18 के शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये जबकि बचे हुए 12 गिरावट पर बंद हुए। वहीं इसी तरह, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 0.34 फीसदी तकरीबन 76.30 अंक बढ़कर 22,198.35 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी की 28 कंपनियों के शेयर लाभ में रहे, वहीं 22 गिरावट पर बंद हुए।आज कारोबार के दौरान आईटी शेयरों में बढ़त रही। इसके अलावा टीसीएस, एचसीएल टेक और इन्फोसिस के शेयर भी बढ़त पर बंद हुए। इस दौरान टाटा मोटर्स का शेयर सबसे ज्यादा 2.78 फीसदी की बढ़त के साथ बंद हुआ। आज बजाज फाइनेंस का शेयर सबसे ज्यादा 1.29 फीयदी नीचे आया। वहीं एसबीआई, एक्सिस बैंक, बजाज फिनसर्वम व एशियन पेंट्स सहित 12 कंपनियों के शेयर नीचे आये। पूर्वीएस द्वारा स्टॉक को अपग्रेड करने और वित्त वर्ष 2024-25 में आय में सुधार का अनुमान लगाने के बाद टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज टीसीएस के शेयर 2.58 फीसदी बढ़े। वहीं अमेरिकी के आर्थिक डेटा जारी होने से पहले एशियाई बाजारों में हल्की बढ़त दर्ज की गई। यूरोपीय शेयर बाजार आज लाभ के साथ ऊपर आये जबकि अमेरिकी बाजार में गिरावट रही। सोमवार को कैसी वहीं गत दिवस बाजार गिरावट पर बंद हुआ था।

वैश्विक बाजारों से मिले खराब संकेतों की वजह से मंगलवार के कारोबारी दिन घरेलू शेयर बाजार की कमजोर शुरुआत हुई। बाजार की शुरुआत लाल निशान में ही हुई है। निफ्टी 11.85 अंक की कमजोरी के साथ 22,110.20 के स्तर पर और सेंसेक्स 51.95 अंक की कमजोरी के साथ 72,725 के आसपास दिख रहा है। फिलहाल सेंसेक्स 180 अंक की कमजोरी के साथ 72,640 के आसपास कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी में 90.65 अंक की गिरावट के साथ 22,122.05 के स्तर पर कारोबार देखा गया

इससे पहले आज सुबह बाजार की कमजोर शुरुआत हुई। बाजार की शुरुआत नुकसान से हुई है। निफ्टी 11.85 अंक टूटकर 22,110.20 के स्तर पर जबकि सेंसेक्स 51.95 अंक की कमजोरी के साथ 72,725 के आसपास दिख रहा था। फिलहाल सेंसेक्स 180 अंक की कमजोरी के साथ 72,640 के आसपास कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी भी 90.65 अंक की गिरावट के साथ 22,122.05 के स्तर पर रहा।

बार्सिलोना में मोबाइल वर्ल्ड कार्फेस में जियोमी का नया इनर्जी मॉडल एसयू7 पेश किया गया।

एक्सेलरेट ने फेडरेटेड व अन्य से 2.5 करोड़ डॉलर जुटाए

मुंबई । कानूनी अनुपालन सेवा प्रदाता अपराजिता की मूल कंपनी सिंगापुर की एक्सेलरेट ने निजी इक्विटी फर्म फेडरेटेड हर्मीस और अन्य से 2.5 करोड़ डॉलर (लगभग 207 करोड़ रुपये) जुटाए हैं। एक्सेलरेट के एक वे रिष्ठ अधिकारी ने बयान में कहा कि सबसे ज्यादा निवेश वैश्विक निजी इक्विटी निवेशक फेडरेटेड हर्मीस से जुटाया गया। इसके पास दिसंबर, 2023 तक 757 अरब डॉलर की प्रबंधन अधीन संपत्ति थी। निवेश जुटाने के मौजूदा चरण में भाग लेने वाले अन्य निवेशकों में मौजूदा निवेशक अल्टेयर कैपिटल और एक्सेवा कैपिटल पार्टनर्स शामिल थे। उन्होंने कहा कि इस चरण में एक्सेलरेट के सह-संस्थापकों व अन्य मौजूदा शेयरधारकों ने भी निवेश किया है। उन्होंने कहा कि नई पूंजी को रणनीतिक अधिग्रहणों और व्यवसाय संचालन, टीम और प्रौद्योगिकी में चल रहे निवेश में लगाया जाएगा।

सिविल कंस्ट्रक्शन कंपनी को रेलवे से मिला 396.25 करोड़ का ऑर्डर

नई दिल्ली । सिविल कंस्ट्रक्शन कंपनी पावर मेक प्रोजेक्ट्स को रेलवे से 396.25 करोड़ का एक बड़ा ऑर्डर मिला है। इस ऑर्डर के बारे में बाजार को बताने के बाद कंपनी ने स्टॉक एक्सचेंज को जानकारी दी है। कंपनी के अनुसार दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे से इसे 396.25 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला है। गौरतलब है कि यह एक मल्टीबैगर स्टॉक है। कंपनी के मुनाफे पर नजर डालें तो कंपनी ने एक साल में ही शेयरधारकों को 155 फीसदी का बढ़िया रिटर्न दिया है। बीएसई की वेबसाइट पर उपलब्ध जानकारी के मुताबिक, मल्टीबैगर रिटर्न देने वाली कंपनी को मिले ऑर्डर में छत्तीसगढ़ राज्य में दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे में दाधापारा-सेलाहादागोरी और निपानिया-भाटापारा-हथबंध स्टेशनों के बीच ईपीसी आधार पर इलेक्ट्रिफाइड चौथी रेलवे बीजी लाइन बनाना है। इस पूरे काम की लागत 396.25 करोड़ रुपये बताई जा रही है। कंपनी की वित्तीय सेहत पर नजर डालें तो कंपनी का चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में कंसोलिडेट नेट प्रॉफिट बढ़ा है। ये 22.5 फीसदी बढ़कर 62 करोड़ रुपये रहा है। वहीं एक साल पहले समान तिमाही में मुनाफा 50.6 करोड़ रुपये था। हालांकि सालाना आधार पर कंपनी की कुल आय 912 करोड़ रुपये से बढ़कर 1,11419 करोड़ रुपये हो गई है। मल्टीबैगर कंपनी के शेयर ने शेयरधारकों को तगड़ा मुनाफा दिया है।

एक साल में शेयर का रिटर्न 155 फीसदी है। जबकि यह 1 महीने में 6 फीसदी, 3 महीने में 30 फीसदी और 6 महीने में 32 फीसदी बढ़ा है। स्टॉक का 52 वीक हाई 5,544 और लो 2,006. 25 है। कंपनी के मार्केट कैप की बात करें तो यह 8,232.96 करोड़ रुपये है। बता दें कि 26 फरवरी को स्टॉक 5208.05 के स्तर पर बंद हुआ था।

धारावी परियोजना में कारोबारी इकाइयों को एसजीएसटी रिफंड मिलेगा

मुंबई । मुंबई की सबसे बड़ी झुग्गी-बस्ती धारावी का पुनर्विकास पूरा होने के बाद स्थानीय कारोबारी इकाइयां राज्य माल एवं सेवा कर (एसजीएसटी) रिफंड सहित कई लाभ हासिल कर सकेंगी। अदाणी ग्रुप और महाराष्ट्र सरकार के संयुक्त उपक्रम धारावी पुनर्विकास परियोजना (डीआरपी) ने कहा कि यह स्थानीय कारोबार क्षेत्रों को संगठित बनाने का एक कदम है और कर रियायतें महत्वाकांक्षी परियोजना के लिए निविदा शर्तों के अनुसार हैं। डीआरपी ने कहा कि पुनर्विकसित धारावी में पात्र औद्योगिक और वाणिज्यिक व्यवसायों को नवनिर्मित भवनों के व्यवसाय प्रमाणपत्र की प्राप्ति की तारीख से पांच साल तक जीएसटी रिफंड मिलेगा। डीआरपी के प्रवक्ता ने कहा कि हजारों करोड़ रुपये की पुनर्विकास परियोजना व्यवसायों की अनौपचारिक प्रकृति को बदलने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि कर लाभ मौजूदा और नए दोनों कारोबार क्षेत्रों को अधिक प्रतिस्पर्धी बनने में मदद करेंगे। एसजीएसटी की प्रतिपूर्ति राज्य सरकार के वित्त विभाग द्वारा की जाएगी और व्यावसायिक इकाइयों को रिफंड का दावा करते समय प्रमाण के रूप में एसजीएसटी भुगतान विवरण प्रदान करना होगा। धारावी झुग्गी बस्ती में चमड़े की टेनरियां, मिट्टी के बर्तनों सहित विभिन्न क्षेत्रों में हजारों उद्यम चलते हैं। डीआरपी के बयान में कहा गया है कि कई घरेलू और अंतरराष्ट्रीय ब्रांड धारावी की इकाइयों से अपना माल मंगाते हैं और व्यावसायिक गतिविधियों से कुल कारोबार लाखों डॉलर का होने का अनुमान है।

भारत विश्व का सबसे बड़ा चावल निर्यातक बना

जयपुर । क्रीन ऑफ राइस कहे जाने वाले बासमती चावल का इन दिनों दुनिया भर में दबदबा बढ़ता जा रहा है। पिछले साल की तुलना में इस बार करीब 6250 करोड़ रुपए मूल्य का बासमती निर्यात बढ़ चुका है, जबकि बासमती की कीमतें पहले के मुकाबले इस साल ज्यादा हैं। जानकारों का कहना है कि इस साल मार्च तक बासमती राइस का निर्यात 45 हजार करोड़ रुपए को पार हो सकता है। विदेशी बाजारों में भारतीय बासमती की मांग बढ़ती जा रही है।

वर्ष 2022-23 के दौरान कुल एग्री एक्सपोर्ट में बासमती चावल की हिस्सेदारी 17.4 फीसदी रही थी, जो कि इस वर्ष और बढ़ने का अनुमान है। इस बीच सर्दी के कारण जनवरी एवं फरवरी माह में बासमती राइस की उपभोक्ता मांग अपेक्षाकृत कमजोर रहने से इसकी कीमतों में गिरावट दर्ज की गई है। जयपुर मंडी में 1121 गोल्डन सेला बासमती 100 से 110 रुपए, 1509 गोल्डन बासमती 85 से 90 रुपए तथा 1401 बासमती 95 से 105 रुपए प्रति किलो पर चार से पांच रुपए प्रति किलो मंदा हो गया है। ठंड कम होने के साथ ही बासमती की मांग शुरू हो जाएगी।` जिससे कीमतों में फिर से उछाल आ सकता है। दुनिया का 90 फीसदी चावल एशिया में उगाया जाता है। दुनिया में चावल के कुल एक्सपोर्ट में भारत की हिस्सेदारी करीब 40 प्रतिशत है। भारत से ईरान, सऊदी अरब, यूएई, ईराक, यमन एवं अमेरिका तक बासमती चावल का निर्यात होता है। एग्रीकल्चर प्रोसेस्ड फूड प्रॉडक्ट्स एक्सपोर्ट डवलपमेंट एथोरिटी (एपीडा) के अनुसार चालू वित्तीय वर्ष 2023-24 की अप्रैल से दिसंबर में 35.43 लाख टन बासमती चावल का निर्यात हुआ है। यह पिछले साल की समान अवधि में निर्यात हुए बासमती चावल से 10.78 फीसदी ज्यादा है।

दादाजी के सपनों को मेरे पिताजी ने पूरा किया: अनंत अंबानी

मुंबई । रिलायंस इंडस्ट्रीज के सीएमडी मुकेश अंबानी के बेटे अनंत अंबानी ने एक साक्षात्कार में बताया कि जामनगर में रिलायंस इंडस्ट्रीज की रिफाइनरी दुनिया की सबसे बड़ी रिफाइनरी है। यह उनके दादा और रिलायंस के संस्थापक धीरूभाई अंबानी का सपना था। बकौल अनंत, इस सपने को मेरे पिताजी मुकेश अंबानी ने पूरा किया। उन्होंने बताया कि दादाजी दुनिया की सबसे बड़ी रिफाइनरी बनाना चाहते थे और पिताजी ने जामनगर रिफाइनरी बनाकर इस सपने को पूरा किया। गौरतलब है कि गुजरात का जामनगर रिलायंस फैमिली का पैतृक स्थान है। इस रिफाइनरी को बनाने के लिए उनके पिता मुकेश अंबानी खुद 10-12 साल जामनगर में ही रहे थे। जामनगर रिफाइनरी को 1999 में चालू कर दिया गया था। इसका निर्माण करने वाली अंतरराष्ट्रीय कंपनी बेकटेल ने अपनी वेबसाइट पर लिखा है कि जिस वक्त इसका निर्माण हुआ यह दुनिया की सबसे बड़ी रिफाइनरी और पेट्रोकेमिकल्स कॉम्पलेक्स था। बकौल बेकटेल,

आज यह और बड़ा हो चुका है और अब यह दुनिया का सबसे बड़ा ऑयल रिफाइनिंग हब बन चुका है। उनका कहना है कि यह किसी भी भारतीय कॉर्पोरेट द्वारा पूरा किया गया सबसे बड़ा इंडस्ट्रियल प्रोजेक्ट है। बेकटेल के अनुसार कंपनी ने 2008 में पहली रिफाइनरी के साथ ही एक और रिफाइनरी खड़ी की जिससे जामनगर रिफाइनरी की कुल कैपिसिटी दोगुनी हो गई। अब यहां हर दिन 12 लाख बैरल ऑयल रिफाइन हो सकता है।

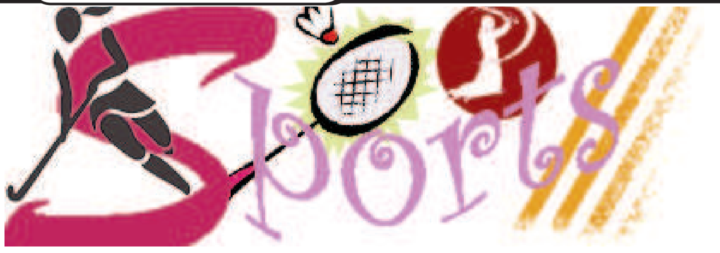

अब कभी भी आंध्र के लिए नहीं खेलूंगा : हनुमा

मुम्बई । बल्लेबाज हनुमा विहारी ने आंध्र क्रिकेट एसोसिएशन पर खराब व्यवहार का आरोप लगाते हुए कहा कि अब वह कभी भी आंध्र प्रदेश की ओर से नहीं खेलेंगे। हनुमा का ये बयान रणजी ट्रॉफी टूर्नामेंट में आंध्र के बाहर होने के बाद आया है। टीम को क्वार्टर फाइनल में मध्य प्रदेश के हाथों चार रनों से हार का सामना करना पड़ा था। वहीं आंध्र एसोसिएशन ने अपने पर लगे आरोपों को गलत बताते हुए कहा कि खिलाड़ियों को जो बातें कही जाती हैं उन्हें मानना होता है क्योंकि उनके कारण ही खिलाड़ी वहां हैं। हनुमा ने कहा वह अब कभी भी आंध्र के लिए नहीं खेलेंगे। इसका कारण है कि यहां उनका आत्मसम्मान खो गया है। साथ ही सोशल मीडिया पर लिखा, मैं टीम से प्यार करता हूं। जिस तरह से हम हर सत्र में आगे बढ़ रहे हैं, वह मुझे पसंद है पर एसोसिएशन नहीं चाहता कि हम आगे बढ़ें। उन्होंने सीजन की शुरुआत आंध्र के कप्तान के रूप में की थी पर पिछले साल के उपविजेता बंगाल के खिलाफ पहले मैच के बाद उनको पद छोड़ने के लिए कहा गया। उसके बाद बचे हुए सत्र में रिक्की भुई ने टीम की कप्तानी की। उन्होंने कहा, बंगाल के खिलाफ पहले मैच में मैं कप्तान था, उस मैच के दौरान मैं एक खिलाड़ी पर नाराज हुआ जिसके बाद भी मेरे खिलाफ कार्रवाई हुई।

अभिनव बिंद्रा, नीरज चोपड़ा, अंजू बॉबी जॉर्ज भारत खेल विज्ञान सम्मेलन का हिस्सा बनेंगे

नई दिल्ली.

टोक्यो ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता नीरज चोपड़ा, भारत के पहले व्यक्तिगत ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अभिनव बिंद्रा, विश्व चैंपियनशिप 2003 की कांस्य विजेता अंजू बॉबी जॉर्ज सहित कई वर्तमान और पूर्व एथलीट सूची में शीर्ष नामों में शामिल हैं जो बुधवार को यहां होने वाले पहले भारत खेल विज्ञान सम्मेलन का हिस्सा बनेंगे। भारत खेल विज्ञान सम्मेलन में प्रदर्शन को बेहतर बनाने के लिए खेल विज्ञान को कैसे जोड़ा जाए, इस पर विशेषज्ञ चर्चा करेंगे। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता योगेश्वर दत्त और भारतीय क्रिकेटर दीपक चाहर और दक्षिण अफ्रीकी एथलीट प्रदर्शन विशेषज्ञ वेन लोम्बार्ड और भारतीय रग्बी फुटबॉल संघ के अध्यक्ष राहुल बोस जैसे शीर्ष खेल विज्ञान विशेषज्ञ सूची में कुछ अन्य नाम हैं। एक दिवसीय कॉन्क्लेव का आयोजन ट्रांसस्टेडिया यूनिवर्सिटी, ट्रांसस्टेडिया एजुकेशन एंड रिसर्च फाउंडेशन की शिक्षा शाखा, नेशनल सेंटर ऑफ स्पोर्ट्स साइंस एंड रिसर्च (एनसीएसएसआर), भारतीय खेल प्राधिकरण और युवा मामले और खेल मंत्रालय की इकाई के सहयोग से किया जा रहा है। इसका उद्देश्य भारतीय खेलों और एथलीटों के लिए उच्च प्रदर्शन और खेल प्रशिक्षण में उच्च स्तरीय अनुसंधान का समर्थन करना है। विजन ओलंपिक 2036 के उद्देश्यों और लक्ष्य सेटिंग्स के आधार पर भारत को एक खेल महाशक्ति बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हुए, सम्मेलन में इन विशिष्ट खेल प्रतिभाओं के साथ विषयों पर गहराई से चर्चा की जाएगी, जिसमें चोपड़ा और चाहर जैसे लोग शामिल होंगे, जो एथलीटों को उच्च प्रदर्शन पर परिप्रेक्ष्य प्रदान करेंगे। बिंद्रा, जो उच्च प्रदर्शन और खेल विज्ञान को मुख्यधारा का विषय बनाने के लिए देश में कई हितधारकों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं, उन्होंने कहा, जैसा कि हम भारतीय खेलों में एक नए युग के कगार पर खड़े हैं, दिल्ली में भारत खेल विज्ञान सम्मेलन एक महत्वपूर्ण क्षण बन गया है। सम्मेलन में उन लोगों का भी प्रतिनिधित्व होगा जो ज्यादातर भविष्य के खेल सितारों के सलाहकार के रूप में पर्दे के पीछे काम करते हैं। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के प्रमुख पोषण विशेषज्ञ जी वाणी भूषणम; डॉ. प्रलय मजूमदार, वरिष्ठ सलाहकार, खेल विज्ञान शिक्षा और

अनुसंधान (खेल विज्ञान और विश्लेषिकी उत्कृष्टता केंद्र) आईआईटी, मद्रास; डॉ. नानकी जे चड्ढा, खेल एवं प्रदर्शन मनोवैज्ञानिक और पूर्व भारतीय गोल्फर; डॉ. पियरे ब्यूचैम्प, हाई-परफॉर्मेंस डायरेक्टर, नेशनल राइफल एसोसिएशन ऑफ इंडिया; अमेय कोलेकर, खेल विज्ञान के प्रमुख, पादुकोण द्रविड़ सेंटर फॉर स्पोर्ट्स एक्सीलेंस कुछ ऐसे नाम हैं जो सम्मेलन का हिस्सा होंगे। सम्मेलन में टॉप्स के सीईओ, कमांडर पीके गर्ग द्वारा एक विशेष सत्र और राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) के वरिष्ठ परियोजना सहयोगी, वीरेंद्र राजपूत द्वारा ईमानदारी और निष्पक्ष खेल पर एक प्रस्तुति भी होगी।

टेस्ट क्रिकेट की मैच फीस बढ़ा सकता है बीसीसीआई

मुम्बई ।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) टेस्ट क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए अब मैच फीस बढ़ाने पर विचार कर रहा है। जिससे कि युवा खिलाड़ियों को इसकी ओर आकर्षित किया जा सके। आईपीएल के शुरु होने के बाद से ही युवा खिलाड़ियों का रुझान लीग क्रिकेट की तरफ बढ़ा है क्योंकि उसमें उन्हें अच्छी कमाई होती है। बीसीसीआई ने हाल ही मैं एक बयान जारी कर कहा था कि घरेलू क्रिकेट में अपने को साबित करने वाले खिलाड़ियों को ही राष्ट्रीय टीम में जगह मिलेगी। साथ ही कहा था कि आईपीएल अच्छा है पर घरेलू क्रिकेट की उपेक्षा नहीं की जा कसती। हाल की में जिस प्रकार से युवा खिलाड़ियों इशान किशन और श्रेयस अय्यर ने फिटनेस के नाम पर घरेलू क्रिकेट खेलने से इंकार कर दिया था। माना जा रहा है कि उसको देखते हुए ही बोर्ड ने घरेलू क्रिकेट में वेतन बढ़ाना तय किया है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई अतिरिक्त बोनस निर्धारित कर सकता है ये एक खिलाड़ी को पूरे सत्र में प्रत्येक टेस्ट श्रृंखला में प्रतिस्पर्धा करने पर दिया जाएगा। इसके तहत अगर कोई खिलाड़ी एक कैलेंडर वर्ष में सभी टेस्ट सीरीज खेलता है, तो उसे वार्षिक रिटेनर अनुबंध के अलावा अतिरिक्त पुरस्कार भी मिलेगा। बोर्ड को उम्मीद है कि इससे अधिक से अधिक खिलाड़ी टेस्ट क्रिकेट खेल सकते हैं। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि अगर टेस्ट क्रिकेट में वेतन को लेकर नए मॉडल को मंजूरी मिल जाती है, तो इसे इस आईपीएल सत्र के समापन के बाद लागू किया जाएगा।

अंतिम टेस्ट के लिए तरोताजा होने बेंगलुरू और चंडीगढ़ जाएंगे इंग्लैंड के खिलाड़ी

रांची । इंग्लैंड क्रिकेट टीम सात मार्च से धर्मशाला में होने वाले अंतिम क्रिकेट टेस्ट मैच से पहले मिले ब्रेक के दौरान बेंगलूर और चंडीगढ़ में आराम करेगी। इंग्लैंड टीम का लक्ष्य अंतिम टेस्ट से पहले मिले एक सप्ताह के समय में तरोताजा होना है। इसी कारण टीम बेंगलुरू और चंडीगढ़ जा रही है। इंग्लैंड की टीम इस सीरीज में पहले ही 1-3 से पीछे चल रही है। वहीं इससे पहले दूसरे और तीसरे टेस्ट के बीच मिले समय में भी टीम आराम के लिए अबु धाबी चली गयी थी। इस सीरीज से पहले भी इंग्लैंड टीम ने अबु धाबी में ही अभ्यास किया था पर इस बार टीम ने खाली समय को चंडीगढ़ और बेंगलुरू को बिताने का फैसला किया है। । इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के एक अधिकारी ने कहा, 'पांचवें टेस्ट से पहले टीम चंडीगढ़ और बेंगलुरू में अपना खाली समय बिताएगी। ब्रेक के दौरान खिलाड़ी नेट अभ्यास नहीं करेंगे। टीम टेस्ट से लगभग तीन दिन पहले 4 मार्च को धर्मशाला पहुंचकर अभ्यास करेगी। बेन स्टोक्स की कप्तानी वाली इंग्लैंड टीम ने इस सीरीज में आक्रामक रुख अपनाने की जो नीति बनायी थी वर अब तक असफल रही है जिससे भी टीम को नुकसान पहुंचा है।

वैगनर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कहा

वेलिंगटन ।

न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज नील वैगनर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। इसी के साथ ही 37 साल के वैगनर का एक दशक से लंबा करियर समाप्त हो गया। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ अपने करियर का अंतिम टेस्ट खेला। खेल से संन्यास की घोषणा के समय वह भावुक हो गये। दक्षिण अफ्रीका में जन्में वैगनर ने न्यूजीलैंड की ओर से 64 टेस्ट मैचों में 260 विकेट लिए हैं। वह न्यूजीलैंड की ओर से टेस्ट क्रिकेट में सबसे अधिक विकेट लेने वाले गेंदबाजों की सूची में पांचवें नंबर पर हैं। उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुरुवार से शुरू होने वाले पहले टेस्ट मैच के लिए न्यूजीलैंड की टीम में जगह मिलने की संभावना नहीं थी और इसी को देखते हुए उन्होंने खेल को अलविदा कहने का फैसला किया।

वैगनर ने साल 2012 में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था। टीम की 2022 में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीत में उनकी अहम भूमिका रही है। इस गेंदबाज ने जो 64 टेस्ट मैच खेले उनमें से न्यूजीलैंड ने 34 में जीत हासिल की। वैगनर 2008 में दक्षिण अफ्रीका से न्यूजीलैंड आ गए थे और उन्होंने ओटैगो प्रांत की ओर से प्रथम श्रेणी क्रिकेट खेला था।

वैगनर का बेहतरीन प्रदर्शन पिछले साल बेसिन रिजर्व में रहा जब उन्होंने न्यूजीलैंड को इंग्लैंड पर एक रन से जीत दिलाई थी। वैगनर ने तब 62 रन देकर चार विकेट लिए थे जिनमें जेम्स एंडरसन का अंतिम विकेट भी शामिल है। वैगनर ने संन्यास पर कहा, ''यह सप्ताह भावनात्मक रहा क्योंकि हर उस चीज से दूर जाना आसान नहीं होता है जिसने

आपको इतना कुछ दिया हो पर अब आगे बढ़ने और दूसरों को अवसर देने का समय है। मैंने न्यूजीलैंड की ओर से टेस्ट क्रिकेट के प्रत्येक पल का पूरा आनंद उठाया है जिसकी मुझे खुशी है।''

संक्षिप्त समाचार

रोनाल्डो विवादों में फंसे , लग सका है प्रतिबंध

रियाद । पुर्तगाल के कप्तान और स्टार फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो पर प्रतिबंध का खतरा मंडरा रहा है। रोनाल्डो पर सऊदी प्रो लीग में दर्शकों की ओर आपत्तिजनक इशारा करने के आरोप लगे हैं जिसकी जांच हो रही है। सोशल मीडिया पर आये एक वीडियो में रोनाल्डो के इस इशारे से दर्शक भड़क गये। ऐसा लगता है कि रोनाल्डो इस तरह का आपत्तिजनक इशारा करके अपनी प्रतिद्वंद्वी टीम अल शबाब के समर्थकों को चिढ़ा रहे थे। यह घटना रविवार को खेले गए मैच के दौरान हुई जिसमें अल नासर ने अल शबाब को 3-2 से हराया। यह घटना हालांकि टीवी कैमरों में नजरी नहीं आयी पर इससे रोनाल्डो को कड़ी आलोचना झेलनी पड़ रही है। वहीं एक रिपोर्ट के अनुसार सऊदी अरब फुटबॉल महासंघ इस घटना की जांच कर रहा है। इस मामले में आरोपों को सही पाये जाने पर रोनाल्डो को निलंबित भी किया जा सकता है। अल नासर का अगला मैच गुरुवार को होगा और अब उसमें रोनाल्डो का खेलना तय नहीं है। रोनाल्डो साल 2022 में सऊदी अरब के अल नासर क्लब से जुड़े थे। उसके बाद से ही उन्होंने अब तक सबसे ज्यादा 22 गोल दागे हैं।

एलेना का हॉकी इंडिया के सीईओ पद से इस्तीफा

नई दिल्ली । हॉकी इंडिया की मुख्यकार्यकारी (सीईओ) रही एलेना नॉर्मन ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। वह पिछले 13 साल से सीईओ के पद पर थीं। एलेना के सीइके रहते हुए भारतीय पुरुष और महिला हॉकी टीमों बेहतर हुई हैं। भारतीय महिलार टीम ने सर्वश्रेष्ठ विश्व रैंकिंग हासिल की और साथ ही टोक्यो ओलंपिक खेलों में वह चौथे स्थान पर रही। वहीं पुरुष वर्ग में भारतीय टीम ने 41 साल के बाद कांस्य पदक हासिल किया। उनके रहते ही हॉकी इंडिया ने साल 2018 और साल 2023 में पुरुष हॉकी विश्व कप के लगातार दो संस्करणों की मेजबानी भी की है। इसके अलावा 2016 और 2021 में दो जूनियर पुरुष विश्व कप का सफल आयोजन करने के साथ ही हॉकी इंडिया लीग के पांच संस्करणों की भी सफलतापूर्वक मेजबानी की। इससे भारतीय टीम के युवा खिलाड़ियों को कुछ सबसे प्रतिष्ठित वैश्विक हॉकी सितारों के साथ खेलने का अवसर मिला जिससे उनका प्रदर्शन बेहतर हुआ। हॉकी इंडिया ने एलेना के कार्यकाल में ही एफआईएच चैंपियंस ट्रॉफी, 2015 और 2017 में एफआईएच विश्व लीग फाइनल, 2019 और 2024 में एफआईएच ओलंपिक क्वालीफायर के साथ-साथ एफआईएच हॉकी प्रो लीग घरेलू खेलों सहित कई अंतरराष्ट्रीय हॉकी टूर्नामेंटों की भी मेजबानी की। एलेना का महिला हॉकी को आगे लाने में भी सबसे अधिक योगदान रहा। उनके कार्यकाल में ही टीम को पुरुष खिलाड़ियों के समान सुविधाएं प्रदान की गईं, जिसमें हॉकी इंडिया वार्षिक पुरस्कारों के जरिये अंतरराष्ट्रीय आयोजनों में असाधारण प्रदर्शन पर नकद पुरस्कार भी शामिल रहे थे। उन्होंने 2016 रियो ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाली महिला टीम की सफलता में विशेष रूप से अहम भूमिका भी निभाई थी। यह एक ऐतिहासिक उपलब्धि थी क्योंकि टीम ने पहली बार क्वालीफाई किया और 36 साल के बाद ओलंपिक में भाग लिया।

सैफ अंडर 16 महिला फुटबॉल चैम्पियनशिप : भारतीय टीम का पहला मुकाबला भूटान से

नई दिल्ली ।

भारतीय टीम अगले माह एक से 10 मार्च तक नेपाल में होने वाली सैफ अंडर 16 महिला फुटबॉल चैम्पियनशिप में अपना पहला मुकाबला एक मार्च को भूटान से खेलेगी। मुख्य कोच बिबी थॉमस मुत्ताह ने कहा है कि 23 सदस्यीय भारतीय टीम का लक्ष्य यहां तीसरी बार जीत दर्ज करना रहेगा। भारतीय टीम ने इससे पहले 2018 और 2019 में अंडर 15 प्रारूप में जीत हासिल की थी। इन दोनो ही बार में भारतीय टीम ने खिताबी मुकाबले में बांग्लादेश को हराया था। ये पहली बार है जब ये टूर्नामेंट अंडर 16 प्रारूप में खेला जाएगा। अंतिम टीम का चयन गोवा में अभ्यास कर रहे संभावितों में से किया गया। भारतीय टीम को इस टूर्नामेंट में अपना पहला मुकाबला एक मार्च को भूटान से खेलना है। उसके बाद भारतीय टीम पांच मार्च को बांग्लादेश और सात मार्च को नेपाल से खेलेगी। इस टूर्नामेंट में राउंड राबिन चरण की शीर्ष दो टीमें खिताबी मुकाबले में उतरेंगी।

भारतीय टीम इस प्रकार है :

डिफेंडर : अमृता घोष, बोनिफिला शुलाइ, दिव्यानी लिंडा, एलिजाबेथ लाकड़ा, गौरी, रिआना लिज जैकब, रूपश्री मुंडा, एस अलेना देवी

मिडफील्डर : अनिता डुंगडुंग,

अनुष्का कुमारी, अन्विता रघुरामन, एच यशिका, एल नीरा चानू, रितु बडाइक, श्वेता रानी, टी मोनी बास्के

फॉरवर्ड : गुरलीन कौर, गुरनाज कौर, नेहा साजी, पर्ल फर्नांडिस

गोलकीपर : के टी देवी, मुन्नी, सूरजमुनी कुमारी

डब्ल्यूएफआई ने बजरंग, विनेश को भी ट्रॉयल के लिए बुलाया

साक्षी ने सोशल मीडिया के जरिये फेडरेशन पर कसा तंज

नई दिल्ली । भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने पहलवान बजरंग पूनिया, विनेश फोगाट ओर साक्षी मलिक को सीनियर एशियाई कुश्ती चैम्पियनशिप और एशियाई ओलंपिक क्वालीफायर कुश्ती मुकाबले के ट्रायल के लिए बुलाया है। डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष संजय कुमार सिंह ने लिखा, मैं भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) की सभी मान्यता प्राप्त इकाइयों को जानकारी दे रहा हूं कि एशियाई ओर ओलंपिक क्वालीफायर प्रतियोगिताओं के लिए टीम का चयन करने के लिए 10 और 11 मार्च को आईजी खेल परिसर के केडी जाधव कुश्ती इंडोर स्टेडियम में ट्रायल्स आयोजित किये जाएंगे। ऐसे मे सभी राज्य इकाइयों से अनुरोध है कि वे अपने खिलाड़ियों को ये जानकारी दें। वहीं साक्षी ने फेडरेशन की खिंचाई करने के लिए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट साझा की है। इसमें साक्षी मलिक ने कहा, टूटे हुए दिल और बहुत दुखी मन से संजय सिंह का भारतीय कुश्ती महासंघ में स्वागत है। अब लखनऊ में फिर से शिविर आयोजित होगा जबकि नेशनल नंदिनी नगर में आयोजित किए जाएंगे। इस दौरान के बार फिर से शोषण की सभी हदें पार कर दी जाएंगी क्योंकि उन्हें रोकने वाला कोई नहीं है। इसदौरान संघर्ष में साथ देने वालों का मैं आभार व्यक्त करती हूं।

रणजी ट्रॉफी के दूसरे क्वार्टर फाइनल में मुम्बई के तीन खिलाड़ियों ने लगाये शतक

नई दिल्ली । मुम्बई ने रणजी ट्रॉफी के दूसरे क्वार्टर फाइनल में बड़ौदा के खिलाफ जमकर शतक लगाये हैं। पहली पारी में जहां मुशीर खान ने दोहरा शतक जमाया जबकि दूसरी पारी में नंबर 10 और 11 के बल्लेबाजों ने भी शतक लगा दिये। दूसरी पारी में मुंबई की ओर से तीन शतक लगे यहां तक कि सलामी बल्लेबाज के साथ ही 10वें नंबर और 11वें नंबर के खिलाड़ी ने भी शतक लगा दिया। इससे मुंबई की टीम ने बड़ौदा के खिलाफ दूसरी पारी में 569 रन बनाये। हार्दिक तामोर ने 114 रन की पारी खेलकर टीम को अच्छी शुरुआत दिलायी। इसके बाद टीम ने 337 रन के स्कोर पर अपने 9 विकेट खो दिये पर इसके बाद 10वें नंबर पर उतरे तनुष और 11वें नंबर पर उतरे तुषार ने शतक लगाकर बड़ौदा के इरादों पर पानी फेर दिया। तनुष ने 120 रन जबकि तुषार ने नाबाद 123 रन बनाए। इस जोड़ी ने मिलकर अंतिम विकेट के लिए 232 रन की साझेदारी की और टीम को क्वार्टर फाइनल में एक बड़े स्कोर तक पहुंचाया। वहीं टीम ने पहली पारी में 142 रन के स्कोर पर ही 5 विकेट खो दिए थे पर इसके बाद मुशीर ने दोहरा शतक लगाकर टीम को एक बड़े स्कोर तक पहुंचाया। वहीं बड़ौदा ने पहली पारी में 348 रन बनाए थे।

कड़ी मेहनत कर अपने को साबित करने वालों को ही टीम में जगह मिलेगी : रोहित

रांची ।

भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा ने कहा है कि जो भी खिलाड़ी टीम में जगह बनाना चाहते हैं उन्हें घरेलू क्रिकेट के साथ ही टेस्ट प्रारुप में कड़ी मेहनत कर अपने को साबित करना होगा। इससे साथ ही उनके अंदर इस प्रारुप को खेलने की भूख होनी चाहिये। रोहित का ये बयान उन खिलाड़ियों को एक सख्त संदेह माना जा रहा है जो बिना मेहनत किये ही टीम में जगह बनाने का सपना देखते हैं। रोहित ने कहा कि केवल उन्हीं लोगों का टीम में जगह मिलेगी जो बेहतर प्रदर्शन और सफलता के भूखे हैं। उन्होंने टीम में पदार्पण करने वाले खिलाड़ियों सरफराज खान, ध्रुव जुरेल, यशस्वी जायसवाल और आकाश दीप की जमकर प्रशंसा की है। रोहित ने कहा, 'जिन लोगों को भूख है हम उन्हीं लोगों को मौका देंगे। अगर किसी में सफलता की भूख नहीं है तो उनको खिलाने का कोई मतलब नहीं रह जाता है। उन्होंने कहा, 'मैंने यहां टीम में कोई भी ऐसा खिलाड़ी नहीं देखा जो भूखा नहीं हो। सभी लड़के जो यहां हैं और जो नहीं हैं, वे सभी खेलना चाहते हैं उनमें सफलता की भूख होनी चाहिये। साथ ही कहा कि टेस्ट क्रिकेट में आपको बहुत कम अवसर मौके मिलते हैं पर अगर आप उनका लाभ नहीं उठाते तो वे निकल जाते हैं। हाल में इशान और श्रेयय अय्यर जैसे खिलाड़ियों ने घरेलू क्रिकेट खेलने से इंकार कर दिया था। उसके बाद भारतीय बोर्ड ने कहा था कि सभी खिलाड़ियों को टीम में जगह बनाने घरेलू क्रिकेट खेलना होगा। उसके बाद रोहित के बयान से साफ है कि घरेलू क्रिकेट की उपेक्षा नहीं की जा सकती। यह पूछने पर कि क्या आईपीएल लीग का आकर्षण युवा खिलाड़ियों के बीच टेस्ट

क्रिकेट खेलने की चाहत को प्रभावित कर रही है तब रोहित ने कहा, 'टेस्ट क्रिकेट सबसे कठिन प्रारूप है। यदि आप इस प्रारूप में उत्कृष्टता और सफलता हासिल करना चाहते हैं तो आपको भूख दिखानी होगी। उन्होंने कहा, 'आईपीएल हमारे लिए बहुत अच्छा प्रारूप है लेकिन यह टेस्ट क्रिकेट सबसे कठिन प्रारूप है और इसमें उत्कृष्टता हासिल करना कठिन है।

संतोष ट्रॉफी फुटबॉल चैंपियनशिप - कर्नाटक को हराकर की टीम मणिपुर शीर्ष पर पहुंची

मिजोरम और रेलवे भी जीती

इटानगर । मणिपुर की टीम ने संतोष ट्रॉफी 2024 राष्ट्रीय फुटबॉल चैंपियनशिप में शीर्ष पर पहुंच गयी है। मणिपुर ने फाइनल राउंड में गत चैंपियन कर्नाटक को 1-0 से हराकर ग्रुप बी में नंबर एक पर जगह बनायी। मणिपुर को अब तक के अपने तीन मैचों में सात अंक मिले हैं। इससे उसे ग्रुप बी में तीन अंकों की बढ़त मिली। इस मैच का एकमात्र गोल नगांगबाम पाचा सिंह ने 50वें मिनट में पेनल्टी के जरिये किया। मणिपुर की टीम इस मैच में हावी रही। वहीं मिजोरम ने अपने तीसरे संतोष ट्रॉफी मैच में दिल्ली के खिलाफ 5-1 से जीत दर्ज की। एम.सी माल्सावमजुआला और माल्सावमजुआला त्लांगटे ने पहले हाफ में दो-दो गोल किए, इससे पहले एमएस डावंगलियाना ने दूसरे हाफ में एक गोल किया, जिससे उनके लिए स्कोर पांच हो गया। दूसरे हाफ के इंजुरी टाइम में मोहित मित्तल ने दिल्ली के लिए एक गोल किया। इस तरह मिजोरम ने दिल्ली के साथ बराबरी कर ली है, दोनों के तीन मैचों में चार-चार अंक हैं। वहीं ग्रुप बी में सबसे नीचे रहने वाली रेलवे ने महाराष्ट्र के खिलाफ 2-1 की जीत के साथ ही अपनी नॉकआउट क्वालीफिकेशन की दौड़ में वापसी की संभावनाएं बनायी हैं। सुब्रत मुर्मू ने 11वें मिनट में रेलवे को बढ़त दिलाई, जिसके बाद महाराष्ट्र के कप्तान निखिल कदन ने गोल दागकर बराबरी कर ली। हालांकि। रेलकी कि ओर से राजेश ने 73वें मिनट में एक गोल कर अपनी टीम को जीत दिला दी। इस जीत के बाद रेलवे के भी तीन मैचों में चार अंक हो गए हैं।

प्रधानमंत्री ने 34 करोड़ रुपये की लागत से सूरत के नवनिर्मित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) का ई-उद्घाटन किया

सूरत ।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्रभाई मोदी ने सूरत के लेबर गेट स्थित मजूरागेट में 34 करोड़ रुपये की लागत से नवनिर्मित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) भवन का ई-उद्घाटन किया। 15946 वर्ग मीटर भूतल + चार मंजिला नवनिर्मित भवन में 45 कार्यशालाएं, 35 सिद्धांत कक्ष, प्रशासनिक कार्यालय, सेमिनार हॉल, ऑडियो विजुअल कक्ष, सम्मेलन कक्ष, अग्नि सुरक्षा, वर्षा जल संचयन प्रणाली जैसी विभिन्न आधुनिक सुविधाएं हैं।

आईटीआई में एनसीवीटी सिद्धांत के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करने के लिए आधुनिक मशीनरी के साथ प्रशिक्षण प्रदान करता है। साथ ही जी.सी.वी.टी. पैटर्न कार्यशालाओं के अलावा, मेगा आईटीआई में उन्नत वेल्डिंग, औद्योगिक स्वचालन, आई.टी. शामिल हैं। और उभरती प्रौद्योगिकी, कपड़ा और परिधान जैसे विभिन्न क्षेत्रों पर आधारित उत्कृष्टता केंद्र तैयार किए जा रहे हैं।

यहां बता दें कि आने वाले दिनों में राज्य के विभिन्न आईटीआई में काम करने वाले कर्मचारियों के कौशल में निरंतर सुधार के लिए इंस्टीट्यूट फॉर ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स के लिए अंतरराष्ट्रीय मानक सुविधाओं से युक्त एक केंद्र की भी परिकल्पना की जाएगी।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के रथ का भव्य स्वागत करते मंगरोल तालुका के कोठवागम के ग्रामीण

सूरत । केंद्र और राज्य सरकार की प्रमुख योजनाओं का लाभ गांव-गांव तक पहुंचाने के इरादे से सूरत के मंगरोल तालुक के कोठवा गांव में भारत संकल्प यात्रा का रथ विकसित हुआ। जहां संकल्प यात्रा के रथ का ग्रामीणों द्वारा भव्य स्वागत किया गया।

इस अवसर पर विभिन्न शाखाओं द्वारा विभिन्न विभागों की योजनाओं जैसे पोषण अभियान, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, विश्वकर्मा योजना, आयुष्यमान कार्ड, जल जीवन मिशन योजना, अटल पेंशन योजना, प्राकृतिक खेती, केंद्र एवं राज्य की पशुपालन योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। सरकारें. गणमान्य व्यक्तियों द्वारा शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ वितरित किया गया। साथ ही पोषण अभियान, पीएमजेवाई, सखी मंडल, कृषि विभाग, स्वास्थ्य विभाग के लाभार्थियों ने अपने अनुभव साझा किये।

इस अवसर पर तालुका पंचायत सदस्य ललिताबेन कांतिभाई, सरपंचश्री अशोकभाई लल्लूभाई वसावा, उपसरपंचश्री मोहम्मद हनीफ अयुलखान पठान, तलाटी-क्राम-मंत्री किरणभाई, स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, टेडगर बहनें, अन्य विभागों के अधिकारी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

किसानों को आम की खेती से पहले इन बातों का ध्यान रखना चाहिए

सूरत। दक्षिण गुजरात के नवसारी, वलसाड, सूरत आदि जिलों में आम की खेती करने वाले किसानों को सूचित करने के लिए बागवानी उप निदेशक कार्यालय सूरत और कृषि विज्ञान केंद्र नवसारी ने कहा कि पिछले दो दिनों से मौसम में बदलाव हुआ है और साथ ही बादल छाए रहने से दोपहर में गर्मी का भी अहसास हो रहा है। ऐसे में आम की खेती करने वाले किसानों के लिए आम की फसल में कीट प्रकोप की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता है, जिससे आम के उत्पादन में कमी आने की संभावना है. इस बादल वाले मौसम में आम की फसल में झुलसा और मिज लगने की संभावना है. अत॒ मधिया के नियंत्रण के लिए किसानों को इमिडा-4 मि.ली. दी जाती है। या थायोमेथोक्साम 3 ग्राम या बीटा साइफ्लुथ्रिन + इमिडाक्लोप्रिड पी एमएल। या फिर 10 लीटर पानी में 20 मिलीलीटर बुप्रोफेनजिन मिलाकर छिड़काव करना जरूरी है. या प्रोपिकोनाज़ोल-10 मिली को 10 लीटर पानी में मिलाकर भी छिड़काव करना चाहिए।

साथ ही किसानों को बताया जाए कि यदि फूल आ गए हैं और कली लगनी शुरू हो गई है तो दवा का छिड़काव करने के तुरंत बाद एक हल्की सिंचाई कर देनी चाहिए, ताकि जरूरत पड़ने पर 10 दिन बाद दूसरी दवा का छिड़काव किया जा सके। जिन किसानों के आम की फसल में गुठलियां निकल आई हैं और आम मटर के दाने जैसा हो गया है, उनके लिए एनएए (नेफ्थेलिक एसिटिक एसिड) 4 ग्राम पाउडर 200 लीटर पानी में या प्लानोफिक्स 90 मि.ली. 200 लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करने से आम की सड़न को रोका जा सकता है।

अधिक जानकारी के लिए बागवानी उपनिदेशक कार्यालय, बगायत भवन, ओलपाडी मोहल्लो, अठवालाइन्स, सूरत से संपर्क किया जा सकता है।

नर्मद विश्वविद्यालय में पैसा अधिनियम-1996 एवं वन अधिकार अधिनियमः 2006 विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई

सूरत।

वीर नर्मद के संबंध में विभिन्न कार्यक्रमों/गतिविधियों के तहत महात्मा गांधी ग्राम अध्ययन विभाग और जनजाति कल्याण आश्रम-गुजरात के सहयोग से "पेसाः पंचायत अनुसूचित क्षेत्र अधिनियम -1996 और वन अधिकार अधिनियमः 2006" के तहत सामुदायिक वन अधिकारों के प्रावधान "और उसका कार्यान्वयन" दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय की स्थापना का 60वां वर्ष। विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलाधिपति डॉ. किशोर सिंह चावड़ा ने विषय से संबंधित गतिविधियों और अनुसंधान पर जोर दिया।

इस अवसर पर अखिल भारतीय वनवासी कल्याण आश्रम के युवा कार्य अध्यक्ष वैभव सुरंगे जी ने सभी प्रतिभागियों को भारत के आदिवासी समाज की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक पहचान से अवगत कराया। वक्ता संजय कुलकर्णी ने ब्रिटिश नीति के परिणाम के साथ-साथ भारत के संविधान और कानूनी प्रावधानों पर मार्गदर्शन दिया। डॉ। राहुल मुंगीकर ने आदिवासी समाज की पारंपरिक ज्ञान प्रणाली और कानूनी अधिकारों, जैव विविधता अधिनियम-2022 और विमलभाई शाह ने आदिवासी समुदाय की परंपराओं और अधिकारों और पेसा अधिनियम-1996 के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

कार्यशाला के दूसरे दिन श्री गिरीश कुबेरजी ने प्राकृतिक संसाधनों के पारंपरिक संरक्षण और कानूनी अधिकारों, वन अधिकार अधिनियम-2006 और सामुदायिक वन संसाधनों के अधिकार पर जानकारी प्रदान की और गाँव के

पारंपरिक और सांस्कृतिक मानचित्र तैयार करने की सैद्धांतिक और व्यावहारिक समझ प्रदान की। कुल 180 प्रतिभागियों को मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

महात्मा गांधीग्राम अध्ययन विभाग के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. दीपक भोये ने बताया कि दो दिवसीय कार्यशाला के बाद नर्मद विश्वविद्यालय. और भावना व्यक्त की कि जनजातीय कल्याण आश्रम-गुजरात के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए जाने चाहिए।

इसके अलावा, उन्होंने ग्राम अध्ययन संकाय में आवश्यक पाठ्यक्रम में पेसा अधिनियम, वन अधिकार, जैव विविधता अधिनियम के विषयों को शामिल करके पेसा अधिनियम और वन अधिकारों के बारे में जन जागरूकता पैदा करने, अनुसंधान करने की इच्छा व्यक्त की।

होम क्रेडिट इंडिया सर्वेक्षण से पता चला, क्रेडिट ज़रूरतों के लिए भारतीय महिलाएँ तेज़ी-से टेक्नॉलॉजी अपनाती हैं

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर और संयुक्त राष्ट के 'महिलाओं में निवेश करें: प्रगति में तेज़ी लाएँ' विषय के अनुरूप, अग्रणी ग्लोबल कंज़्यूमर फाइनैंस प्रोवाइडर की एक स्थानीय शाखा, होम क्रेडिट इंडिया ने ज़िम्मेदार और डिजिटल नेतृत्व वाली फाइनैंस सर्विसेस के माध्यम से फाइनैंशियल समावेशन और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की है, ताकि किफायती क्रेडिट का ऐक्सेस पक्का हो सके।

भारत में, फाइनैंशियल सर्विसेस का ऐक्सेस करने में महिलाओं को पारंपरिक रूप से बाधाओं का सामना करना पड़ा है, लेकिन ऐसा लगता है कि पिछले कुछ बरसों में यह बदल रहा है। अपने हालिया सर्वेक्षण "हाउ इंडिया बॉरोज़ 2023" (How India Borrows 2023) में, होम क्रेडिट इंडिया ने देखा कि भारत में महिलाएँ टेक्नॉलॉजी को तेज़ी-से अपना रही हैं और देश के फाइनैंशियल ईको-सिस्टम में सक्रिय भागीदार बन रही हैं। सर्वेक्षण से पता चला है कि जब मोबाइल ऐप जैसे ऑनलाइन माध्यमों से क्रेडिट को ऐक्सेस करने की बात आती है, तो उधार लेने वाली महिलाएँ (31%) पुरुषों (32%) के बराबर होती हैं। इसके अतिरिक्त, 2023 में जवाब देने वाली 59% महिलाएँ सुविधा और ऐक्सेसिबिलिटी के लिए एक शक्तिशाली वरीयता पेश करते हुए मोबाइल ऐप से ऑनलाइन प्लैटफॉर्मों के ज़रिए लोन प्रोसेस को पूरा करना पसंद करती हैं। 2022 में, महिलाओं के बीच डिजिटल लोन की वरीयता 49% थी।

सर्वेक्षण में फाइनैंशियल सर्विसेस के डिजिटलाइज़ेशन की बढ़ती स्वीकृति को भी रेखांकित किया गया है। उधार लेने वाली महिलाएँ आज मोबाइल बैंकिंग, नेट बैंकिंग, पेमेंट वॉलेट और ऑनलाइन खरीदारी के साथ बहुत सहज और आसान हो गई हैं; और इसके लिए अतीत की तुलना में काफी कम मार्गदर्शन की ज़रूरत होती है। सर्वेक्षण के अनुसार, उधार लेने वाली महिलाओं ने इंटरनेट बैंकिंग (38%) की तुलना में मोबाइल बैंकिंग (47%) को प्राथमिकता दी और 50% ने बताया कि चैटबॉट सर्विसेस का इस्तेमाल करना आसान था।

डिजिटल ट्रांज़िशन के अनुरूप, उधार लेने वाली 73% महिलाओं ने ऑफ़लाइन चैनलों की तुलना में ऑनलाइन लोन को ज़्यादा सुविधाजनक माना है। वॉट्सऐप लोन के लिए नए डिजिटल चैनल के रूप में उभरा है, जिसमें उधार लेने वाली 45% महिलाओं को वॉट्सऐप पर लोन मेसेज मिले। हालाँकि, उधार लेने वाली सिर्फ 23% महिलाओं ने वॉट्सऐप पर मिलने वाले लोन ऑफर्स को भरोसेमंद माना।

सर्वेक्षण से पता चलता है कि ईको-सिस्टम में डिजिटल उधार देने वाली कंपनियों की बढ़ती संख्या के कारण 50% से ज़्यादा महिलाएँ फिनटेक के विकास के बारे में आशावादी थीं।

डिजिटल साक्षरता के मामले में, शहरी और ग्रामीण महिलाएँ पहले से कहीं ज़्यादा फाइनैंशियल पाठ और प्रबंधन मार्गदर्शन की तलाश कर रही हैं। उधार लेने वाली 32% महिलाओं ने कहा कि वे चाहती हैं कि कोई प्रतिष्ठित संगठन उन्हें इंटरनेट पर फाइनैंस से संबंधित कामों के बारे में शिक्षित करे।

उधार लेने वाली महिलाओं के बीच एक प्रमुख चिंता लोन कंपनियों की ओर से व्यक्तिगत जानकारी का इस्तेमाल करना थी। जब डेटा प्राइवेसी से संबंधित मामलों की बात आती है, तो उधार लेने वाली 44% महिलाएँ उधार देने वाले ऐप्स की ओर से जमा किए जा रहे अपने पर्सनल डेटा के बारे में ज़्यादा चिंतित थीं। सर्वेक्षण से आगे यह इशारा मिलता है कि उधार लेने वाली सिर्फ 21% महिलाएँ डेटा प्राइवेसी के नियम समझती हैं और 46% महिलाओं ने अपने पर्सनल डेटा के इस्तेमाल पर ऐप्स/कंपनियों की ओर से ट्रांसपरेंट कम्युनिकेशन की ज़रूरत महसूस की।

हितू कनोडिया और नीलम पांचाल अभिनीत गुजराती मनोवैज्ञानिक थ्रिलर 'नासूर' को दर्शकों से अभूतपूर्व प्रतिक्रिया मिली

सूरत। गुजराती फिल्म 'नसूर' एक सफल बिजनेसमैन हर्ष वर्धन की कहानी है जो अपनी जिंदगी से नाखुश है और बहुत अकेला महसूस करता है। एक सुंदर पत्नी, भाई, सफल कार्य और व्यावसायिक सहयोगी होने के बावजूद, उसे लगता है कि उसके जीवन का कोई उद्देश्य नहीं है और वह अपना जीवन समाप्त करने का फैसला करता है। जैसे-जैसे वह इस जीवन को समाप्त करने के अपने प्रयासों में असफल होता जा रहा है, उसकी मुलाकात कुछ ऐसे लोगों से होती है जिनके बारे में उसका मानना है कि वे उसकी मृत्यु में उसकी मदद करेंगे।

क्या उसकी योजनाएं काम करेंगी या नियति के पास कोई और योजना है?

फिल्म में हितू कनोडिया, नीलम पांचाल के साथ हीना जयकिशन, डेनिसा ठुमरा, हेमिन त्रिवेदी और वैशाख रतनबेन राठौड़ मुख्य भूमिका में हैं। फिल्म के टीजर को दर्शकों का जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला है, फिल्म का ट्रेलर आज रिलीज हो गया है। ट्रेलर में शानदार बैकग्राउंड म्यूजिक और मुख्य किरदारों का सराहनीय प्रदर्शन है।

स्कोडा ऑटो ने भारत के लिए ऑल-न्यू कॉम्पैक्ट एसयूवी की घोषणा की; भारत पर फोकस करने वाली रणनीति के साथ की नए युग की शुरुआत

स्कोडा ऑटो इंडिया ने ऑल-न्यू कॉम्पैक्ट एसयूवी के लिए अपनी नई योजनाओं की घोषणा की। इस एसयूवी को 2025 की पहली छमाही में भारत में लॉन्च किया जाएगा। यह कंपनी का तीसरा मेड-फॉर-इंडिया प्रोडक्ट होगा। यह नई कार कुशाक और स्लाविया की तरह MQB-A0-IN प्लेटफॉर्म पर आधारित होगी। इस नए लॉन्च के साथ, स्कोडा ऑटो इंडिया 2026 तक साल भर में 100,000 कारों की बिक्री के लक्ष्य को हासिल करने की दिशा में आगे बढ़ेगा।

स्कोडा ऑटो ए. एस के सीईओ क्लॉस ज़ेल्मर ने इस घोषणा के बारे में कहा, " पूरी दुनिया में स्कोडा ऑटो के विकास के लिए भारत बहुत महत्वपूर्ण बाजार है। भारत अपनी बाजार की जबर्दस्त ताकत के साथ दुनिया भर के अन्य देशों के बाजारों में स्कोडा ऑटो के विस्तार के लिए विकास और निर्माण का आधार भी है। इन देशों में आसियान और मध्यपूर्व के देश भी शामिल हैं। 2021 के बाद कंपनी ने भारत में अपनी कारों की बिक्री दोगुनी की है। अब हम भारत समेत दुनिया भर के अन्य देशों में अपने उपभोक्ताओं के लिए डिजाइन किए गए मॉडलों का विस्तार कर अगला कदम उठा रहे हैं। 2025 में लॉन्च की जाने वाली ऑल-न्यू कॉम्पैक्ट एसयूवी से उपभोक्ताओं के लिए एक जरूरी सेग्मेंट जोड़ा जाएगा। मुझे पूरा विश्वास है कि स्कोडा के पोर्टफोलियो का विस्तार करने से भारत में कंपनी के विकास लक्ष्य को पूरा करने में योगदान मिलेगा। इन कारों के लॉन्च से कंपनी 2030 तक फॉक्सवैगन ब्रैंड की कारों की बिक्री में करीब पांच फीसदी बाजार हिस्सेदारी हासिल करने की राह में आगे बढ़ेगी।"

प्रतिदिन एक मुट्ठीभर बादामः भारत की प्रोटीन समस्या को कम करने का एक प्राकृतिक तरीका

सूरत। प्रोटीन स्वस्थ आहार के आवश्यक कम्पोनेंट्स (घटकों) में से एक है और शरीर के भीतर कई जरूरी कार्यों को सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। एक सर्वेक्षण के अनुसार, 73 प्रतिशत भारतीय स्थापित तौर पर सुझाए गए दैनिक मात्रा में प्रोटीन का सेवन नहीं करते हैं और 90 प्रतिशत से अधिक लोग इस आवश्यकता से अनजान हैं। उपभोक्ताओं को आहार में प्रोटीन की अधिकतम मात्रा शामिल करने के महत्व पर शिक्षित करने के लिए, एलमोंड बोर्ड ऑफ कैलिफोर्निया ने आज च्भारत की प्रोटीन समस्या को कम करने के लिए एक प्राकृतिक दृष्टिकोण (ए नैचुरल एप्रोच टू मिटिगेटिंग इंडियाज प्रोटीन प्रॉब्लम)ज विषय पर एक विशेष सेशन की मेजबानी की।

यह कार्यक्रम होटल पार्क इन में आयोजित किया गया था, जिसमें सेलिब्रिटी फिटनेस ट्रेनर, सपना व्यास और एमबीबीएस और न्यूट्रीशिनिस्ट, डॉ रोहिणी पाटिल उपस्थित थे। सेशन का संचालन आरजे राजुल ने किया। इस दौरान हुई चर्चा भारतीय परिवारों में प्रोटीन के स्त्रोतों के बारे में समझ की कमी और स्वास्थ्य को बनाए रखने में पर्याप्त प्रोटीन सेवन के महत्व पर केंद्रित थी। भारत प्रोटीन की कमी की एक चिंताजनक समस्या का सामना कर रहा है, जिसमें कई लोग आवश्यक दैनिक सेवन को पूरा नहीं कर पा रहे हैं। भारत में एक औसत वयस्क के लिए अनुशंसित प्रोटीन सेवन शरीर के वजन के प्रति किलोग्राम 0.8 ग्राम है। हालांकि, औसत खपत आम तौर पर शरीर के वजन के प्रति किलोग्राम लगभग 0.6 ग्राम होती है।

डॉ. रोहिणी पाटिल, एमबीबीएस और न्यूट्रीशिनिस्ट (पोषण विशेषज्ञ) ने कहा कि च्व्हर किसी के शरीर और फिटनेस की ज़रूरतें अलग-अलग होती हैं, जो इस बात से प्रभावित होती हैं कि हमारा मेटाबोलिज्म (पाचनतंत्र) कितना तेज़ है, हम कितने सक्रिय हैं और हमारे व्यक्तिगत लक्ष्य क्या हैं। संतुलित आहार समग्र स्वास्थ्य प्राप्त करने की मूलमंत्र है। लंबे समय तक हमारी सेहत को बेहतर बनाए रखने के लिए प्रोटीन शामिल करना महत्वपूर्ण है। प्रोटीन का सेवन बढ़ाने का एक सुविधाजनक तरीका बादाम को अपने दैनिक नाश्ते में शामिल करना है; वे पौष्टिक, पोर्टेबल और प्रोटीन से भरपूर हैं। 30 ग्राम बादाम खाने से 6.3 ग्राम प्रोटीन मिलता है। इसके अलावा बादाम जिंक, आयरन, मैग्नीशियम, फॉस्फोरस, विटामिन ई और विटामिन बी जैसे आवश्यक पोषक तत्व भी प्रदान करते हैं। अन्य प्रोटीन युक्त खाद्य पदार्थों में मेवे, बीज, दालें, दाल, अंडे, मुर्गी और मछली शामिल हैं। पौधे-आधारित प्रोटीन स्त्रोतों की तलाश करने वालों के लिए, सोयाबीन, दालें, दाल और बादाम जैसे मेवे जैसे विकल्प आसानी से उपलब्ध हैं।"

प्रोटीन के स्त्रोतों, दैनिक जरूरतों और हमारे शरीर के भीतर कई जैविक प्रक्रियाओं में इसके कार्य के बारे में गलत धारणाएं आदि कुछ अन्य प्रमुख पहलू थे, जिन पर विस्तार से चर्चा की गई। कुछ गलतफहमियों में यह धारणा शामिल है कि शाकाहारियों में पर्याप्त प्रोटीन स्त्रोतों की कमी होती है, इससे वजन बढ़ता है और इसे पचाना मुश्किल होता है। तथ्य यह है कि प्रोटीन का सेवन वजन बढ़ने से रोकने में मदद कर सकता है, तृप्ति महसूस करने में मदद कर सकता है, साथ ही ये मांसपेशियों के स्वास्थ्य के लिए भी अच्छा है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)